वर्ष-32, अंक- 09, पृष्ठ-12 | कार्तिक शुक्ल पक्ष 02, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
गुरुवार
23 अक्टूबर 2025

मूल्य 2 रु.

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 12

एक नजर

बीएसएल स्टील मेल्टिंग शॉप में दो कर्मी झुलसे

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के स्टील मेल्टिंग शॉप–1 में अचानक हुए इलेक्ट्रिकल फ्लैश से दो कर्मी झुलस गए। हादसे के बाद दोनों को तत्काल बोकारो जनरल हॉस्पिटल (बीजीएच) में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार, स्टील मेल्टिंग शॉप–1 के एरिया रिपेयर शॉप में हुआ। काम के दौरान अचानक इलेक्ट्रिकल फ्लैश होने से बीएसएल कर्मी देवब्रत यादव (36) और एक शक्तिपद बावरी, ठेका मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों के हाथ और चेहरे पर जख्म आए हैं।सूत्रों के मुताबिक, हादसे के समय मरम्मत कार्य चल रहा था। अचानक बिजली के संपर्क में आने से तेज फ्लैश हुआ, जिसकी चपेट में दोनों आ गए। घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई और तत्काल दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया।इस हादसे के बाद एक बार फिर बीएसएल में इंडस्ट्रियल सेफ्टी को लेकर सवाल उठने लगे हैं।फिलहाल प्रबंधन की ओर से जांच शुरू कर दी गई है। वहीं घटना के बाद उपायुक्त अजय नाथ झा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीओ चास प्रांजल ढांडा को निर्देश दिया है कि वे बीएसएल प्रबंधन से घटना की विस्तृत रिपोर्ट अविलंब प्राप्त कर प्रशासन को प्रतिवेदन सौंपें। घायलों की पहचान देवब्रत यादव (बीएसएल कर्मी) और शक्ति पद कुमार बाउरी (ठेका श्रमिक) के रूप में की गई है।

बेतर गांव में नक्सलियों का हमला

कॉलेज निर्माण स्थल पर जेसीबी-ट्रैक्टर फूंके

- रंगदारी नहीं मिलने पर अपराधियों ने घटना को दिया अंजाम, जांच में जुटी पुलिस
- पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी का बन रहा था बीएड कॉलेज

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत बेतर गांव में सोमवार रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब निर्माणाधीन कॉलेज परिसर में खड़े जेसीबी और ट्रैक्टर को अज्ञात अपराधियों ने आग के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार, देर रात कई अपराधी अचानक मेडिकल कॉलेज परिसर में घुस आए और वहां खड़े दोनों वाहनों में पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। देखते ही देखते आग की लपटें इतनी तेज उठीं कि मजदूरों और स्थानीय लोगों को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। कॉलेज परिसर में काम कर रहे मजदूरों ने किसी तरह हिम्मत दिखाते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास किया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी, लेकिन तब तक दोनों वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो चुके थे। घटना की सूचना मिलने पर बेतर पुलिस पिकेट की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, पर तब तक अपराधी फरार हो चुके थे। सूत्रों के अनुसार, घटना के पीछे नक्सलियों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों से इलाके में रंगदारी को लेकर धमकियां दी जा रही थीं। हालांकि, घटनास्थल पर कोई नक्सली पर्चा बरामद नहीं हुआ है। मामले की जांच के लिए चंदवा पुनि सह थाना प्रभारी रणधीर कुमार सिंह शेष पेज 11 पर...

बाल-बाल बचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू केरल में लैंड होते ही धंस गया हेलीपैड

- हादसा उस वक्त हुआ जब राष्ट्रपति सबरीमला दर्शन के बाद यहां उतरीं

पथानामथिट्टा। केरल के पथानामथिट्टा जिले में राजीव गांधी स्टेडियम स्थित नव-निर्मित हेलीपैड का एक हिस्सा उस समय धंस गया जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हेलिकॉप्टर के पहिए उसमें फंस गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब राष्ट्रपति सबरीमला दर्शन के बाद यहां उतरीं। अधिकारियों के अनुसार, हेलिकॉप्टर के जमीन पर छूते ही हेलीपैड की सतह का हिस्सा अचानक धंस गया। घटना के बाद हेलिकॉप्टर एक ओर झुक गया, जिसके बाद मौके पर मौजूद पुलिस और अग्निशमन दल के कर्मियों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। संयुक्त प्रयासों से हेलिकॉप्टर को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

अधिकारियों ने बताया कि यह हेलीपैड अंतिम समय में तैयार किया गया था। खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति के हेलिकॉप्टर की लैंडिंग स्थल निलक्कल से बदलकर प्रमादम (राजीव गांधी स्टेडियम) कर दिया गया था। इसलिए मंगलवार देर रात तक कंक्रीट डालकर नया हेलिपैड बनाया गया। लेकिन चूंकि कंक्रीट पूरी तरह सूख नहीं पाया था, इसलिए वह हेलिकॉप्टर के वजन को सहन नहीं कर सका और धंस गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि स्टेडियम को लैंडिंग स्थल के रूप में आखिरी पल में चुना गया और इसी वजह से निर्माण अधूरा रह गया था। आपको बता दें कि राष्ट्रपति मुर्मू मंगलवार शाम को अपनी शेष पेज 11 पर...

सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का काउंट डाउन शुरू, सीएम बोले

भव्य आयोजन कर राज्य को दिलाएं अलग पहचान

नवीन मेल संवाददाता

राज्य को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलेगी पहचान

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी करता आ रहा है। इसी कड़ी में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का रांची में आयोजित होना पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इसका भव्य, शानदार और सफल आयोजन हो ताकि खेल के क्षेत्र में हमारे राज्य की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान स्थापित हो सके। बता दें कि इस आयोजन से झारखंड के खिलाड़ियों में भी जबरदस्त उत्साह है। स्थानीय खेलप्रेमी भी खिलाड़ियों को खेलते देखने के लिए उत्सुक हैं। शेष पेज 11 पर...

- खेल मंत्री और अन्य पदाधिकारियों ने सीएम से मुलाकात की और उन्हें बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया

रांची। राजधानी रांची में चौथी सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता 24 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक चलेगी। इसमें छह दक्षिण एशियाई देशों भारत, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका के एथलीट हिस्सा लेंगे। करीब 300 अंतरराष्ट्रीय एथलीट, कोच और तकनीकी पदाधिकारी इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। आज पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल और युवा मामले विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार, खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक शेखर जमुआर और झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव मधुकांत पाठक ने सीएम हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात कर उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उद्घाटन समारोह 24 अक्टूबर को संध्या 6 बजे से आयोजित होगा। इसका आयोजन राजधानी रांची के मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में होगा। इस मौके पर खेल मंत्री ने रांची में आयोजित हो रहे सैफ सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता की तैयारियों से संबंधित जानकारी से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

एसीबी में 211 मामलों की प्रारंभिक जांच लंबित, हाई कोर्ट ने जताई नाराजगी

- डीजी से मांगी रिपोर्ट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) में 200 से अधिक मामलों की प्रिलिमिनरी इन्क्वायरी (पीई) लंबित रहने पर गहरी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि यह चिंता की बात है कि एसीबी में दर्ज 613 पीई में से सिर्फ 480 का निपटारा हुआ है, जबकि 211 मामले अब भी अधर में लटके हैं। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान के आधार पर दर्ज एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान एसीबी के महानिदेशक (डीजी) को निर्देश दिया है कि वह व्यक्तिगत तौर पर शपथपत्र दायर कर बताएं कि इन 211 लंबित जांचों को कब तक पूरा किया जाएगा। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 6 नवंबर तय की है। सुनवाई के दौरान एसीबी की ओर से पुलिस उपाधीक्षक ने एक शपथपत्र दाखिल किया। इसमें कहा गया कि ब्यूरो पर गोपनीय सत्यापन, खुफिया जानकारी जुटाने और बड़ी संख्या में जांचों का अतिरिक्त बोझ है। इसी कारण कई मामलों में देरी हो रही है, लेकिन हाई कोर्ट ने यह दलील मानने से इनकार कर दिया।

अदालत ने कहा कि एसीबी का गठन ही इस उद्देश्य से किया गया था कि वह भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करे, गोपनीय सूचनाओं की जांच-पड़ताल करे और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई शुरू करे, इसलिए काम के बोझ या स्टाफ की कमी का बहाना नहीं बनाया जा सकता।

कोर्ट ने यह भी कहा कि यह तर्क भी स्वीकार्य नहीं है कि जिन अधिकारियों के खिलाफ जांच चल रही है, वे अब सेवानिवृत्त हो गए हैं या उनकी मृत्यु हो चुकी है। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में भी जांच समयबद्ध तरीके से पूरी की जानी चाहिए, ताकि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई से संबंधित मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

आज / कल

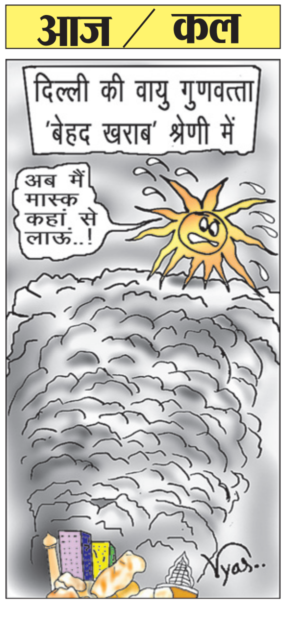

साइबर अपराधी ने युवती की 8.51 लाख की ठगी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची की एक युवती से ऑनलाइन दोस्ती कर साइबर अपराधी ने 8.51 लाख रुपए ठग लिए। पीड़िता पूनम कुमारी ने साइबर क्राइम शाखा में प्राथमिकी की है। किशोरगंज निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि निश्चल शाह नामक शख्स से उसकी जान पहचान हुई। जो खुद को एलटी कंपनी बेंगलुरु में आर्किटेक्ट बताता है। वह खुद को नेपाल निवासी बताकर भारत में नौ वर्षों से रह रहा है। आरोप है कि युवक ने फ्लैट खरीदने, रजिस्ट्रेशन कराने और ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर उससे मोटी रकम ऐंठ ली। खाता फ्रीज होने का झांसा देकर की ठगी युवती ने बताया कि आरोपी ने शुरुआत में झूठे वादे कर विश्वास जीत लिया। फिर चेक भेजने का बहाना कर कई बार पैसे मांगे। बताया गया कि आरोपी के बैंक खाता फ्रीज हो गया हैं, जिसके चलते वह भुगतान नहीं कर पा रहा है। इसके अलावा उसने यह भी झूठा दावा किया कि बैंक मैनेजरों और सीए द्वारा रिश्वत मांगी जा रही है। युवती को फर्जी चेक रसीदें और एमटीसीएन नंबर भी भेजे गए। पीड़िता ने यह भी बताया कि आरोपी के पास कई मोबाइल नंबर हैं, जिनसे वह कॉल और मैसेज करता रहा। इनमें से एक नेपाल का नंबर भी शामिल है। इसे वह अपने पिता राकेश शाह का नंबर बताया है। आरोपी द्वारा धमकी भी दी गई कि अगर दस दिनों के भीतर शिकायत वापस नहीं ली गई तो वह अपना नंबर बंद कर देगा और कभी नहीं मिलेगा। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने न केवल उससे बल्कि अपने एक अन्य दोस्त से भी एक लाख रुपये लिए हैं।

गोड्डा में बुजुर्ग महिला की गला रेतकर हत्या

गोड्डा। जिले के बोआरीजोर थाना क्षेत्र के गोराडीह गांव में मंगलवार की रात एक 65 वर्षीय महिला सोना भानु खातून की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना उस समय हुई जब वह अपनी चार साल की पोती के साथ घर में अकेली सोई हुई थीं। सुबह देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर ग्रामीणों ने जब अंदर जाकर देखा, तो सोना भानु खातून का शव खून से लथपथ अवस्था में पड़ा मिला। उनके गले पर धारदार हथियार से कटे के गहरे निशान थे। घटना की खबर मिलते ही पूरे गांव में सनसनी मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मृतका के घर के पास जुट गए। सूचना मिलने पर बोआरीजोर थाना प्रभारी आशीष कुमार यादव पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। महागामा एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद भी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की गहन पड़ताल की। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए गोड्डा सदर अस्पताल भेज दिया है।

मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण में कोई कानूनी बाधा नहीं

- भगोड़े हीरा कारोबारी को बेल्जियम कोर्ट से तगड़ा झटका

नई दिल्ली। भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को लेकर बड़ा अपडेट है। बेल्जियम की एक अदालत ने दो टूक कहा कि चोकसी को भारत प्रत्यर्पित करने में कोई बाधा नहीं है। यह फैसला एंटवर्प की एक अदालत ने 17 अक्टूबर को सुनाया। कोर्ट ने 13,500 करोड़ रुपये के पीएनबी धोखाधड़ी मामले में मेहुल चोकसी के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी। अदालत ने बेल्जियम के अधिकारियों की ओर से अप्रैल में की गई उसकी गिरफ्तारी को भी कानूनी रूप से सही ठहराया। यह भारत के लिए बड़ी कामयाबी है, जो इस भगोड़े कारोबारी को पकड़ने की लगातार कोशिश कर रहा है।

बेल्जियम की अदालत ने क्या कहा अदालत ने साफ किया कि मेहुल चोकसी बेल्जियम का नागरिक नहीं है, बल्कि एक विदेशी नागरिक है। कोर्ट ने यह भी माना कि उसके खिलाफ लगे आरोप इतने गंभीर हैं कि उसे भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि भारत की ओर से लगाए गए आरोप जैसे धोखाधड़ी, जालसाजी, दस्तावेजों में हेरफेर और भ्रष्टाचार, बेल्जियम के कानून के तहत भी अपराध माने जाते हैं।

अदालत ने पाया कि भारत में दर्ज मामले भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120B (आपराधिक साजिश), 201 (सबूत मिटाना), 409 (लोक सेवक की ओर से विश्वास का हनन), 420 (धोखाधड़ी) और 477A (खातों में हेरफेर) के तहत आते हैं। साथ ही, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं भी लागू होती हैं। इन सभी अपराधों में एक साल से अधिक की सजा का प्रावधान है।

हालांकि, अदालत ने आगे कहा कि इन अपराधों में मेहुल चोकसी की भूमिका आपराधिक गिरोह में शामिल होना, धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करना हो सकती है। ये सभी बेल्जियम आपराधिक संहिता के अनुच्छेद 66, 196, 197, 213, 240, 241, 245, 246, 247 और 496 के तहत गंभीर अपराध हैं। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत की ओर से लगाए गए एक आरोप, 'सबूत मिटाना' (आईपीसी धारा 201), बेल्जियम के कानून के तहत अपराध नहीं माना जाता है। इसलिए, केवल इस एक आरोप के आधार पर प्रत्यर्पण की अनुमति नहीं दी जा सकती।

पीएनबी धोखाधड़ी मामले में एक्शन : अदालत के फैसले में कहा गया कि कथित अपराध 31 दिसंबर, 2016 से 1 जनवरी, 2019 के बीच हुए थे। यह भी पाया गया कि भारत और बेल्जियम दोनों देशों में इन अपराधों के लिए समय-सीमा समाप्त नहीं हुई थी। चोकसी ने अदालत में यह दलील दी थी कि उसे एंटीगुआ से अगवा किया गया था और उसे भारत में राजनीतिक उत्पीड़न और अमानवीय व्यवहार का खतरा है। लेकिन अदालत को उसके इन दावों का समर्थन करने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं मिला।

भारत सरकार की ओर से दी गई जानकारी का हवाला देते हुए, अदालत ने नोट किया कि चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल की बैरक नंबर 12 में रखा जाएगा। इस बैरक में 46 वर्ग मीटर का क्षेत्र, दो सेल और एक निजी शौचालय शामिल है। भारत ने यह आश्वासन दिया कि उसे केवल चिकित्सा जरूरतों या अदालत में पेशी के लिए ही जेल से बाहर निकाला जाएगा। चोकसी ने अपने बचाव में एक्सपर्ट रिपोर्ट, अंतरराष्ट्रीय संदर्भ और विभिन्न दस्तावेज पेश किए थे।

इंडिया

डूबते सूर्य के सम्मान का ही नहीं स्त्री की सहनशक्ति का प्रतीक है छठ

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

कभी मगध के देव में केंद्रित सूर्योपासना का पर्व छठ आज महापर्व बन चुका है। इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने में स्व शारदा सिन्हा का भी बड़ा योगदान था जिस प्रकार वैष्णो देवी को लोकप्रिय बनाने में स्व गुलशन कुमार की बड़ी भूमिका थी । मुंबई जहां पर हिंदी या बिहार के लोगों का विरोध होता था वहां भी छठ के नाम पर राजनीति हो रही है कि हम आपको सुविधा दे रहे हैं वे नहीं दे रहे हैं, यही हाल दिल्ली में है जहां कभी बिहारी शब्द को गाली की तरह इस्तेमाल किया जाता था और आज वहां की राज्य सरकार ने छठ पर आधिकारिक छुट्टी के साथ सुविधाएं देती है । राजनीतिक धमक के विदेशों में भी छिटपुट छठ मनाई जाती है । धार्मिक मान्यता के अलावा दिवाली वर्षा उपरांत घरों की सफाई का तो उसके 6 दिन के बाद होने वाला छठ सरोवर की सफाई का त्यौहार है जिससे प्राचीन काल में जल स्रोतों के प्रति लोगों का सम्मान या उत्तरदायित्व झलकता था,जिसे बिहार के बहुत सारे मुस्लिम धर्मावलंबी भी मनाते हैं। महिलाओं के अलावा पुरुष भी छठ का व्रत रखते हैं और संभवतः यह एकमात्र त्यौहार है जिसमें किसी पुरोहित की यानी ब्राह्मण की आवश्यकता नहीं पड़ती। कोई भी पवित्र भाव से 36 घंटे का निर्जला व्रत रखकर सूर्य को अर्घ्य दे सकता है जो साल में दो बार मनाया जाता है। साधारण घरों की कमजोर महिलाएं जो घरों का काम करते हुए इस कठिन व्रत को पूरा करती हैं सचमुच परीक्षा देती हैं । जनजातीय समुदाय भी सूर्य के प्रति जो ऊर्जा या शक्ति के प्रतीक हैं, आस्था व्यक्त करते हुए उन्हें धर्मेश या रंपा चंपा के रूप में भगवान सूर्य की आराधना बहुत ही भक्ति भाव से करता है। यह कोई धर्म विशेष का त्योहार ना होकर सूर्य को धन्यवाद देने या उनके प्रति आभार व्यक्त करने का त्यौहार है । वैसे इसके मूल में यह संदेश छिपा है कि नदी नाले या तालाब हमारे जीवन के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं जो आज बुरी तरह प्रदूषित या संकीर्ण हो गए हैं कहीं-कहीं पर तो उनमें जल ही नहीं है जिस कारण लोग प्लास्टिक के टबों में घरों की छतों के ऊपर या खाली जमीन पर गड्ढा खोदकर कृत्रिम जल से जलागार बनाकर छठ पर्व मना रहे हैं । यह एक औपचारिकता होती है जबकि छठ पर्व सामूहिकता का प्रतीक है जिसमें महिलाओं के सामूहिक गीत, सामूहिक रूप से ठेकुआ बनाना, खीर भोजन बनाना, कद्दू भात बनाने में सहयोग करना एक बड़ा आयोजन होता है। इसका सबसे अनुकरणीय और अनूठा पक्ष यह है कि कितने भी बड़े पद पर या कितने भी धनवान व्यक्ति क्यों ना हो उन्हें सड़कों की सफाई करने पूजा का दउरा उठाने और मांग कर प्रसाद लेने या छठव्रती चाहे वह किसी भी जाति धर्म का हो घाट पर या घरों में उसका पैर छूकर आशीर्वाद लेने में किसी को कोई हिचक नहीं होती कोई भेदभाव नहीं होता इस प्रकार समाज में एक बहुत बड़ा संदेश इसके माध्यम से दिया जाता है जो भेदभाव रहित सनातनी समाज का मूल कहा जा सकता है, जबकि आधुनिक छठ में बहुत सारी बातें इसके मूल उद्देश्य से इसको भटका रही है जैसे छठ घाटों पर ताकत दिखाकर कब्जा करना छठ घाटों और मोहल्ले में बड़े-बड़े साउंड बॉक्स या डीजे लगाकर कानफोड़ू गीत संगीत रात दिन बजाना और सबसे आपत्तिजनक बात जो इसके उद्देश्य पर्यावरण की शुद्धता के ठीक विपरीत है वह है घाटों पर पटाखे की होड़ बचाना घरों से लेकर जलाशयों तक पटाखे की ऐसी धूम मची रहती है कि आयोजक बार-बार ध्वनि विस्तारक यंत्र से उन्हें समझाते रहते हैं कि कृपया पटाखे ना छोड़े वहां धुआं जो फैलता है उससे छठवृतियों का ध्यान और स्वास्थ्य दोनों खतरे में पड़ जाता है।

महागठबंधन धर्म के पालन के लिए एकता के साथ सभी घटक दलों का मान-सम्मान जरूरी : सत्यनारायण

मोहम्मदगंज। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव सत्यनारायण सिंह ने बिहार चुनाव को लेकर महागठबंधन के घटक दल जेएमएम की तल्खी पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने इस संबंध में जारी बयान में कहा कि झारखंड में जेएमएम महागठबंधन का एक प्रमुख घटक दल है। इस राज्य में इसके सर्वमान्य नेता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महागठबंधन के सभी घटक दलों का मान सम्मान रखते हुए बड़े भाई का फर्ज निभाकर सरकार में उन्हें अहम हिस्सेदारी प्रदान की है। इसी प्रकार बिहार राज्य के चुनाव में जेएमएम को भी उसकी हिस्सेदारी मिलनी चाहिए थी। मगर ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में उसकी नाराजगी स्वभाविक है। जिस पर बिहार की राजनीति में बड़े भाई की भूमिका के दल राजद के नेतृत्व को गंभीरतापूर्वक विचार करने की जरूरत है। ताकि महागठबंधन की एकता में कोई दरार न हो जाए। महागठबंधन में एकता से ही सभी घटक दलों को राजनीतिक लाभ मिलता रहा है। आगे भी सभी दलों को ऐसा लाभ मिलता रहे, इसके लिए जरूरी है कि राजद नेतृत्व इस पर मंथन करते हुए सार्थक निर्णय ले। उन्होंने कहा है कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि ऐसा ही होगा। इसके लिए जरूरत है कि जेएमएम बिहार चुनाव में महागठबंधन धर्म का पालन करते हुए सकारात्मक कदम उठाए।

युवा समाजसेवी ने फीता काटकर किया सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन

हुसैनाबाद। पलामू जिले के अतिउग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के महुडंड पंचायत में श्री लक्ष्मी पूजा समिति नौजवान एकता क्लब लोहबंधा गांव द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम को मुखिया पति सह युवा समाजसेवी शिवशंकर यादव ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर युवा समाजसेवी शिवशंकर यादव ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलती है और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है।उन्होंने कहा कि पर्व व उत्सव लोगो मे उत्साह का संचार करता है।इसलिए हर पर्व को प्रेम व सौहार्द पूर्वक मनाना चाहिए।उन्होंने कहा कि दीपो के इस पावन पर्व पर हर घर मे उजाला बनी रहे यही हमारी कामना है।मौके पर क्लब के अध्यक्ष दशरथ यादव,सचिव रमेश यादव, स्वयं सेवक उपेंद्र यादव,लखन यादव ,सतेंद्र यादव, ललन यादव, मिथलेश यादव,जितेंद्र यादव,संजय यादव, मंगर भुईयां, जितेंद्र परहिया,सुरेश यादव ,महेंद्र यादव, रामप्यारी भुईयां समेत काफी संख्या में ग्रामीण व श्रद्धालु उपस्थित थे।

दो घंटे तक छाया रहा घना कोहरा

मोहम्मदगंज। चालू मौसम में बुधवार की सुबह करीब दो घंटे तक घना कोहरा छाया रहा। कोहरे का घनापन ऐसा था कि काफी देर तक एक फर्लांग की दूरी भी साफ-साफ देखना मुश्किल बन गया था। तस्वीर को देखकर इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। बताया गया यकायक सुबह 5 बजे जंगल, पहाड़, सड़क, रेल मार्ग और खेत पर कोहरे का घना चादर फैल गया। मगर इसमें ठंड का प्रभाव नहीं पड़ा। बल्कि गर्मी महसूस हुआ। लोगों की मानें,तो पहली बार ऐसा घना कोहरा छाया था। कैसे हुआ, कहां से आया और कहां चला गया लोगों के लिए इसे समझना कठिन हो गया। दो घंटे के बीच प्राकृतिक का ऐसा नजारा और बाद में शुष्क साफ वातावरण सोचनीय पहलू बन गया।

पांकी के डंडारकला में ग्रामीणों ने श्रमदान कर किया सड़क मरम्मत का कार्य

पांकी। प्रखंड के डंडार कला पंचायत के यादव टोला के दर्जनों ग्रामीणों ने बुधवार को घंटो श्रमदान कर ट्रैक्टर एवं जेसीबी मशीन की मदद से गांव की जर्जर हो चुकी सड़क को मरम्मत कर कामचलाउ बनाया। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त टोले में आज तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य नहीं हुआ है जिस कारण लोगों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है कच्ची सड़क हर वर्ष बरसात में अत्यंत दूभर हो जाती है। श्रमदान कार्य के दौरान मौके पर मौजूद समाजसेवी पप्पू यादव, संतु यादव अजय यादव, वीरेंद्र यादव, मिथिलेश यादव, अमित यादव, उपेंद्र यादव, गोविंद यादव ने बताया कि जनप्रतिनिधियों के उदासीनता के कारण सड़क का निर्माण कार्य नहीं हो रहा है जो दुर्भाग्यपूर्ण है ग्रामीणों ने यह भी बताया कि जर्जर सड़क होने के कारण स्कूली बच्चों एवं छठ महापर्व के लेकर व्रतियों को किसी तरह की दिक्कत ना हो जिसे देखते हुए ग्रामीणों ने अपने निजी पैसे खर्च कर सोनरे नदी से सड़क मरम्मत का कार्य किया।

प्रतिमा स्थापित कर लक्ष्मी-गणेश की धूमधाम से पूजा-पाठ

मोहम्मदगंज। परंपरागत रूप से इस साल भी दैनिक बाजार प्रांगण में दीपावली की रात प्रतिमा स्थापित कर माता लक्ष्मी व भगवान गणेश की धूमधाम से पूजा-पाठ की गई। इससे भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस आयोजन में सभी व्यावसायियों का सहयोग मिला। इसे सफल कराने में प्रेम कुमार सिंह , रौशन कुमार, शानू सिंह, शुभम कुमार सिंह छोटू, प्रभात कुमार सिंह, महेश चौरसिया, कन्हाई राम और मंटू चंद्रवंशी सहित अन्य कई युवाओं का सराहनीय योगदान बताया गया। प्रतिमा विसर्जन बुधवार को किया गया।

कार्यपालक पदाधिकारी ने किया विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद । नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी शशि शेखर सुमन ने योगदान लेने के बाद हुसैनाबाद नगर पंचायत के सभी छठ घाटों का निरीक्षण कर स्थिति का जाएजा लिया। उन्होंने सभी छठ घाटों का समतलीकरण करते हुए साफ- सफाई करने के साथ साथ गहरे पानी के पास बांस गाड़कर रस्सी से घेराबंदी करने का निर्देश दिया। छठव्रतियों को घाट आने- जाने एवं पूजा में किसी तरह की परेशानी नहीं हो इसके लाए घाट तक जाने वाली सभी सड़कों की मरम्मती, साफ-सफाई एवं रोशनी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि शहर की साफ- सफाई एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष बल दिया जाएगा । इस दौरान छठ व्रतियों के सुविधा के लिए विशेष साफ- सफाई,प्रकाश व्यवस्था की जानकारी ली।नगर कर्मियों व छठ घाट समितियों से आपसी समन्वय स्थापित कर छठ पूजा को शांति पूर्वक सम्पन्न कराने की बात कहीं।इस मौके पर नगर प्रबंधक हिमानी बाड़ा, कनीय अभियंता बृजलाल यादव,आशीष सिंह,लेखापाल रविकांत पटेल, सुपरवाइजर रवि यादव,संजीत कुमार बिकास कुमार, लिपिक रूपेश कुमार सिंह समेत कई अन्य नपं कर्मी उपस्थित थे।

शहर के सभी छठ घाटों की सफाई अंतिम चरण में

हुसैनाबाद। छठ पूजा को लेकर शहर के पंच सरोवर मंदिर (गईता पोखरा),जपला छठपोखरा घाट, जमुहारी माई छठ घाट, मिलनबांध छठ घाट, मोहम्मदाबाद छठ घाट और गम्हरिया आदि छठ घाटों की साफ सफाई का कार्य शुरू हो गया है। परंतु अभी सभी छठ घाट पूरी तरह से सफाई नहीं हो पाया हैं।नगर पंचायत क्षेत्रों में छठ घाट की सफाई नगर पंचायत के कर्मियों के द्वारा घाट की सफाई कराई गई। सफाई जमादार अवधेश राम के नेतृत्व में शहर घाट पर आने वाले छठ व्रत की सुविधा को लेकर सफाई कराई गई। उन्होंने बताया कि गम्हरिया छठ घाट की सफाई करना बाकी हैं, अन्य सभी घाटों की सफाई युद्ध स्तर पर शुरू कर दी गई हैं, और अंतिम चरण में है। एक- दो दिनों में सभी घाट पूरी तरह से चकाचक कर दी जाएगी । इसके अलावा शहर के अन्य छठ घाटों की साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है। शहर से सटे विशुनपुर, कुसुआ और देवरी सोन नदी किनारे छठ घाटों की सफाई सामाजिक संस्था व पूजा समिति के द्वारा घाटों की सफाई कराई जा रही है।

साप्ताहिक बाजार घाट पर छठ महापर्व को लेकर तैयारी तेज

मोहम्मदगंज। स्थानीय अधिकारी कुंवर ट्रस्ट के तत्वावधान में कोयल नदी के साप्ताहिक बाजार घाट पर छठ महापर्व को लेकर इस बार भी मंगलवार से तैयारी तेज कर दी गई है। पहले चरण में जेसीबी से भूमि समतलीकरण और साफ-सफाई की गई। इस पर्व को लेकर तैयारी को अंजाम देने में राणा प्रताप सिंह, अरुण कुमार सिंह, प्रमोद सिंह, अनिकान्त सिंह के अलावा पवन सिंह, प्रेम सिंह, शानू सिंह, रौशन कुमार, अमन कुमार, अन्नु सिंह,अंगद और भोलू सहित अन्य कई ग्रामीण जुटे बताए गए हैं। बताया गया हाल के वर्षों से उक्त ट्रस्ट की ओर से भव्य रूप से गंगा आरती, ध्वनि विस्तारकयंत्र, चकाचक प्रकाश, व्रतियों की सुविधा व सुरक्षा व्यवस्था के साथ इस घाट पर छठ महापर्व का आयोजन देखते ही बनता है। हालांकि इस बार नदी का जलप्रवाह तेज होने की स्थिति में स्नान और अर्घ्यदान के दौरान विशेष सावधानी बरतने की जरूरत बताई गई है।

नोखिला में सांस्कृतिक कार्यक्रम में खूब झूमे श्रोता

हैदरनगर। प्रखंड के मोकहर कला पंचायत अंतर्गत ग्राम नोखीला में मंगलवार की देर शाम लक्ष्मी पूजा समिति की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुखिया नाजमा खातून व वरिष्ठ समाजसेवी नावाजिश खान ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भक्ति संगीत और वंदना के शुरु होते ही दर्शक व श्रोता झूमने को विवश हो गए। मुखिया नाजमा खातून ने कहा कि किसी भी पर्व त्योहारों में सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजनों से सभी वर्ग के लोगों के बीच आपसी प्रेम और सामाजिक समरसता की जागृति आती है। इसके लिए आयोजकों के प्रति उन्होंने आभार व्यक किया है। इस अवसर पर सूरज कुमार पासवान, गणेश साह, मिथिलेश पासवान, अमित पासवान, राहत खान, जावेद खान, विकास कुमार सहित सैकड़ों दर्शक और श्रोताओं ने मध्यरात्रि तक भक्ति संगीत का आनंद लिया।

हत्या के आरोपी को लेस्लीगंज पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा गया जेल

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत राजोगाडी अखौरी पतरा में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कांड संख्या में नामजद अभियुक्त टुनटुन मिश्रा को गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।लेस्लीगंज थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने बताया कि यह मामला 16 अक्टूबर 2025 को दर्ज किया गया था, जब वादिनी मीणा देवी, उम्र 36 वर्ष, पति स्वर्गीय अनिल कुमार मिश्रा, निवासी राजोगाडी अखौरी पतरा, ने थाना में बयान दर्ज कराया था।कि आरोपी नरेश तिवारी और टुनटुन मिश्रा ने मिलकर मारपीट कर उनके पति की हत्या कर दी। एफआईआर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103(1)/3(5) के तहत दर्ज की गई थी। साथ ही उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए आरोपी टुनटुन मिश्रा (उम्र लगभग 26 वर्ष), पिता राम प्रवेश मिश्रा, ने पूछताछ के दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है और जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।छापामारी दल में थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय, पुलिस अवर निरीक्षक मोहम्मद नईम, लेस्लीगंज रिजर्व गार्ड एवं चालक शामिल थे।

अंबेडकर चेतना परिषद, यूनाइटेड मिल्ली फोरम ने निकाला आक्रोश रैली

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। मुख्य न्यायधीश पर जूता फेंकने और ग्वालियर के मिश्रा द्वारा बाबा साहेब के खिलाफ अभद्र टिप्पणी के विरोध में बुधवार को अंबेडकर चेतना परिषद व यूनाइटेड मिल्ली फोरम के संयुक्त तत्वाधान में शहर में आक्रोश रैली निकाला गया। इसकी शुरुआत शहर के गांधी चौक से शुरू की गयी, जो शहर का भ्रमण करते हुए अंबेडकर चौक पर पहुंचकर एक सभा में तब्दील हो गयी। सभा के पूर्व लोगों ने बाबा साहेब के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेतना परिषद के संरक्षक रामेश्वर मेहता ने किया। जबकि कार्यक्रम का संचालन विजय कुशवाहा, जुबैर अहमद ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल समाजसेवी सह मुखिया अबूनशर सिद्दिकी ने कहा की अगर आजादी के 78 वर्ष बाद भी यदि देश के दलित मुख्य न्यायाधीश तक सुप्रीम कोर्ट में सुरक्षित नहीं है, तो पूरे दलित समाज के लिये एक चिंता का विषय है, आज जो देश में माहौल बन रहा है। उसमें ज्यादा जुर्म दलित और अल्पसंख्यकों के साथ हो रहा है। मुख्य न्यायाधीश पर हमला ऊंच पदों पर बैठे दलित प्रशासनिक अधिकारियों और प्रतिनिधियों पर हमला भारत के विवेक और संविधान पर हमला हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अंबेडकर चेतना परिषद के यूथ स्टेट कॉर्डिनेटर राकेश कुमार ने कहा की बाबा साहेब के खिलाफ अनिल मिश्रा द्वारा जो अमर्यादित भाषा बोला गया है, वह किस व्यक्ति पर नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा और न्यायपालिका की गरिमा पर हमला है, ऐसे लोगों को राजनीतिक संरक्षण मिलना लोकतंत्र के लिये खतरा है। डॉ. बाबा साहेब का अपमान को देश के करोड़ों अनुयायी वर्ग कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। सभा के बाद आक्रोश रैली शहर के जेपी चौक होते हुए अनुमंडल कार्यालय परिसर में पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक मांग पत्र अंचल पदाधिकारी पंकज कुमार को सौंपा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बिनोद बौद्ध, बीके रंजन,अनिता, नारायण राम, बसपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अजय भारती, मुन्ना कुमार देव, रामप्रवेश राम, अभिषेक कुमार, आरके सुमन, शक्ति पासवान, ग्यासुद्दीन सिद्दीकी, अली इमाम, रामाशंकर चौधरी, दिनेश पासवान, संतोष राम समेत काफी संख्या में लोग शामिल थे।

पांकी के गोंगो में भक्ति जागरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सुप्रसिद्ध गायिका निशा उपाध्याय व विनय तिवारी के भक्ति गानों पर रात भर झूमे श्रद्धालु

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। प्रखंड के गोंगो ग्राम में मंगलवार की रात भक्ति जागरण कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर मुख्य अतिथि जेएमएम नेता नितेश सिंह, विशिष्ट अतिथि पूर्व उपाध्यक्ष मेदिनीनगर मनोज सिंह, युवा भाजपा नेता सौरभ सिंह, पांकी एवं पिपरा टाड थाना प्रभारी,प्रमुख पंचम प्रसाद, पगार पंचायत मुखिया रीना देवी, प्रिंस सिंह, के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कमिटी के अध्यक्ष गौरव सिंह एवं कमिटी के सदस्यों के द्वारा अतिथियों को फूल माला, अंग वस्त्र और मोमेंटो देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का आगाज सुप्रसिद्ध गायिका निशा उपाध्याय के द्वारा चुनरिया ले ले अईह देवी गीत से किया गया जिससे दर्शक झूम उठे। उसके बाद विनय तिवारी जी ने छठ गीत की प्रस्तुति दि कार्यक्रम में मृत्युंजय मौर्या, खुशबू राणा, अंकू राय, श्याम सवारियां एवं बीटू सिंह के द्वारा एक से बढ़ कर एक भक्ति गीतों से रात भर सभी को गीतों से सराबोर किया । जिससे पूरा वातावरण भक्ति मय हो गया। हजारों हजार की संख्या में दर्शक उपस्थित थे, सभी लोगों ने शांति पूर्ण तरीके से एक से बढ़ कर एक भक्ति गीतों का लुफ्त उठाया। निशा उपाध्याय एवं विनय तिवारी ने बताया कि ग्राम गोंगो का कार्यक्रम ऐतिहासिक रहा।उन्होंने आयोजन कमिटी को बहुत बहुत धन्यवाद एवं साधुवाद दिया। कमिटी के अध्यक्ष गौरव सिंह सभी अतिथियों, काफी संख्या में दूर दूर से आए हुए दर्शकों एवं कमिटी के सभी सदस्यों को बहुत बहुत धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि सभी लोगों के सहयोग से ही इतना बड़ा कार्यक्रम को सफल बनाया गया है। सभी धन्यवाद के पात्र है।धन्यवाद ज्ञापन मंच संचालन सतीश सिंह के द्वारा किया गया।

शहीद जवान की माता को किया सम्मानित, मौन रहकर श्रद्धांजलि अर्पित

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। पुलिस संस्मरण दिवस पर मंगलवार को 27 जनवरी 2016 में शहीद हुए जवान अंगेश मेहता को याद करते हुए थाना परिसर में दो मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस श्रद्धांजलि सभा में थाना प्रभारी नारायण सोरेन के अलावा एसआई सुबीर किस्कू और एएसआई शेख अमानुल्लाह सहित अन्य कनिष्ठ पुलिस अधिकारी और कई जवान शामिल हुए। बाद में सदलबल थाना प्रभारी सहित उक्त पुलिस अधिकारियों ने शहीद जवान के पैतृक गांव बरवाडीह में स्थापित स्मारक स्थल पर पहुंचकर उनकी प्रतिमा का माल्यार्पण और पुष्प चढाकार उनका स्मरण किया। वहीं, घर पहुंचकर शहीद जवान की माता सोना कुंवर को अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

पंडवा ब्लॉक के कर्मियों को समय पर भुगतान न मिलने से बढ़ी परेशानी

पंडवा (पलामू)। सामाजिक कार्यकर्त्ता सतेंद्र ठाकुर ने कहा कि पंडवा ब्लॉक के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मियों को समय पर वेतन भुगतान नहीं मिल रहा है, जिससे उन्हें पर्व-त्योहार के समय आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन को चाहिए कि ब्लॉक स्तर पर कार्यरत सभी कर्मियों को नियमित रूप से वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि वे भी अपने परिवार के साथ त्योहारों की खुशियाँ मना सकें।सतेंद्र ठाकुर ने अधिकारियों से शीघ्र भुगतान की व्यवस्था करने की मांग की है।

त्योहार

श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गया गोधन कुटाई पर्व

दो दिनों के मुहूर्त के कारण आज भी मनाया जाएगा यह पर्व

नवीन मेल संवादाता

मोहम्मदगंज। दो दिनों के मुहूर्त की वजह से बुधवार को भी बहनों ने भाईंयों की दीर्घायु की कामना को लेकर आंचलिक और परंपरागत महत्व के गोधन कुटाई पर्व आस्था व उमंग के साथ मनाया। बताया गया कि वैसे, गुरुवार को भी अधिकांश क्षेत्र में इस पर्व को मनाया जाएगा। पहले दिन छिटपुट रूप में अलग-अलग जगहों पर इसे मनाया गया। बरवाडीह सहित अन्य कई ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं और बालिकाओं ने गोधन कुटाई के इस पवित्र पर्व को लेकर सुबह से ही गांव और घर-आंगन की धुलाई और गोबर से लिपाई कर पूजा स्थलों को रंगोली से सजावट की। गाय के गोबर से ही गोवर्धन पर्वत और यम की आकृति बनाकर उसका पूजन किया गया। इस दौरान पारंपरिक लोकगीत के साथ गोवर्धन परिक्रमा कर परिवार तथा गांव की समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही डंडे से गोधन कुटाई की रस्म निभाई। लोक संस्कृति के इस पर्व को मनाने में रिंकी देवी,शकुंतला देवी,रीना देवी, संजू देवी, पार्वती कुमारी, रिंकी कुमारी,सुनीता कुमारी,रेखा देवी, खुशबू कुमारी, रानी कुमारी, कुसुम कुमारी, प्रिया कुमारी, प्रभा देवी, आरती कुमारी सहित अनेक महिलाएं और बालिकाएं शामिल बताई गईं। सभी ने रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजधजकर समवेत स्वर में लोकगीतों के साथ गोधन की कुटाई की। मान्यतानुसार गोधन कुटाई की रस्म गोवर्धन पूजा का ही एक हिस्सा बताया गया है। जो भगवान श्रीकृष्ण के गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा करने की कथा से भी जुड़ा हुआ है। इसे गौ,धरा और प्रकृति के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक माना गया है। इस पर्व को मनाने से घर-परिवार में सुख-शांति और पशुधन की वृद्धि होती है। सामाजिक दृष्टिकोण से इस पर्व को लेकर महिलाओं में एकजुटता, समन्वय और सहयोग के साथ और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूकता का भान होता है। इस अवसर पर महिलाएं न केवल धार्मिक कार्य को निभाती हैं। बल्कि पुरातन परंपरा को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का भी कार्य करती हैं। इस मौके पर पारंपरिक पकवान और प्रसाद का भी उपभोग किया गया।

पर्व मनाने को लेकर अलग-अलग प्रचलित हैं कथाएं

इस पर्व को लेकर अलग-अलग प्रचलित कथाओं उल्लेख किया गया है। पंडित कुंडल तिवारी के अनुसार इसे भैया दूज के रूप में भी मनाया जाता है। इसकी एक कथा सूर्य देव के पुत्र यमराज और पुत्री यमुना के बीच भाई-बहन के अटूट विश्वास और प्रेम से जुड़ा हुआ बताया गया है। जिसमें कहा गया है कि बहन यमुना नदी स्वरूप में धरती पर आ गई थी। वहीं यमराज यमलोक में थे। संयोग ऐसा कि भाई-बहन कभी मिल नहीं पाते थे। बहन के बहुत आग्रह के बाद संयोगवश कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को यमराज यमलोक से अपनी बहन यमुना के घर पर पधारे। बहन यमुना भाई यमराज को देखकर बहुत प्रसन्न हुई। उसने उन्हें नाना प्रकार की सुरुचिपूर्ण भोजन खिलाया। इस पर यमराज देव ने प्रसन्न होकर बहन यमुना को वरदान दिया कि आज के दिन जो भाई अपनी बहन के घर में भोजन कर उसको उपहार प्रदान करेगा, उसे यमलोक में कष्टदायक पीड़ा नहीं दी जाएगी। एक अन्य कथा में बताया गया है कि किसी गांव के मुखिया को किसी पंडित जी ने बता दिया कि उनके लड़के की आयु बहुत कम है। इसे सुनकर मुखिया घबड़ा गए। तब उन्होंने पंडित जी से इसके निवारण का उपाय पूछा। तब पंडित जी ने उन्हें बताया कि उसकी बहन भाई को खूब गाली दे। उसके मरने तक के लिए भी श्राप दे। तभी इसकी मृत्यु टल पाएगी। तब बहन अपनी जीभ में कांटा चुभा-चुभा कर भला-बुरा कहकर भाई को इस श्राप से मुक्ति दिला पाई थी। इसी कारण आज भी गोधन कुटाई से पहले बहनें रेंगईनी के कांटे को जीभ पर चुभोकर भाईयों को विभिन्न प्रकार के श्राप देती हैं। इससे भाई की दीर्घायु होती है। गोधन कुटाई के बाद इसमें कुटे गए चने के दाने को भाईयों को ग्रहण करने के लिए देते हुए उनके दीर्घजीवी होने की कामना करती हैं।

वंशी वीघा गांव में श्राद्ध व उल्लास के साथ मनाया गया गाय डाढ़ पर्व

पारंपरिक व सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की अनूठी पहल : लालू प्रसाद यादव

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। नगर पंचायत के अंतर्गत जपला पथरा मुख्य मार्ग स्थित गांव वंशी वीघा में बाबा वीर नाथ धाम परिसर में यदुवंशी परिवार ने गाजे-बाजे के साथ गाय डाढ़ (गोवर्धन) पूजा उल्हास के साथ मनाया गया ।इस मौके पर बाबा वीर नाथ के मुख्य पुजारी लालू प्रसाद यादव ने कहा कि गौमाता की सेवा के बिना हमारा कल्याण नहीं होगा। मुख्यतः गौ वंश की सेवा, रक्षा एवं संवर्धन के संदेश को अपने में समाहित करने वाले पावन पर्व का नाम ही गोवर्धन पूजा है। आज के दिन भगवान श्री कृष्ण को छप्पन भोग और अन्नकूट महोत्सव करने के साथ-साथ यह भी महत्वपूर्ण है, कि गौ माताओं को भी हरा चारा खिलाया जाए, उन्हें भी भोग लगा कर तृप्त एवं प्रसन्न किया जाये। श्री बालकृष्ण प्रभु द्वारा सनातन धर्म की आधारभूता गौमाताओं की रक्षार्थ देवराज इंद्र जैसे शक्ति सम्पन्न व्यक्तित्व का विरोध कर गौमाता की रक्षा और सेवा का संदेश संपूर्ण जगत को दिया गया। हम सभी सनातनियों का प्रमुख कर्तव्य है कि यथा सामर्थ्य गौ-वंश की सेवा के यज्ञ में अपनी आहुति प्रदान की जाए। आज के इस पावन दिवस में यथा सामर्थ्य गौ सेवा से जुड़कर गोवर्धन पूजा के इस महापर्व को सार्थक बनायें। मौके पर विभिन्न गांवों क्रमशः वंशी वीघा, लंगरकोट, भैरौपुर, देवरी, विशुनपुर, मझिआंव, फातमा चक, कुशुम्हरा, भगवान वीघा सहित अन्य गांव के सैकड़ों से अधिक गोवर्धन पूजा में हुए शामिल हुए। मौके पर पर घुरा प्रसाद यादव, मोहन प्रसाद यादव, मिथिलेश कुमार यादव, लीला, मुन्ना कुमार, देव प्रसाद यादव, विरेन्द्र कुमार यादव,अशोक कुमार, कृष्ण कुमार यादव, रोहित कुमार ,अरुण कुमार ,रामवृक्ष सिंह ,वीगन सिंह, संतोष कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह, विनय कुमार सिंह ,अनिल कुमार सिंह सहित सैकड़ों लोग हुए उपस्थित थे।

एमएमसीएच के एसएनसीयू में नवजात की मौत, परिजन आक्रोशित

● इलाज में लापरवाही का आरोप, पुलिस ने स्थिति को संभाला

नवीने मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) के केयर यूनिट (एसएनसीयू) में बुधवार को एक नवजात शिशु की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिससे परिजनों में आक्रोश फैल गया। नवजात का वजन जन्म के समय लगभग एक किलोग्राम था। घटना के बाद परिजन डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे, जिससे कुछ समय अस्पताल का कार्य प्रभावित हुआ।पुलिस चौकी के एएसआई नीरज कुमार सिंह, सुशीला, पुलिस जवान महेंद्र कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंच कर परिजनों को शांत कराने का प्रयास किया। अंततः पुलिस की सकारात्मक पहल से स्थिति नियंत्रण में आई और हंगामा थमा। जानकारी के अनुसार, पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के सनोज यादव की पत्नी मनीषा देवी ने सेवा सदन में बच्चे को जन्म दिया। नवजात की हालत बिगड़ने पर उसे पहले एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया जहां से उसे एमएमसीएच रेफर किया गया। एमएमसीएच के एसएनसीयू वार्ड में इलाज के दौरान कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई।नवजात के पिता सनोज यादव ने आरोप लगाया कि उन्होंने अस्पताल स्टाफ से कई बार बच्चे की गंभीर स्थिति की सूचना दी थी और बेहतर इलाज के लिए अन्य अस्पताल ले जाने की सलाह मांगी थी, परंतु कर्मचारियों ने उन्हें यह कहकर टाल दिया कि यहां सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं और बच्चा ठीक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि समय पर उचित इलाज न मिलने के कारण उनके बच्चे की जान चली गई।

पाटन में प्रेम प्रसंग में नाबालिग की हत्या का खुलासा

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार तालाब से मिला था लड़की का शव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पाटन थाना क्षेत्र के लोइंगा गांव में हुई 19 वर्षीय नाबालिग लड़की की रहस्यमय मौत का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। हत्या के आरोपी के रूप में पुलिस ने लोइंगा बहेरा टोला निवासी अरुण कुमार (21 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। 17 अक्टूबर को गांव के पास स्थित तालाब से नाबालिग का शव बरामद हुआ था, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।घटना की जांच सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने की। टीम ने कॉल डिटेल्स, मोबाइल लोकेशन और स्थानीय साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई और आरोपी अरुण तक पहुंची। पूछताछ के दौरान आरोपी ने लड़की की

हत्या की बात स्वीकार की।पुलिस के अनुसार, आरोपी अरुण और मृतका के बीच प्रेम संबंध था, लेकिन पिछले कुछ महीनों से दोनों के बीच बातचीत कम हो गई थी। अरुण को शक था कि लड़की किसी और से बात कर रही है। 16 अक्टूबर की रात जब वह रिश्तेदार के घर जाने के बहाने निकली, तभी अरुण भी उसके पीछे गया। रास्ते में दोनों के बीच कहासुनी हुई और इसी दौरान गुस्से में आकर अरुण ने लड़की का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि हत्या से पहले दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने थे। इसके बाद विवाद इतना बढ़ गया कि अरुण ने नाबालिग की जान ले ली और शव को तालाब में फेंक दिया ताकि घटना को दुर्घटना जैसा दिखाया जा सके।आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने तालाब और आसपास से कई सबूत बरामद किए हैं, जिनमें मृतका का मोबाइल फोन, चप्पल और आरोपी के कपड़े शामिल हैं। जांच में यह भी सामने आया कि घटना की रात नाबालिग अपनी मां से चचेरी बहन के घर सोने जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन अगले दिन वापस नहीं लौटी। परिवार ने स्वयं खोजबीन के बाद उसकी गुमशुदगी की शिकायत पाटन थाना में दर्ज कराई थी।इस पूरे खुलासे में पाटन थाना प्रभारी शशि शेखर पांडेय, किशुनपुर ओपी प्रभारी नीलेश कुमार और पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका रही। फिलहाल आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

श्री विष्णु मंदिर में अन्नकूट महोत्सव पर जुटे श्रद्धालु

छप्पन भोग से सजा श्रीकृष्ण का दरबार, भक्तों की उमड़ी भीड़

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के ऐतिहासिक श्री विष्णु मंदिर परिसर में बुधवार को अन्नकूट महोत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रातः काल से ही मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा रहा। भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग अर्पित कर पूजा-अर्चना की गई और प्रसाद वितरण के दौरान भक्तिमय वातावरण छा गया।श्री विष्णु मंदिर ट्रस्ट द्वारा पिछले 90 वर्षों से चली आ रही यह परंपरा आज भी पूरे उत्साह के साथ निभाई जा रही है। जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण को विविध व्यंजन अर्पित किए गए, पूरा परिसर 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने बताया कि यह पर्व भगवान के प्रति कृतज्ञता और समृद्धि का प्रतीक है।मीडिया से बातचीत में मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि अन्नकूट का शाब्दिक अर्थ 'अन्न का पर्व' है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण को विभिन्न प्रकार के पकवान अर्पित किए जाते हैं, जिससे परिवार और समाज में सुख-समृद्धि बनी रहे। उन्होंने कहा कि हर वर्ष इस आयोजन में सैकड़ों भक्त भाग लेते हैं और सामूहिक भक्ति का यह दृश्य पूरे शहर के लिए प्रेरणादायक बन जाता है।कार्यक्रम में मंदिर के मुख्य पुजारी संजय पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा-अर्चना कराई। इस दौरान ट्रस्ट के सचिव श्रवण सोनी, कोषाध्यक्ष अभय कुमार, ट्रस्टी महेंद्र अग्रवाल, शेखर कुमार समेत बड़ी संख्या में भक्तों ने सहभागिता की।भोग अर्पण और आरती के बाद भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया।

छठ महापर्व की तैयारी तेज़, घाटों की सुरक्षा व पहुंच मार्ग सुधार पर फोकस

● अमानत व कोयल नदी घाटों पर जेसीबी से गड्ढे भरे गए, यातायात पुलिस ने संभाली कमान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आगामी छठ महापर्व को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज़ कर दी गई हैं। बुधवार को यातायात विभाग के कुछ जवानों ने अमानत नदी के सिंगरा स्थित कोयल घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान घाटों पर पार्किंग की व्यवस्था और श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए रास्तों को सुधारने का कार्य किया गया।निरीक्षण के क्रम में घाट किनारे मौजूद गड्ढों को जेसीबी मशीन की सहायता से भरा गया ताकि पर्व के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही, घाट तक पहुंचने वाले रास्तों को समतल किया गया और मिट्टी डालकर सुगम बनाया गया। घाट परिसर में सफाई अभियान भी चलाया गया, जिसमें स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवकों ने मिलकर कार्य किया।यातायात पुलिस की टीम ने घाटों के आसपास पार्किंग स्थलों को चिन्हित किया, ताकि छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के वाहनों की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने बताया कि पर्व के दौरान विशेष यातायात व्यवस्था लागू की जाएगी और किसी भी तरह की अव्यवस्था नहीं होने दी जाएगी।वहीं, कोयल नदी के मुख्य घाट पर भी निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कुछ स्थानों पर नदी का जलस्तर सामान्य से अधिक है। इस पर संबंधित अधिकारियों को अलर्ट किया गया है ताकि सुरक्षा उपाय समय पर किए जा सकें। स्थानीय प्रशासन ने घाटों पर बैरिकेडिंग कराने और पर्याप्त रोशनी लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।अधिकारियों का कहना है कि छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अगले कुछ दिनों में सभी प्रमुख घाटों का दोबारा निरीक्षण किया जाएगा ताकि किसी भी समस्या का समाधान पर्व से पहले कर लिया जाए।

एमएमसीएच में हेल्थ इन्फॉर्मेशन मशीन बंद, मरीजों को हो रही परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) में स्थापित हेल्थ इन्फॉर्मेशन मशीन कई दिनों से बंद पड़ा है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी हो रही है। झारखंड सरकार द्वारा राज्य के विभिन्न अस्पतालों में यह किस्को मशीनें लगाई गई थीं, जिनमें से मेदिनीनगर एमएमसीएच में चार किस्को मशीनें संचालित हो रही थीं।यह मशीनें मरीजों को यह जानकारी देने का काम करती थीं कि ओपीडी में कौन-से चिकित्सक सेवा दे रहे हैं। इससे मरीजों को इलाज के दौरान काउंटर और डॉक्टरों के बारे में पता लगाने में सुविधा मिलती थी, जिससे बहुत से लोग अस्पताल परिसर में बार-बार पूछताछ करने या भटकने से बच जाते थे।हालांकि, कुछ दिनों से ये मशीनें बंद हैं और सही ढंग से काम नहीं कर रही हैं। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि ये मशीनें बार-बार खराब हो जाती हैं और अत्यधिक गर्म होकर अपने आप बंद हो जाती हैं। वर्तमान में मशीन की मरम्मत के लिए इंजीनियर को बुलाया गया है, जो जल्द ही इसकी देखरेख कर इसे पुनः सक्रिय करने का प्रयास कर रहा है।अस्पताल में मशीन बंद रहने के कारण मरीजों और उनके परिजनों के लिए अस्पताल में सही जानकारी प्राप्त करना मुश्किल हो गया है, जिससे कई बार उन्हें डॉक्टर्स और अन्य सेवाओं के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है।

संत मरियम स्कूल में शिक्षकों के लिए दो दिवसीय कक्षा प्रबंधन कार्यशाला संपन्न

कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है : अविनाश देव

● प्रशिक्षकों ने दी प्रभावी शिक्षण रणनीतियों की जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल में शिक्षकों के लिए आयोजित दो दिवसीय कक्षा प्रबंधन कार्यशाला का सफल समापन हुआ। इस कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक (रिसोर्स पर्सन) के रूप में चिंशू सिंह और उमाशंकर सिंह ने शिक्षकों का मार्गदर्शन किया।प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को कक्षा को व्यवस्थित रखने, छात्रों को सक्रिय रूप से सीखने के लिए प्रेरित करने तथा एक सकारात्मक शैक्षिक वातावरण विकसित करने की नई और व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने प्रभावी शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु आधुनिक कक्षा प्रबंधन रणनीतियों और सकारात्मक पुनर्बलन के महत्व पर जोर दिया। विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षण की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना है। उन्होंने बताया कि कक्षा प्रबंधन केवल अनुशासन बनाए रखने का तरीका नहीं, बल्कि यह छात्रों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और आत्मविश्वास के विकास का माध्यम भी है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षक और अभिभावक मिलकर ही एक सशक्त तथा प्रेरणादायक शैक्षिक वातावरण का निर्माण कर सकते हैं।कार्यशाला के समापन पर स्कूल के प्राचार्य कुमार आदर्श ने दोनों प्रशिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। शिक्षकों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह कार्यशाला उनके दैनिक कक्षा प्रबंधन कौशल को निखारने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी।इस अवसर पर उप प्राचार्य एस.बी. शाहा, प्रवीण दुबे, समन्वयक अमरेंद्र कुमार, रोशन राज, रिजवाना प्रवीण, एकता सहाय समेत कई शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

सुरेश सिंह चौक के पास चोरी की बड़ी वारदात

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुरेश सिंह चौक के पास बुधवार की अहले सुबह चोरी की एक बड़ी घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय निवासी अभिमन्यु सिंह के घर में चोर ने घुसकर कीमती सोने के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। घटनास्थल से लगभग 50 ग्राम से अधिक वजनी गले का चेन, कंगन, अंगूठी और कान के झुमके चोरी होने की बात सामने आई है। बताया गया कि घटना के समय परिवार के सभी सदस्य गहरी नींद में सोए हुए थे। सुबह जब परिजन जागे तो घर का दरवाजा खुला हुआ और अलमारी का सामान अस्त-व्यस्त मिला। गहनों के गायब होने का पता चलते ही पूरे परिवार में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही टीओपी-2 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया है। उसके चेहरे पर गमछा लिपटा हुआ था, जिससे पहचान करना कठिन हो रहा है। फुटेज के आधार पर पुलिस जांच कर रही है ।

खनन टास्क फोर्स व सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में समाहरणालय में खनन टास्क फोर्स एवं सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। अवैध बालू खनन रोकने के लिए सभी अंचल अधिकारी और थाना प्रभारियों को नियमित औचक छापामारी के निर्देश दिए गए। समीक्षा में जिला के कुल 10 बालू घाट पहचानित किए गए, जिनका संचालन पारदर्शी और नियमबद्ध तरीके से ग्राम पंचायतों के सहयोग से किया जाएगा। पंचायत सचिवों और मुखियाओं के लिए कार्यशाला आयोजित कर तकनीकी सहयोग दिया जाएगा। सड़क सुरक्षा समिति ने एनएच एवं आरसीडी के क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत कराना आवश्यक बताया। हिट एंड रन मामले शीघ्र निपटाने और गुड सेमीरिटन पॉलिसी के तहत नेक कार्य करने वालों को सम्मानित करने पर भी चर्चा हुई।

मयूरहंड प्रखंड में टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड (चतरा)। डीएमसी क्लब ढोढ़ी मंधनिया के तत्वाधान में मयूरहंड प्रखंड के मधनिया मैदान में आयोजित टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि और मुखिया मंजीत सिंह ने फीता काटकर खेल की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि खेल से युवाओं में आपसी भाईचारा बढ़ता है और उनका शारीरिक व मानसिक विकास होता है। उद्घाटन मैच में हजारीबाग-सूरजपुरा टीम ने चतरा-सरगांव टीम के साथ प्रतिस्पर्धा की। टूर्नामेंट में कई खेलप्रेमी, समाजसेवी और युवा खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। आयोजकों द्वारा कहा गया कि

भविष्य में इसी तरह के आयोजन बढ़ाए जाएंगे ताकि खेल संस्कृति को बढ़ावा मिल सके।

विधायक प्रतिनिधि ने डीजीपी को पत्र लिख कर विधायक जनार्दन पासवान की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। भाजपा विधायक प्रतिनिधि रौशन कुमार सिंह ने पुलिस महानिदेशक को पत्र लिख कर चतरा विधायक जनार्दन पासवान के लिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि विधायक को वर्तमान में केवल दो सुरक्षा कर्मी प्राप्त हैं, जो पहाड़ी और दूरदराज के कुख्यात इलाकों के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकते। उन्होंने सुरक्षा में असमानता पर भी सवाल उठाया और कहा कि पूर्व मंत्री को आठ सुरक्षा कर्मी दिए गए हैं जबकि विधायक को दो ही सुरक्षाकर्मी मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है।

हरी सब्जियां महंगी, अन्य सब्जियों का दाम स्थिर

नई फसल आने के बाद कीमतों में गिरावट की उम्मीद

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। त्योहारों के बाद शहर के स्थानीय सब्जी बाजारों में दामों में हल्की स्थिरता देखने को मिल रही है। हालांकि कुछ हरी सब्जियों की कीमतें अब भी महंगी बनी हुई हैं। बुधवार को मेदिनीनगर के विभिन्न मंडियों और खुदरा दुकानों का जायजा लेने पर पाया गया कि सामान्य सब्जियां आम उपभोक्ताओं की पहुंच में हैं, जबकि प्रीमियम श्रेणी की सब्जियां अब भी जेब पर भारी पड़ रही हैं। बाजार में भिंडी, खीरा, कद्दू और टमाटर 40 रुपये प्रति किलो के दर पर बिक रहे हैं, जो पिछले सप्ताह के मुकाबले स्थिर हैं। बैंगन 50 रुपये किलो और

केला 30 रुपये प्रति दर्जन उपलब्ध है। वहीं, शिमला मिर्च और शेम के दाम क्रमशः 120 रुपये किलो तक पहुंच गए हैं। फूलगोभी और खेखसा प्रति किलो 100 रुपये, पालक और परवल 60 रुपये किलो पर बिक रही हैं। करेला 60 रुपये और पत्ता गोभी 50 रुपये किलो में बिक रही है।मौसमी सब्जियों में मूली 30 रुपये किलो और बीन (सेम) 70 रुपये किलो पर उपलब्ध है। शकरकंद (लाल) फिलहाल 40 रुपये किलो पर स्थिर है। आलू की कीमतों में कुछ अंतर देखने को मिला। नया आलू 40 रुपये किलो जबकि पुराना आलू 25 रुपये किलो तक बिक रहा है। विक्रेताओं ने बताया कि नए आलू की मांग अधिक रहने के कारण उसका भाव पुरानी खेप से अधिक है।सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि खेतों से सीमित मात्रा में ताजा माल आने और परिवहन लागत बढ़ने से हरी सब्जियों के दाम प्रभावित हुए हैं। कई दुकानदारों ने उम्मीद जताई है कि छठ पर्व के बाद जब अन्य क्षेत्रों से नई फसलें बाजार में आने लगेंगी, तो दामों में और नरमी देखी जा सकती है।वहीं, उपभोक्ताओं का कहना है कि बीते महीने की तुलना में अब बाजार अपेक्षाकृत स्थिर हुआ है, पर शिमला मिर्च, गोभी और शेम जैसी सब्जियां अभी भी महंगी हैं।

हंटरगंज के काशीकेवाल गांव में आग लगने से लाखों का नुकसान

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। हंटरगंज थाना क्षेत्र के काशीकेवाल गांव में शिबी यादव के मकान में बुधवार देर शाम अचानक भीषण आग लग गई। स्थानीय लोगों की तत्परता से आग बुझाने में सफलता मिली, लेकिन तब तक लगभग आधा घर जल चुका था। पीड़ित परिवार खेतों में होने के कारण सुरक्षित था। आग लगने से दो लाख रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई जिसमें अनाज, कपड़े, कागजात और आभूषण शामिल हैं। पीड़ितों ने आपदा प्रबंधन विभाग से मुआवजे की मांग की है। आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

लोक आस्था का पर्व : छठ पूजा की तैयारी जोरो पर, घाटों की बढ़ी रौनक

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर । सूर्योपासना का महापर्व छठ को लेकर छठ घाटों की तैयारी जोरों पर है। पर्व को शहर से लेकर गांव तक छठ के गीत बजने के कारण पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। श्री बंशीधर सूर्यमंदिर स्थित छठ घाट समेत विभिन्न छठ घाटों की साफ-सफाई के साथ-साथ घाट पर टेंट, लाईट, साउंड की समुचित व्यवस्था की तेजी से की जा रही है। ताकि छठ व्रतियों को किसी तरह की परेशानी न हो सके। श्री बंशीधर मंदिर में इस बार प्रभात क्लब के बजाय श्री बंशीधर सूर्यमंदिर ट्रस्ट की ओर से छठव्रतियों के लिये समुचित व्यवस्था की जा रही है। ट्रस्ट के प्रधान ट्रस्टी राजेश प्रताप देव स्वयं मोर्चा संभाले हुये हैं। उनकी देखरेख में मंदिर का सजावट, छठ घाट की साफ सफाई, टेंट, लाईट, साउंड, व्रतियों के स्नान करने के लिये झरना आदि की व्यवस्था की जा रही है। जिससे कि व्रतियों को कोई परेशानी नहीं हो सके। उधर बुधवार को एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह एवं थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार ने श्री बंशीधर सूर्यमंदिर स्थित छठ घाट का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया तथा कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्री बंशीधर मंदिर, सूर्यमंदिर एवं छठ घाट का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ट्रस्ट के प्रधान ट्रस्टी राजेश प्रताप देव से विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के बाद एसडीपीओ ने बताया कि श्री बंशीधर सूर्यमंदिर स्थित छठ घाट का निरीक्षण कर तैयारी का जायजा लिया गया है। उन्होंने बताया कि पर्व के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जायेंगे। छठ घाट पर पर्याप्त मात्रा में महिला एवं पुरूष बल की तैनाती की जायेगी। साथ ही मंदिर आने जाने के लिये चार चक्का के साथ-साथ दो पहिया वाहन को भी प्रतिबंधित किया जायेगा। ताकि छठ व्रतियों को आने जाने में कोई कठिनाई न हो सके। एसडीपीओ ने कहा कि पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिये पुलिस प्रशासन तत्पर है। उन्होंने लोगों से भी पर्व के दौरान सहयोग करने की अपील की है। निरीक्षण के दौरान श्री बंशीधर सूर्यमंदिर के प्रधान ट्रस्टी राजेश प्रताप देव समेत कई लोग मौजूद थे।

छठ महापर्व की तैयारियों में जुटा नवयुवक छठ पूजा समिति

चिनियां। मुख्यालय में छठ महापर्व को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। दीपावली के साथ ही अब पूरा इलाका छठ मय हो चुका है। इस पावन पर्व को भव्यता के साथ मनाने की तैयारी में नवयुवक छठ पूजा समिति के सदस्य पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं। समिति के अध्यक्ष अमित प्रसाद ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी चिनियां थाना के पीछे स्थित छठ घाट पर भव्य छठ पूजा समारोह का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष घाट की सुंदरता और व्यवस्था को देखते हुए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की संभावना है। साथ ही हर साल की तरह इस बार भी समिति की ओर से लकी ड्रा कूपन योजना शुरू की गई है। जिसमें पहला पुरस्कार मोटरसाइकिल रखा गया है, जबकि अन्य कई आकर्षक पुरस्कार भी शामिल हैं। इससे छठ कार्यक्रम में चार चांद लग जाएंगे और श्रद्धालुओं में उत्साह और अधिक बढ़ेगा। वहीं दीपावली की सुबह से ही समिति के सदस्यों ने छठ घाट की सफाई अभियान को तेज कर दिया है। नहर स्थित जलाशय की सफाई और घाट परिसर की सुंदर सजावट का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। बुधवार देर शाम तक संपूर्ण घाट की सफाई का कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस बार घाट को पूरी तरह से दुल्हन की तरह सजाने की तैयारी है, रंग-बिरंगी लाइटों, फूलों और आकर्षक तोरण द्वारों से पूरा घाट जगमगाने वाला है। श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा, जल व्यवस्था और प्रकाश व्यवस्था को लेकर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि किसी को कोई असुविधा न हो। इस मौके पर समिति के सदस्य मदन दीप प्रसाद, चंदेश्वर प्रसाद, विकास विश्वकर्मा, रोहित प्रसाद, सिमंत चंद्रवंशी, प्रवीण प्रसाद, देवराज गुप्ता समेत अन्य युवाओं ने मिलकर घाट की सफाई और सजावट कार्य में योगदान दिया। स्थानीय लोगों ने भी नवयुवक छठ पूजा समिति की इस पहल की सराहना की है और कहा है कि समिति के प्रयास से हर साल चिनियां का यह घाट पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बन जाता है।

नारायण वन छठ मेला रहेगा आकर्षण का केंद्र

केतार। नारायण वन में आयोजित छठ महापर्व मेला में इस बार श्रद्धालुओं और बच्चों के लिए एक नया आकर्षण जुड़ गया है। पहली बार छठ मेले में झूला लगाया गया है, जो मेला परिसर का खास आकर्षण बना हुआ है। रंग-बिरंगे झूलों की चहलकदमी ने मेले के माहौल में एक नया उत्साह भर दिया है। झूले का उद्घाटन स्थानीय मुखिया मूंगा साह ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, श्रद्धालु और बच्चे मौजूद थे। मुखिया ने कहा कि यह पहली बार है जब नारायण वन के छठ मेला में झूला लगाया गया है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को पूजा के साथ-साथ मनोरंजन की भी सुविधा देना है। यह झूला बिहार से आए कारीगरों द्वारा लगाया गया है, जो मेलों में पारंपरिक झूले लगाने के लिए जाने जाते हैं। बच्चों और युवाओं के बीच झूले को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। जैसे ही झूला चालू हुआ, बच्चों की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे परिसर में हंसी-खुशी की गूंज सुनाई देने लगी।स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि झूले के कारण मेले का माहौल और भी जीवंत हो गया है। श्रद्धालुओं के साथ आए परिवार के सदस्य अब पूजा के साथ-साथ कुछ समय मनोरंजन में भी बिता पा रहे हैं। मंदिर समिति ने बताया कि इस साल छठ मेला को और बेहतर बनाने के लिए कई नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जिसमें झूला प्रमुख आकर्षण के रूप में सामने आया है। सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के पूजा और मेले का आनंद ले सकें।छठ मेला के इस नए पहल से श्रद्धालुओं में काफी खुशी है और उम्मीद की जा रही है कि आने वाले वर्षों में यह झूला एक स्थायी परंपरा का रूप ले लेगा।

बीडीओ ने नारायण वन के लिए मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्त किया

केतार (गढ़वा)। प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने नारायण वन सूर्य मंदिर परिसर (मुकुन्दपुर) में शांति पूर्वक छठ पूजा सम्पन्न कराने के लिए मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्त किया हैं। बीडीओ ने छठ पुजा 28 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक के लिए छह मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की है। इन मजिस्ट्रेट में प्रखंड समन्वयक पंकज कुमार, रोजगार सेवक दीपक जायसवाल, रामकुमार प्रजापति, धीरेंद्र विश्वकर्मा और कनीय अभियंता सत्यम पासवान शामिल हैं। वहीं, रात 9 बजे से सुबह 8 बजे तक की अवधि के लिए उप निरीक्षक प्रकाश कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी कमलेश कुमार, प्रखंड समन्वयक दिनेश पाल, रोजगार सेवक सुधांशु कुमार, छोटन पासवान और कनीय अभियंता आनंद कुमार को मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। बीडीओ प्रशांत कुमार ने अंचल निरीक्षक राजेश कुमार को निर्देश दिया है कि वह थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी से समन्वय स्थापित कर, नारायण वन छठ घाट पर विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए समुचित कदम उठाएं और शांति व्यवस्था को सुनिश्चित करें। इस कदम से यह साफ है कि प्रशासन ने छठ पूजा के मौके पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर पूरी तरह से सतर्कता बरतने का फैसला लिया है, ताकि पूजा का आयोजन शांति और सुख-शांति के साथ संपन्न हो सके।

छठ महापर्व को लेकर वाहन जांच तेज

- अव्यवस्थित पार्किंग पर 4 टेंपो जब्त

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। छठ महापर्व को देखते हुए बंशीधर नगर प्रशासन द्वारा बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को लेकर सख्ती बरती जा रही है। बुधवार को मुख्य बाजार क्षेत्र में जहां-तहां खड़े चार टेंपो को पुलिस ने जब्त कर थाने लाया और उनका चालान कर दिया गया। थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने बताया कि पहले भी वाहन चालकों को निर्देश दिया गया था कि एनएच-75 मेन रोड को छोड़कर ही वाहन खड़ी करें, लेकिन इसके बावजूद कुछ चालक नियमों की अवहेलना कर रहे हैं। कुछ बस चालकों के द्वारा भी मनमानी किया जा रहा है। जिसमें बस चालकों के द्वारा राजा पहाड़ी शिव मंदिर को जाने वाली मोड़ और बंशीधर मंदिर को जाने वाली मुख्य द्वार से बसों को मुड़ाकर बस स्टैंड में बसों को खड़ी कर रहे हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की जाम की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए मेन बाजार में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अब यदि कोई भी वाहन चालक मेन मार्केट में अव्यवस्थित रूप से वाहन खड़ा करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। छोटे वाहनों की पार्किंग के लिए प्रशासन द्वारा दो स्थान निर्धारित किए गए है। चेचरिया स्थित अंबालाल पटेल बालिका उच्च विद्यालय एवं राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय का परिसर। वहीं बड़े वाहनों के लिए पहले से ही बाईपास रोड का उपयोग किया जा रहा है। गढ़वा की ओर से आने वाले वाहन पाल्हे गांव होते हुए, जबकि बिलासपुर से आने वाले वाहन महदेईया गांव से होकर बाईपास मार्ग का प्रयोग करेंगे। विशेष रूप से बस चालकों के लिए निर्देश है कि 25 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक गढ़वा की ओर से आने वाली बसें भवनाथपुर मोड़ हनुमान मंदिर के पास से मुड़ाकर वापस भवनाथपुर या गढ़वा की ओर जाएंगे और बिलासपुर की ओर से आने वाली बसें गोसाईबाग के मैदान से मुड़ाकर वापस धुरकी मोड़ से बाईपास के रास्ते आगे निकलेंगे। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि छठ महापर्व के दौरान शांति, स्वच्छता और यातायात नियमों का पालन करें,जिससे पर्व को सभी श्रद्धालु सकुशल और व्यवस्थित ढंग से मना सकें।

मुखिया व ग्रामीणों ने किया श्रमदान से सड़क का निर्माण

रमना। सिलिदाग पंचायत अंतर्गत महादेव मोड़ से रामधारी पासवान के घर तक जिर्न-शीर्ण पीसीसी सड़क पर मुखिया अनीता ड़ड़वी द्वारा निजी खर्च से मोरम डलवा कर आवागमन लायक किया गया। इस पीसीसी सड़क की स्थिति गत वर्षो से ही एकदम जर्ज़र हो गयी है, जिसका नवनिर्माण हेतु ग्रामीणों द्वारा जनप्रतिनिधियों से कई बार किया गया लेकिन आज भी स्थित जस की तस बनी हुई है। इस समस्या को देखते हुए मुखिया अनीता देवी ने मोरम गिरवाया, जिसको समतल करने में ग्रामीण युवकों ने राष्ट्रीय नवीन मेल संवाददाता के पहल पर कुदारी-तगाड़ी लेकर श्रमदान कर मोरम को समतल कर अवागमन लायक बनाया। इस कार्य में सुजीत कुमार, दक्ष सिंह, अजय कुमार, रौकी पासवान, रौशन कुमार, चन्दन कुमार, नीरज कुमार, बादल कुमार एवं सुरेन्द्र पासवान ने अहम योगदान किया।

अवैध कबाड़ी दुकानें बनीं चोरों का अड्डा पुलिस की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। क्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटनाओं ने आम लोगों से लेकर दुकानदारों तक में दहशत फैला दी है। बीते तीन दिनों में आवासीय परिसर के शॉपिंग सेंटर और ब्लॉक परिसर से लाखों रुपये मूल्य के सामान की चोरी की वारदातों ने स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। जानकारी के अनुसार, भवनाथपुर आवासीय परिसर स्थित एक बंद दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपये मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक और अन्य सामान की चोरी कर ली। वहीं पास की बंद अटा चक्की दुकान से भी करीब 50 हजार रुपये के सामान पर हाथ साफ किया गया। लगातार हो रही घटनाओं से स्थानीय दुकानदारों में भय का माहौल है। लोगों का कहना है कि रात में पुलिस गश्त न के बराबर है, जिससे चोरों के हौसले बुलंद हैं। इधर, भवनाथपुर ब्लॉक परिसर में भी चोरी की घटनाएं कम नहीं हो रही हैं। आधा दर्जन जर्जर भवनों को तोड़ने के बाद बचे मलवे से मुसहर समुदाय के कुछ लोग दिनदहाड़े पुराने लोहे के रॉड निकालकर बेचते देखे जा रहे हैं। बताया गया कि यह सारा चोरी का सामान स्थानीय गैर-लाइसेंसी कबाड़ी दुकानों में खुलेआम बेचा जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन अवैध कबाड़ी दुकानों पर पुलिस की कोई कार्रवाई नहीं होती, जबकि इन्हीं दुकानों से पहले भी सेल प्लांट क्षेत्र की चोरी का स्क्रैप बरामद किया जा चुका है। फिर भी आज तक ये दुकानें बिना रोक-टोक संचालित हैं, जिससे चोरों का मनोबल बढ़ा हुआ है। क्षेत्र के लोगों ने पुलिस प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि चोरी का सामान स्थानीय स्तर पर आसानी से बेचा जा सकता है, तो यह पुलिस-प्रशासन की लापरवाही या मिलीभगत का स्पष्ट संकेत है। नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि भवनाथपुर में संचालित सभी गैर-लाइसेंसी कबाड़ी दुकानों की तत्काल जांच कर इनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए, ताकि चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

छठ पूजा पर मांस व शराब की बिक्री प्रतिबंधित करने को लेकर ज्ञापन सौपा

नवीन मेल संवाददाता

कांडी। भाजपा मंडल अध्यक्ष शशि रंजन दुबे एवं रामलाला दुबे ने लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर थाना प्रभारी को एक ज्ञापन सौपा है जिसमें ज्ञापन के माध्यम से यह बताया गया है कि लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा जैसे पवित्र त्योहार में खुलेआम बूचड़खाने, मांस, मछली, अंडे व शराब की दुकान खुली हुई हैं। इससे पूजा पाठ में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। इससे झामुमो सरकार का दोहरा चरित्र उजागर हो रहा है। भाजपाइयों ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपते हुए बूचड़खाने,मांस, मछली, अंडे व शराब की खुलेआम बिक्री पर अविलंब प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं का सबसे बड़ा महाप्रव पवित्र त्यौहार इस समय चल रहा है और वही अंडा शराब की दुकान खुलेआम धड़ल्ले से चल रही है जो कि लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को देखते हुए थाना प्रभारी से जल्द से जल्द इसे बंद करवाने की मांग की गई है । साथ ही सतबहिनी झरना तीर्थ स्थल एवं भंडारिया से सुंडीपुर सोन नदी एवं सुंडीपुर से डुमासोता सोन नदी छठ घाट तक विशेष सुरक्षा बल व्यवस्था की मांग की गई है।

जिलापार्षद प्रतिनिधि ने लगवाया ट्रांसफार्मर

कांडी। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत डूमरसोता पंचायत के हरनाही टोला में जिलापार्षद प्रतिनिधि दिनेश कुमार के प्रयास से 25 केवी के ट्रांसफार्मर लगवा कर पूरे टोले को रौशन किया। ट्रांसफार्मर अत्यधिक ओवरलोड होने के वजह से जल गया था। जिससे बिजली आपूर्ति बिल्कुल बाधित हो गई थी।उन्होंने बताया कि डूमरसोता पंचायत के हरनही टोला लगभग 40 घर एक सप्ताह से अंधेरे में थी, मुझे यहां के स्थानीय लोगो के द्वारा मंगलवार को सूचना दिया गया।मैंने बिजली विभाग से बात कर तत्काल ट्रांसफार्मर लगवाने का काम किया ।

मझिआंव बाजार में जाम से लोग परेशान

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव (गढ़वा)। त्योहारों की रौनक के बीच मझिआंव का मुख्य बाजार इन दिनों 'जाम के जाल' में बुरी तरह उलझा हुआ है। नगर पंचायत क्षेत्र का यह प्रमुख व्यापारिक इलाका अब लोगों के लिए परेशानी का सबब बन चुका है। रोजाना लगने वाले लंबे जाम ने आमजन का जीना मुश्किल कर दिया है। मुख्य सड़क के दोनों ओर दुकानदारों ने दुकानें सजा रखी हैं और सामान सड़क तक फैला दिया है। ठेले-खोमचों और अवैध अतिक्रमण के कारण सड़क इतनी तंग हो गई है कि दो पहिया वाहन भी मुश्किल से निकल पाते हैं। त्योहारों के मौसम दशहरा, दीपावली, छठ और प्रतिष्ठा सप्ताह में स्थिति और भयावह हो जाती है। पूरा बाजार मानो अव्यवस्था की प्रदर्शनी बन गया है। साप्ताहिक बाजार के दिन बुधवार को हालात और बिगड़ जाते हैं। वाहनों की लंबी कतारें, भीड़भाड़ और सड़क पर पसरे ठेले सब मिलकर पूरा बाजार ठप कर देते हैं। एंबुलेंस तक घंटों जाम में फंसी रह जाती है, जिससे लोगों में आक्रोश और चिंता दोनों बढ़ रही है। मुख्य सड़क का बाईपास वर्षों से मांगा जा रहा है, पर प्रशासन हर बार सिर्फ निरीक्षण कर चला जाता है। जनता का सवाल आखिर कब जागेगा प्रशासन। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन का रवैया बेहद लापरवाह है। नगर प्रशासन और पुलिस दोनों केवल दिखावे की कार्रवाई तक सीमित हैं। लोगों का सवाल है क्या किसी बड़ी दुर्घटना का इंतज़ार किया जा रहा है? त्योहार की खुशियों के बीच लोग रोज इस जानलेवा जाम में फंसकर अपनी सुरक्षा से समझौता कर रहे हैं। अब बहुत हुआ। अगर प्रशासन नहीं जागा तो जनता को खुद सड़कों पर करने की संभावना है।

पीएलवी की टीम ने मृतक के परिजनों से की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड के बुका गांव 17 अक्टूबर को नदी में डूबने से 10 वर्षीय पुष्पा कुमारी की हुए मौत की घटी घटना के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश मनोज प्रसाद एवम सचिव निभा रंजना लकड़ा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की चार सदस्यों की पीएलवी की टीम ने मृतक पुष्पा कुमारी पिता दशरथ पासवान के घर का दौरा किया। पुष्पा कुमारी की अपने ही गांव स्थित नदी में डूबने से मौत हो गई थी। दशरथ पासवान जो की प्रवासी मजदूर का काम करते थे उनको अपने ही गांव के लोगों से घटना की जानकारी मिली। पीएलवी के सदस्यों ने परिजनों को इस दुःख की घड़ी में हर संभव मदद करने का भरोसा दिलाया और आपदा प्रबंधन से मिलने वाली मुआवजा राशि के विषय में जानकारी दी और आवश्यक कागजात बनवाने का निर्देश दिया। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से पीएलवी सुधीर कुमार चौबे,विकास कुमार पिंटू कुमार, सबिता देवी शामिल थे।

परेशानी

16 वर्षों में भी नहीं बन सका डंडई के केहूनियां नाला

कई गांव के किसानों को नहीं मिल रहा है लाभ

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। प्रखंड के किसानों का चिर परिचित मांग केहूनिया नाला निर्माण एक दशक के बाद भी पूरा नहीं हो सका। जिससे किसानों में नाराजगी देखने को मिल रहा है। केहुनिया नाला निर्माण कराने वाले ना ही संवेदक का इस ओर ध्यान आकृष्ट है और ना ही संबंधित विभाग के अधिकारियों और स्थानीय विधायक और मंत्री की। सारे लोग चुप बैठे हुए हैं और एक दशक से ज्यादा का समय गुजर गए। जबकि यह किसानों के हित की योजना थी। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि नहीं पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही और ना ही वर्तमान विधायक अनंत प्रताप देव किसने की समस्या को संज्ञान में लिया जिसका नतीजा है कि केहूनिया नाला का निर्माण कार्य आज भी अधूरा पड़ा हुआ है । जिला स्तर के जिम्मेदार अधिकारी भी इस महत्वपूर्ण नाला निर्माण को पूरा कराने के लिए कोई भी प्रयास करना तो दूर इसका निरीक्षण भी करना उचित नहीं समझ रहें हैं। सरकार द्वारा निर्माण को लेकर करोड़ों रुपए खर्च हुए हैं। अवशेष कार्य अधूरा रहने से प्रखंड के लगभग दर्जनों गांव के सैकड़ों किसानों को इसका लाभ नहीं मिल पाया। प्रखंड के किसान रोज मोहम्मद अंसारी विनोद कुमार विवेकानंद कुशवाहा राजेश प्रसाद गुप्ता सहित अन्य ने बताया कि स्थानीय वर्तमान विधायक, ठेकेदार और संबंधित पदाधिकारियों की घोर उदासीनता के कारण केहूनिया नाला का निर्माण कार्य आज तक पूरा नहीं हो सका है। शायद कहुनिया नाला निर्माण भ्रष्टाचार का भेट चढ़ गया है। ग्रामीण किसानों ने बताया कि 16 वर्ष बीत जाने के बाद भी यह योजना पूर्ण नहीं होना समझ से परे है। बताया कि चुनावी समय कई नेता, विधायक व मंत्री आते हैं और झूठा आश्वासन देकर चले जाते हैं। जिसके कारण यह योजना जस का तस अधूरा पड़ा हुआ है। अन्य किसानों ने बताया हम लोगों के खेत तक उक्त नाला का पानी पहुंच जाता तो हमलोग गेहूं ,धान तथा भदई फसल सहित सब्जियों की खेती सालों भर कर लेते। पानी के अभाव में हमारे अधिकांश खेत परती रहते हैं। बताया कि 16 वर्षों से अधूरा पड़ा डंडई प्रखंड क्षेत्र के गेहूं या नाला निर्माण को लेकर कोई भी विधायक सांसद नेता आवाज नहीं उठा रहे हैं यदि विधायक सांसद मंत्री इस मामला को केंद्र और राज्य स्तर पर उठाते तो शायद यह आज तक अधूरा नहीं रहता। जो अब चुनावी मुद्दा बनकर रह गया है। बताया कि केहूनिया नाला का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के बाद क्षेत्र के डंडई, बैलाझखडा सहित दर्जनों गांव के किसानों को इसका लाभ मिलता। मालूम हो कि सन 2008 में भानु प्रताप शाही तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री ने लगभग चार करोड़ की लागत से केहुनिया नाला का शिलान्यास किया था। फिर उन्होंने 2 करोड़ की लागत से बनने वाले अवशेष कार्य का भी शिलान्यास 2 दिसंबर 2016 को किया था। मामले में केहूनिया नाला के संवेदक दिनेश मेहता ने कहा की फॉरेस्ट विभाग नाला का कैनाल बनाने के लिए एनओसी नहीं दे रहा है।

पतोहू की हत्या के आरोप में सास गिरफ्तार

केतार। थाना क्षेत्र के पालनगर गांव निवासी अशोक पासवान की पत्नी बिंदा देवी को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने बताया कि बिंदा देवी पर अपनी पतोहू रेणु देवी की हत्या का आरोप है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बिंदा देवी को बांसडीह के बीघा टोला से गिरफ्तार किया। बताया गया कि दशहरा के दिन रेणु देवी की मौत संदिग्ध परिस्थिति में हुई थी।

इस मामले में मृतका के पिता संजय पासवान ने केतार थाना में अपने दामाद सहित चार अन्य लोगों पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी।पुलिस ने मामले में पहले ही मृतका के पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

लातेहार में राहुल सिंह गिरोह के पांच अपराधी गिरफ्तार

● कोयला लोडिंग साइट पर फायरिंग कर रंगदारी वसूलने की थी योजना, दो देसी पिस्टल बरामद

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने छापेमारी कर राहुल सिंह गिरोह के 5 अपराधियों को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में विश्वनाथ उरांव पिता स्व. शुक्रा उरांव (डोला सुग्दा, इटकी, रांची), फुलचंद खलखो पिता एनियस खलखो (कोलाम्बी, नगड़ी, रांची), तुलसी मुण्डा पिता दुन्दुया मुंडा (पंडरा, बहेराटोला, बेडो, रांची), तनवीर अंसारी पिता जाफर अंसारी (कांठीटांड़, रातू, रांची) व संदीप यादव पिता श्यामसुंदर यादव (सेहल, तेतरटोला, घाघरा, गुमला) शामिल हैं। इनके पास से दो देसी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इसकी जानकारी एसपी कुमार गौरव ने प्रेस वार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि 21 अक्टूबर की रात गुप्त सूचना मिली थी कि कुख्यात अपराधी राहुल सिंह गिरोह के अपराधी चंदवा थाना क्षेत्र के चेतर पंचायत के परसही डगडगी पुल के पास एकत्रित होकर टोरी रेलवे स्टेशन के समीप रंजीत गुप्ता के कोयला लोडिंग स्थल पर फायरिंग कर रंगदारी वसूलने की योजना बना रहे थे। दरअसल अपराधिक गिरोह के द्वारा लगातार आगजनी व फायरिंग की घटना अंजाम दिया जा रहा था इस सूचना पर पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के द्वारा अपराधी को घर पकड़ के लिए छापामारी दल का गठन किया गया जिसमें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी लातेहार अरविंद कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। गठित टीम ने घेराबंदी कर 5 अपराधियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने आगे बताया कि लगातार अपराधिक गिरोह के खिलाफ कारवाई की जा रही है। उसके नेटवर्क में हथियार सप्लाई और ट्रांजैक्शन के बारे में भी जानकारी इकट्ठा की जा रही है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अपराधी संदीप यादव के द्वारा कुछ माह पहले टोरी कोयला साइडिंग व बोरसीदाग के पास एनएच सड़क निर्माण में गोलीबारी घटना में शामिल रहा है। छापेमारी अभियान में एसडीपीओ अरविंद कुमार, चंदवा थाना प्रभारी रणधीर कुमार, एसआई श्रवण कुमार, अजीत कुमार, भीम कुमार, साइबर सेल राहुल कुमार दूबे, जवान बिंदेश्वर राम, बाबू ओम शिव कुमार, पिंद्र कुमार, त्रिलोकी सिंह, बसंत कुमार शामिल थे।

दो अप्राथमिकी अभियुक्त के घर की गई कुर्की जब्ती

बारियातू। बारियातू पुलिस ने मंगलवार को दो अप्राथमिकी अभियुक्त के घर विधिवत कुर्की जब्ती की कार्रवाई की।जानकारी देते हुए थाना प्रभारी रंजन कुमार पासवान ने बताया कि बारियातू थाना कांड संख्या 70/24, दिनांक 06/11/2024, धारा 126(1)/115(1)/109/324(6)/308(2)/308(4)बीएनएस , 27 आर्म्स एक्ट के दो अप्राथमिकी अभियुक्त बालूमाथ थाना के बड़वाटोला भगिया निवासी प्रवीण राम उम्र 30वर्ष पिता मुनेंद्र राम एवं परमेश्वर गंझू पिता ठाकुर दयाल गंझू के घर पहुंच कर विधिवत कुर्की जप्ती की कारवाई की गई। कुर्की जप्ती में एसआई जितेंद्र कुमार, निर्मल मंडल, संतोष पाठक, एएसआई सुरेश सिंह सहित सशस्त्र बल के जवान थे।

चोरों ने कई दुकानों में दी चोरी की घटना को अंजाम

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सदर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात चोरी की दो बड़ी घटनाएं हुईं। अज्ञात चोरों ने मोंगर गांव और प्रखंड कार्यालय के पास स्थित दुकानों को निशाना बनाया। इन वारदातों में लाखों रुपये के नकदी और जेवरात सहित अन्य सामान चोरी हो गए। पहली घटना सदर थाना क्षेत्र के मोंगर गांव में आकाश कुमार सावन के घर में देर रात करीब 1:30 बजे चोरी हुई। चोरों ने घर के पिछले दरवाजा के ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किए और लगभग तीन से चार लाख रुपये मूल्य के सोने के झुमके, मंगलसूत्र, नथिया, मंगटिका, चांदी के पायल, बिछिया और बेरा के आभूषण चुरा लिए। इसके अलावा नकदी भी गायब हुई। पीड़ित आकाश कुमार सावन के अनुसार चोर घर के पीछे के दरवाजे से अंदर घुसे और गोदरेज अलमारी तोड़कर सारा सामान लेकर फरार हो गए। सुबह जब परिवार जागा, तो मुख्य दरवाजा बाहर से बंद मिला। पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खोलने पर चोरी का पता चला। इसी रात शहर के प्रखंड कार्यालय के पास राकेश यादव की चाय दुकान में भी चोरी हुई। चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर 5000 रुपये नकद, गुटखा, सिगरेट और अन्य सामान चुरा लिया।

लगातार हो रही इन चोरी की घटनाओं से इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग की है। प्रभारी थाना प्रभारी रामाकांत गुप्ता ने बताया कि पुलिस को घटनाओं की सूचना मिल गई है और मामले की गहनता से छानबीन की जा रही है। उन्होंने जल्द ही चोरों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया।

भगवान श्री चित्रगुप्त पूजा और भाई दूज पूजा आज, तैयारी पूरी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। भगवान चित्रगुप्त (दवात) और भाई दूज (गोधन) की पूजा लातेहार जिले में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनायी जाएगी। इस दिन बहनें अपने भाई की अकाल मृत्यु न हो इसके लिए यम यमी की पूजा कर भाइयों की आयु, आरोग्य और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती हैं। इस दिन भाई को अपने बहन के घर जाकर तिलक लगाकर भोजन करने का विधान है।

मान्यता है कि इस दिन बहन के यहां भोजन करने से भाई की आयु में वृद्धि होती है। चित्र गुप्त पूजा मनुष्यों के कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाले भगवान चित्रगुप्त को समर्पित है।

लातेहार थाना चौक स्थित मनोकामना सिद्ध मंदिर के पूजारी त्रिभूवन पांडेय ने बुधवार को बताया कि गुरुवार को कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया को भाईदूज के साथ चित्रगुप्त पूजा भी मनाई जाएगी। गोधन के दिन आयुष्मान और सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग है। भाईदूज की पूजा दिनभर होगी। इधर धर्मपुर स्थित शिव मंदिर प्रांगण मे प्रतिमा स्थापित कर श्री चित्रगुप्त पूजा धूमधाम से मनाई जाएगी। इसकी सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। अध्यक्ष विवेक कुमार सिन्हा ने बताया कि गुरुवार को दस बजे से पूजा शुरू होगी।इस कार्य में सभी पदाधिकारी और सदस्यों द्वारा तन मन से सहयोग किया जा रहा है।

नेत्र चिकित्सक डॉ. प्रमोद उरांव के पिताजी का निधन

बारियातू। प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ. प्रमोद उरांव के पिताजी रामेश्वर उरांव (65) वर्षीय का निधन निवास स्थान बेसरा ग्राम में हो गया। डॉक्टर प्रमोद के पिताजी रामेश्वर एक सम्मानित व्यक्ति थे और समाजसेवा में विशेष रुचि रखते थे। उनके निधन से परिवार सहित क्षेत्र में शोक की लहर है। वहीं बालूमाथ स्थित भारतीय स्टेट बैंक के समीप रामेश्वर नेत्रालय में अपने पुत्र डॉक्टर प्रमोद के साथ निजी क्लिनिक में समय दिया करते थे। अंतिम संस्कार बेसरा स्थित श्मशान घाट में बुधवार को किया गया। जिसमें गांव के गणमान्य नागरिकों, चिकित्सक समाज और विभिन्न संगठनों के लोगों ने भाग लेकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. प्रमोद को इस दुख की घड़ी में सांत्वना देने वालों का तांता लगा हुआ है। अनेक सामाजिक, धार्मिक और चिकित्सीय संस्थाओं ने शोक व्यक्त किया। ज्ञात हो की प्रमोद गांव से निकल कर कड़ी मेहनत करते हुए नेत्र का डॉक्टर बने और कई बेसहारा महिला पुरुष को निशुल्क आंख ऑपरेशन कर रौशनी वापस करने का काम किया है। वर्तमान पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरकारी अस्पताल में पदास्थापित हैं।

न्यूज बॉक्स

श्री श्री छठ पूजा समिति की ओर से किया गया छठ व्रतियों के बीच निःशुल्क गेहूं का वितरण

चंदवा। श्री श्री छठ पूजा समिति थाना टोली चंदवा के तत्वाधान में बुधवार पूर्वाह्न 9 बजे से छठ व्रतियों के बीच निःशुल्क गेहूं वितरण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। समिति की ओर से प्रत्येक व्रती को पांच किलोग्राम गेहूं निःशुल्क दिया जा रहा है। यह वितरण थाना के ठीक सामने आरंभ हुआ है जो गुरुवार तक जारी रहेगा। इसके अलावा समिति ने खरना के लिए दूध लागत मूल्य से कम दर पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। इच्छुक व्रती दूध की बुकिंग भी करा सकते हैं। वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में सतेंद्र प्रसाद साहू, हरिनंदन दुबे, चंद्रशेखर उपाध्याय, मयंक कुमार, योगेश उपाध्याय, नवनीत कुमार,बीरेंद्र प्रसाद सहित उत्साही नवयुवकों की टोली पूरी तन्मयता से जुटी हुई है।

जल संरक्षण व ऊर्जा संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बारियातू। प्रखंड अंतर्गत गोनिया पंचायत में नवीकरणीय ऊर्जा विकास तथा जल संरक्षण एवं ऊर्जा संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन झारखंड नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी ज्रेडा एवं ब्यूरो ऑफ एनर्जी इफिशिएंसी बीईई के द्वारा एस्पेन इंजीकॉन प्राइवेट लिमिटेड की टीम के सहयोग से किया गया। जिसमे अंकित तिर्की तथा संदीप कुमार उरांव शामिल थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। जिसमें गोनिया पंचायत मुखिया रानो देवी और पंचायत सहायिका उर्मीला कुमारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा और जल संरक्षण के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना और किसानों को आवश्यक जानकारी प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक किसान भाई-बहनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों ने अपने अनुभव और ज्ञान को साझा किया और कहा कि किसानों को ऊर्जा संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों के बारे में जानकारी मिली। नवीकरणीय ऊर्जा और जल संरक्षण के प्रति किसानों में जागरूकता बढ़ी जिससे भविष्य में ऊर्जा संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग और समर्थन के अवसर बढ़ेंगे। मौके पर संतोष उराँव,सोमरी देवी, लक्ष्मी देवी लालदेव गंझू सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

योजना के सही क्रियान्वयन को लेकर सांसद ने 11 प्रतिनिधियों को किया नामित

इटखोरी (चतरा)। भाजपा के चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने इटखोरी प्रखंड में सभी विभागों की निगरानी और उनके कार्यक्रमों व योजनाओं के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 11 प्रतिनिधियों की नियुक्ति की है। सांसद ने कहा कि ये प्रतिनिधि क्षेत्र के विकास और योजनाओं के क्रियान्वयन पर सतत नजर रखेंगे तथा आम जनता तक लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रतिनिधियों में सिमरिया विधानसभा के मीडिया प्रतिनिधि के रूप में पत्रकार रवि भूषण सिन्हा, इटखोरी मीडिया प्रतिनिधि के रूप में संतोष केसरी, कल्याण विभाग के प्रतिनिधि रंजय भारती, स्वास्थ्य विभाग के कृष्णा साव, आंचलिक विकास पदाधिकारी सीताराम दांगी, वन विभाग के ज्ञानी यादव, प्रखंड कार्यालय एवं शिक्षा विभाग के नहीं सिंह, आपूर्ति विभाग एवं थाना के निरंजन सिंह, बाल विकास परियोजना एवं विद्युत विभाग के जय कुमार दास, कृषि एवं पशुपालन विभाग के सुधीर सिंह, तथा मनरेगा के प्रतिनिधि रूबी देवी शामिल हैं। प्रतिनिधियों ने प्रतिबद्धता जताई कि वे सांसद और जनता की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे और विभागीय योजनाओं के उचित क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देंगे।

छठ व्रतियों के लिए निःशुल्क केले का कांधी वितरण 26 अक्टूबर को

चंदवा। लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर इंदिरा गांधी चौक स्थित अजय किराना स्टोर की ओर से समाजसेवा का एक सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। स्टोर के प्रोपराइटर अंकित कुमार (गोलू) ने बताया कि छठ मइया की आराधना में व्रतधारियों की सुविधा के लिए दुकान की ओर से निःशुल्क केले का कांधी वितरण किया जाएगा। इस अवसर के लिए विशेष रूप से कूपन तैयार किए गए हैं, जिनके माध्यम से छठ व्रतियों को बिना किसी मूल्य के केले का कांधी दिया जाएगा। यह आयोजन 26 अक्टूबर से दिन रविवार, सुबह 10 बजे से आरंभ होगा। कांधी वितरण का स्थान सी.बी. कॉम्प्लेक्स, मेन रोड चंदवा (महेंद्र साहू 'नेता जी' के मकान में) निर्धारित किया गया है। अंकित कुमार (गोलू) ने बताया कि यह कार्यक्रम अजय किराना स्टोर का एक छोटा-सा सेवा संकल्प है, जिसका उद्देश्य छठ पर्व की पावन परंपरा को और सशक्त बनाना तथा समाज में सहयोग और श्रद्धा की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि छठ व्रती हमारे समाज की शक्ति हैं, जो अपने परिवार और समाज की मंगल कामना के लिए कठिन व्रत रखते हैं। ऐसे में यह पहल उनके प्रति सम्मान का प्रतीक है। कूपन पहले ही व्रतियों और श्रद्धालुओं के बीच वितरित किए जा चुके हैं। गोलू ने लोगों से अपील की है कि निर्धारित समय पर पहुंचकर सुव्यवस्थित तरीके से केले का कांधी प्राप्त करें।

तीन दिवसीय काली पूजा का प्रतिमा विसर्जन के साथ शांतिपूर्ण संपन्न

बालूमाथ। प्रखंड मुख्यालय में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष की काली पूजा का आयोजन युवा क्लब बालूमाथ के तत्वाधान में विक्रांत सिंह के अध्यक्षता में शांतिपूर्ण संपन्न हुई। समिति द्वारा भव्य पूजा पंडाल का निर्माण के साथ-साथ एक अच्छा व्यवस्था का आयोजन किया गया था 20 अक्टूबर की मध्य रात्रि को मां काली का पूजा धूम धाम से की गई। वहीं 21 अक्टूबर के संध्या बेला में बिहार की मशहूर गायिका सोनम यादव का गीत संगीत का कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिन्होंने भक्ति गीत एवं छठ गीत के साथ-साथ एक से बढ़कर एक भोजपुरिया गीत संगीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं 22 अक्टूबर को हवन के साथ-साथ बालूमाथ पत्रकार समूह द्वारा भव्य भंडारा का आयोजन किया गया जिन्हें पूजा समिति द्वारा वरिष्ठ पत्रकार अजीत कुमार, सुरेंद्र गुप्ता परमेश पांडे, पंकज सिन्हा, अमन सिन्हा, दिलीप कुमार, राजेश साव आदि को चुनरी ओढ़ा कर भव्य स्वागत किया गया। वहीं महिलाओं द्वारा मां काली का खोईचा भराई एवं सिंदूर खेला रसम को पूरा की गई।इसके उपरांत मूर्ति विसर्जन की तैयारी में पूजा समिति जुट गई। वहीं काली पूजा को लेकर बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रुकता इंतजाम किए गए थे श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत ना हो जिसको लेकर सड़कों पर पूजा पंडालू पर पुलिस बल तैनात किए गए थे। तीन दिवसीय महा काली पूजा को सफल बनाने के लिए अध्यक्ष विक्रांत सिंह, मुख्य संरक्षक विजय प्रसाद के साथ-साथ हीरो कांत गुप्ता, सुनील आर्या,राजेश कुमार साव,अनमोल अग्रवाल, मोनू पासवान, पिंकू पासवान, मोनू गुप्ता,गुलाब प्रसाद, प्रिंस गुप्ता,आयुष यादव,सचिन यादव,शिवनाथ ठाकुर,बबलू यादव, प्रिंस केसरी, बादल यादव,राजू कुमार,भानु सिंह,रौशन गुप्ता,अनिल प्रजापति,अंकित यादव,रोहित कुमार,कुंदन कुमार,दीपक गुप्ता,संदीप कुमार सागर गुप्ता आदि के नाम शामिल हैं। वहीं लाइट साउंड पिंटू साहू और सजावट आर के फ्लावर एवं दुर्गा टेंट का भूमिका अहम रही।

यदुवंशी समाज ने गिद्धौर में आयोजित की गोवर्धन पूजा, धर्म-समाज सुधार का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। यदुवंशी समाज ने गिद्धौर प्रखंड के गांगपुर यादव लाइन होटल परिसर में भव्य गोवर्धन पूजा का आयोजन किया। पूजा का शुभारंभ कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रदेव गोप ने किया। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना के साथ समाजसेवियों और पदाधिकारियों ने कृष्ण लीला की महत्ता समझाई। अतिथियों ने कहा कि भगवान कृष्ण ने दोपहर की भीषण बारिश से गोकुलवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अंगुली पर उठाकर इंद्र के घमंड को ध्वस्त कर दिया था। इसी कारण से संपूर्ण भारत में गोवर्धन पूजा की परंपरा प्रचलित है। कार्यक्रम में समाज सुधार, रूढ़ियों और कुरीतियों के उन्मूलन का आह्वान भी किया गया। समाज के बड़े नेताओं और पदाधिकारियों ने यदुवंशी समाज को सामाजिक जागरूकता और धर्म के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी।

बीडीओ व सीओ ने किया छठ घाटों का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह प्रखंड में छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर अधिकारियों ने सभी प्रमुख घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जलाशयों की गहराई, घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था और व्रतियों के लिए सुविधाओं की उपलब्धता का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने छठ पूजा कमेटी के सदस्यों से चर्चा कर सुनिश्चित किया कि सभी घाटों पर व्रतियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। सुरक्षा व्यवस्था पर जोर निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी श्रद्धालु को गहरे पानी में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कदम व्रतियों की सुरक्षा और धार्मिक अनुभव को सुरक्षित बनाने के लिए उठाया गया है। इसके साथ ही सभी घाटों पर सफाई और व्यवस्थापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

प्रखंड विकास पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज ने कहा कि हम चाहते हैं कि व्रती सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण में छठ पूजा कर सकें। सभी घाटों पर सुरक्षा और स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

छठ पूजा कमेटी के अध्यक्ष और सदस्य अधिकारियों के मार्गदर्शन में व्रतियों को सभी आवश्यक सुविधाएं देने के लिए तत्पर हैं। बीडीओ ने पूजा कमेटी को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए सभी आवश्यक कदम समयबद्ध तरीके से उठाए जाएं।

निरीक्षण में शामिल प्रमुख घाटों में मैन रोड पुरानी बस्ती घाट, आदर्शनगर घाट और देवरी नदी घाट शामिल थे। सभी घाटों पर सुरक्षा के लिए गार्ड और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि सभी घाटों पर साफ-सफाई और व्रतियों के लिए सुविधाएं समय से सुनिश्चित की जाएंगी ताकि छठ महापर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से मनाया जा सके।

आत्म सुरक्षा को लेकर कांग्रेसी नेता सुरेंद्र पासवान एवं भाजपा नेता लव कुमार दुबे ने दिए आवेदन

लातेहार। मनिका थाना में कांग्रेस नेता सुरेंद्र पासवान एवं भाजपा नेता लव कुमार दुबे ने आत्म सुरक्षा के लिए आवेदन दिया है। मामला यह है कि दोनों लोगों के द्वारा प्रखंड मुख्यालय के पीछे 10 एकड़ भूमि की बंदोबस्ती का मामला उठाया जा रहा है। जो खबर अखबार में छपी भी थी, वहीं स्थानीय पत्रकार को प्रदुमन प्रसाद ने कहा कि जो मामला उठा रहे हैं उनको पता नहीं है कि दस बीस हजार में आजकल शूटर भी मिलता है। जिसे लेकर आत्म सुरक्षा के लिए कांग्रेसी नेता सुरेंद्र पासवान एवं भाजपा नेता लव कुमार दुबे ने मनिका थाना में लिखित आवेदन देकर इसकी शिकायत की है। आवेदन देने समय भाजपा मंडल अध्यक्ष मनदीप कुमार ,पूर्व जिला परिषद सदस्य महेश सिंह भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष छोटू राजा मिथिलेश पासवान, विकास कुमार, बजरंगी कुमार , बसंत कुमार उपस्थित थे।

एसएसबी 32 वीं वाहिनी ने औरंगा नदी छठ घाट में किया श्रमदान

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला मुख्यालय के प्रमुख छठ घाटों में से एक चटनाही छठ घाट बनाने के कार्य में पिछले कई दिनों से लोगों के द्वारा श्रमदान किया जा रहा हैं इसी क्रम में आज छठ घाट के निर्माण में आम से लेकर खास तक ने श्रमदान किया, जिसका अर्थ है कि सभी लोगों ने मिलकर इस काम में अपना योगदान दिया है। इसमें कोई भेद-भाव नहीं होता, वह चाहे अधिकारी हो, जवान हो या आम नागरिक। यह छठ पूजा की सामुदायिक भावना को दर्शाता के लिए काफी है। लोक आस्था के महापर्व को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी शुरू जारी है। विशेष रूप से छठ घाट साफ किए जा रहे हैं. इसे लेकर विभिन्न सामाजिक संगठन और जिला प्रशासन, छठ घाट को साफ-सफाई करने में लगे हैं. इसी क्रम में आज 32वीं सशस्त्र बल के जवानों, आम नागरिकों, अधिवक्ताओं और जिले के बुद्धिजीवियों ने श्रमदान किया।

श्रमदान कर हमने फिट इंडिया व सवच्छता का संदेश दिया : दीपीक कुमार

सशस्त्र सीमा बल 32 वाहिनी के द्वारा फिट इंडिया 6.0 रन का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में सशस्त्र सीमा बल के जवान व अधिकारी ने भाग लिया दौड़ का आयोजन लातेहार के स्टेशन रोड स्थित सशस्त्र सीमा बल 32 वाहिनी मुख्यालय से शुरू होकर चटनाही स्थित सार्वजनिक सूर्य पूजा छठ घाट पहुंची जहां एस एस बी32 वाहिनी के अधिकारी और जवानों ने छठ घाट का साफ सफाई किया वहीं बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने एस एस बी के जवानों के साथ मिलकर छठ घाट का सफाई किया वही दीपक कुमार मीणा द्वितीय कमांडेंट ने कहा कि लातेहार और लोहरदगा जिले में सशस्त्र सीमा बल ड्यूटी के लिए तैनात है और समाज के लिए हमारी जिम्मेदारी बनती है और इसी के लिए एक सामाजिक संदेश हमारे तरफ से दिया गया फिट इंडिया का एक मैसेज देने का काम किया है। जिसमें आज जो युवा वर्ग है शारीरिक समस्याओं से जूझ रहा है और इस दौड़ के माध्यम से हम युवाओं को यह संदेश देना चाह रहे हैं कि आप अपने सेहत के प्रति जागरूक रहे हैं। प्रत्येक दिन दौड़ते हैं योग करते हैं मेडियसिन करते हैं तो अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं और चटनाही छठ घाट पर हम लोगों ने श्रमदान किया है। साफ सफाई किया है स्वच्छता का संदेश दिया है ताकि लोग इस महापर्व को अच्छे से मना सके।

अधिक से अधिक युवा यहां आएं और श्रमदान कर पुण्य का भागी बनें : राजीव रंजन पाण्डेय

वहीं छठ घाट पर श्रमदान करने वाले अधिवक्ता राजीव रंजन पाण्डेय ने कहा कि छठ केवल पर्व नहीं यह हमें प्रकृति से जोड़ता है। केवल हमारी संस्कृति ही ऐसी संस्कृति है जो डूबते और उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित करती है। छठ हमें एक दूसरे से जोड़ने का कार्य करता है साथ ही यह आस्था का महापर्व है। मैं लातेहार के युवाओं से अपील करना चाहता हूं कि वे भी यहां पर आकर श्रमदान करें और पुण्य के भागी बनें। वहीं चटनाही छठ घाट के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ने बताया कि आज सब के द्वारा छठ घाट का श्रमदान करके साफ सफाई किया गया है।

छठ महापर्व को लेकर लोहरदगा पुलिस ने चलाया व्यापक स्वच्छता अभियान, कहा -

छठ के दौरान घाटों की स्वच्छता बनाए रखें, प्लास्टिक व कचरा घाटों पर न फेंके

- हाथों में झाड़ू व कूड़ेदान लेकर एसपी स्वयं कर रहे थे सफाई

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सूर्य उपासना के महापर्व छठ को लेकर लोहरदगा जिले में पुलिस प्रशासन की ओर से स्वच्छता और सुरक्षा दोनों मोर्चों पर विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान की शुरुआत राम मंदिर तालाब, बड़ा तालाब और ठकुराईन तालाब से की गई। जहां स्वयं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी झाड़ू और कूड़ेदान लेकर मैदान में उतरे। इस अवसर पर लोहरदगा एसपी सादिक अनवर रिजवी, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा और किस्को एसडीपीओ वेदांत शंकर ने पुलिस बल के जवानों के साथ मिलकर घाटों की साफ-सफाई की। सभी अधिकारियों ने तालाब किनारे जमा कचरे, प्लास्टिक और मलबे को हटाया, ताकि श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। एसपी सादिक अनवर रिजवी ने मौके पर कहा कि "छठ महापर्व सिर्फ आस्था और सूर्य उपासना का पर्व नहीं, बल्कि यह समाज में एकता, स्वच्छता और अनुशासन का संदेश देने वाला त्योहार है। हम सभी से आग्रह करते हैं कि छठ के दौरान घाटों की स्वच्छता बनाए रखें, प्लास्टिक और कचरा घाटों पर न फेंके। यह पर्व तभी सार्थक होगा जब हम स्वच्छ और शांतिपूर्ण वातावरण में इसे मनाएं।" उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में सभी छठ घाटों की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा। विशेष पेट्रोलिंग दल, महिला पुलिस बल और गोताखोरों की टीम को तैनात किया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। साथ ही, घाटों के आसपास प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग और मेडिकल टीम की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा ने कहा कि यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं रहेगा। पुलिस प्रशासन छठ पर्व तक लगातार घाटों की निगरानी और साफ-सफाई करवाएगा ताकि श्रद्धालुओं को हर संभव सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि इस बार प्रशासन का लक्ष्य है कि लोहरदगा जिले के सभी घाट 'स्वच्छ छठ घाट' के रूप में पहचाने जाएं। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने पुलिस की इस पहल का स्वागत किया। लोगों ने कहा कि पुलिस प्रशासन ने यह कदम 'स्वच्छता ही सेवा' का बेहतरीन उदाहरण है। इससे समाज में साफ-सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और श्रद्धालु अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे इस सफाई अभियान में सहयोग करें और घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। लोहरदगा पुलिस की यह पहल न केवल स्वच्छता का संदेश दे रही है, बल्कि यह सामाजिक एकता, अनुशासन और नागरिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक बन रही है।

छठ महापर्व को लेकर प्रशासन सक्रिय

पदाधिकारियों ने विभिन्न छठ घाटों का किया निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। आगामी छठ महापर्व को लेकर गुमला जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं सदर थाना प्रभारी ने संयुक्त रूप से नागफणी सहित नगर क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रकाश व्यवस्था का जायजा लिया और मौके पर मौजूद संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कहा कि छठ पर्व आस्था और लोकसंस्कृति का महापर्व है, ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने निर्देश दिया कि सभी घाटों पर सफाई अभियान तेज किया जाए, प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, और भीड़ प्रबंधन के लिए पुलिस बल की तैनाती की जाए। इसी क्रम में सिसई प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को भी अपने-अपने क्षेत्रों के छठ घाटों की व्यवस्था का निरीक्षण कर सुरक्षा, स्वच्छता एवं जलस्तर की निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से अपील की कि वे प्रशासन को सहयोग करें और घाटों पर स्वच्छता बनाए रखें, ताकि छठ व्रतियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रशासन की पहल से यह स्पष्ट है कि गुमला में इस बार छठ महापर्व को लेकर व्यापक तैयारी और सतर्कता बरती जा रही है, जिससे श्रद्धालु सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण में सूर्य उपासना कर सकें।

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति घायल, एक रेफर

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दो लोग घायल हो गए। जिसे निजी वाहन से घायल अवस्था में पशु चिकित्सक ओसिक अंसारी के मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेन्हा में इलाज के लिये भर्ती कराया गया।जहां प्राथमिक उपचार के पश्चात एक घायल व्यक्ति को रेफर कर दिया गया। वही दूसरे व्यक्ति का स्वास्थ्य स्थिति ठीक बताते हुए इलाज के पश्चात घर भेजा गया। घटना सेन्हा थाना क्षेत्र के भड़गांव ईंट भट्ठा के समीप एनएच 143ए लोहरदगा गुमला मुख्य पथ पर देर शाम की है। जानकारी के अनुसार बताया जाता है की अज्ञात बोलोरो के चपेट में आने से दो लोग घायल हो गये। घायल का पहचान सेन्हा थाना क्षेत्र के नौदी निवासी स्वर्गीय सोमराज उरांव का 22 वर्षीय पुत्र बालकिशुन उरांव तथा मुर्की निवासी स्वर्गीय वसुआ उरांव का 40 वर्षीय पुत्र सुकेश उरांव के रूप में किया गया है। जिसे बताया जाता है कि दोनों मोटरसाइकिल जे एच 08 एच 2169 से सेरेंगदाग थाना क्षेत्र के तुईमु झांपी पथल गांव से नौदी आ रहे थे। उसी दौरान भड़गांव ईंट भट्ठा के समीप अज्ञात बोलोरो के चपेट में आने से मोटसाइकिल सवार दोनों व्यक्ति गाड़ी से फेका गये जिसे शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई है। फिलहाल बालकिशुन उरांव को सेन्हा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल लोहरदगा रेफर किया गया है। और क्षतिग्रस्त वाहन को पुलिस अपने कब्जे में लेकर थाना में सुरक्षित रखते हुए अज्ञात बोलोरो की तलाश में जुट गई है। फिलहाल दोनों घायल व्यक्ति को खतरे से बाहर होने की बात बताई जा रही है।वहीं सेन्हा पंचायत मुखिया धनवाज उरांव घटना की सूचना पर अस्पताल पहुंच जायजा लिया और चिकित्सक की लापरवाही को देखते हुए उपायुक्त से शिकायत करते हुए चिकित्सा व्यवस्था में सुधार का मांग किया है।

दीपावली व गोवर्धन पूजा पर संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन

उड़ीसा व घाघरा प्रखंड के कलाकारों ने भक्ति लोक संगीत से समा बांध

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र के अलौदी पंचायत अन्तर्गत हेसवे ग्राम में दीपावली व गोवर्धन पूजा के शुभ अवसर पर नागपुरी संस्कृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ हेसवे ग्राम निवासी सह पूर्व विधान मुख्य अतिथि पार्षद प्रवीण कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि झारखंड प्रदेश भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य ओमप्रकाश सिंह, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष राजमोहन राम, अधिवक्ता देवाशीष कार के द्वारा सामूहिक रूप से फिता काट कर प्रारम्भ किया गया। वही पूर्व विधान पार्षद प्रवीण कुमार सिंह ने दीपावली और गोवर्धन पूजा का बधाई देते हुए कहा कि गोवर्धन पूजा का मतलब है गायों का सेवा करना और पूजा करना। जिसके उपलक्ष्य में नव युवक संघ हेसवे के युवाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम सराहनीय है। ग्रामीण क्षेत्र के माताओं बहनों को अपने सांस्कृतिक से अवगत करना और अपने धरोहर को बचाये रखने के लिए प्रेरित करना। साथ ही सभी लोगों से कार्यक्रम को शांति व सौहार्द से सम्पन्न कराने के लिए सहयोग करने का अपील किया गया। वही उड़ीसा से उर्मिला महंतों और गुमला जिला के घाघरा प्रखंड क्षेत्र के साथिया म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों लक्ष्मी नाथ, बड़ाइक दामिनी कुमारी, सुलोचना कुमारी, सुनीता कुजूर, सरस्वती कुमारी, योगेंद्र बड़ाइक, बिनु उरांव के द्वारा एक से बढ़ कर गाना दर्शकों का मनमोह और कार्यक्रम को शमा बांध लिया। कार्यक्रम में माँ दुर्गा को नमन करते हुए जय माँ जगदम्बे और देवी द्रौपदी द्वारा महाभारत में चिर हरण के समय भगवान श्री कृष्ण पुकारने का सजीव वर्णन कर कार्यक्रम को प्रारम्भ किया गया। जिसे हजारों महिला पुरुष व बच्चे बच्चियां दर्शकों ने रंगारंग नागपुरी संस्कृति कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। मौके पर रामजीत यादव, जोयेश कुजूर, जयप्रकाश गोस्वामी, अर्जुन मिस्त्री, सोनू गोस्वामी, तेवारी उरांव, रोहित गोस्वामी, राजेश मुंडा, शरद यादव, प्रकाश भगत, सुरेश यादव सहित नव युवक संघ हेसवे का कार्यकर्ता और ग्रामीण महिला पुरुष बच्चे बच्चियां मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

चैनपुर प्रखंड में धूमधाम से मनी गोवर्धन पूजा, किसानों ने की पशुधन की पूजा

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड क्षेत्र में गोवर्धन पूजा का पर्व पारंपरिक श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर किसानों ने अपने पशुधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनकी विशेष पूजा-अर्चना की।सुबह से ही किसान अपने गाय, बैल, भैंस एवं बकरों को लेकर नजदीकी नदियों और तालाबों के घाट पर पहुंचे। वहाँ उन्होंने अपने पशुओं को अच्छी तरह नहला-धुलाकर साफ किया।इसके बाद, किसान अपने पशुओं को सजा-धजाकर अपने-अपने 'गोहर घर' पशुशाला ले आए। पशुशालाओं की भी पहले ही सफाई कर ली गई थी। किसानों ने धूप, दीप प्रज्ज्वलित कर और माला पहनाकर अपने पशुधन की विधिवत पूजा की। यह पूजा प्रकृति और पशुओं के प्रति कृतज्ञता दर्शाने के लिए की गई। इस क्षेत्र में गोवर्धन पूजा की एक विशेष परंपरा यहाँ चढ़ाया जाने वाला प्रसाद है। पूजा के दौरान भगवान को पीठा, मूंगफली बदाम, लाल कंदा शकरकंद सहित अन्य कई क्षेत्रीय पकवानों और मौसमी फलों का भोग लगाया गया। पूजा संपन्न होने के बाद, यही भोग प्रसाद के रूप में सभी के बीच वितरित किया गया। लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और इस पारंपरिक पर्व का आनंद लिया। पूरे प्रखंड में इस पर्व को लेकर उत्साह का माहौल रहा।

30 वर्षों बाद भव्य सोहराय जतरा का आयोजन

बिशुनपुर (गुमला)। बिशुनपुर प्रखंड के टिटही गांव स्थित चड़री टोंगरी में बुधवार को लगभग 30 वर्षों बाद पारंपरिक सोहराय जतरा का भव्य शुभारंभ हुआ। इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र में उल्लास और उत्सव का माहौल पैदा कर दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि थाना प्रभारी अर्जुन कुमार यादव, विकास भारती बिशुनपुर के महेंद्र भगत, विजय कल्याण पदाधिकारी गणेश राम महतो, हेलता मुखिया सुशील मुंडा और उप प्रमुख चंदन कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और बैज पहनाकर किया। मौके पर अतिथियों का ग्रामीणों ने माला और बुके भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। जतरा स्थल पर पारंपरिक उत्सव की जीवंत झलक देखने को मिली। कुल 20 खोड़ा दलों ने अपने ढोल-नगाड़ों की गूंज और पारंपरिक नृत्यों के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया। प्रत्येक दल ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महिलाएं, पुरुष और बच्चे रंग-बिरंगे परिधानों में नाच-गान और गीतों में पूरी तरह लीन रहे। पूरे दिन ढोल की थाप, लोकगीत और उत्सव की ऊर्जा पूरे वातावरण को जीवंत बनाए रखी। कार्यक्रम के अंत में सभी खोड़ा दलों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। ग्रामीणों ने इस आयोजन को प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की, ताकि आदिवासी संस्कृति, एकता और परंपरा को निरंतर प्रोत्साहन मिलता रहे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष सूखैर भगत का स्वागत

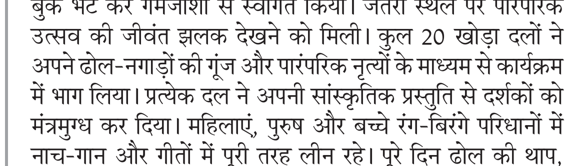

सेन्हा। जिला कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष सुखैर भगत को पुनः जिला अध्यक्ष बनाए जाने के उपलक्ष्य में सेन्हा स्थित उनके आवास पर स्वागत किया गया.इस अवसर पर पूर्व महिला जिलाध्यक्ष सीमा भगत के नेतृत्व में उर्सला कुजूर, कमला पन्ना,लालमुनी उराँव, विमला मिंज एवं उषा खाखा सहित कांग्रेस पार्टी के कई महिला कार्यकर्ताओं ने सुखैर भगत को पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं मिठाई खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं.तथा सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वही इस दरमियान जिला कांग्रेस कमिटी को और अधिक मजबूत एवं सशक्त बनाने और आगामी नगरपालिका चुनाव को लेकर रणनीति चर्चा करते हुए संगठन में सक्रिय एवं ईमानदार कार्यकर्ताओं को जोड़ने सहित कई सकारात्मक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। मौके पर विशेष रूप से जिला सोशल मीडिया प्रभारी प्रकाश उरांव,सेन्हा प्रखण्ड सांसद प्रतिनिधि नंदकिशोर शुक्ला पूर्व मण्डल अध्यक्ष रुस्तम अंसारी सहित अन्य कई कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

मेधावी छात्र-छात्राओं के परिचय सह सम्मान समारोह का आयोजन

लोहरदगा। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वाधान में भारत पतंजलि स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति के बैनरतले बुधवार को सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर लोहरदगा में मेधावी छात्र-छात्राओं के परिचय सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पतंजलि योग समिति एवं वनवासी कल्याण केंद्र के कृपा प्रसाद सिंह, शांति आश्रम के आचार्य शरत चंद्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सच्चिदानंद प्रसाद, बार एसोसिएशन अध्यक्ष अधिवक्ता हेमंत कुमार सिन्हा, फौजी रिटायर्ड, समाजसेवलवी सह प्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉ टी साहू आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सच्चिदानंद प्रसाद ने बच्चों को सफल होने की मूल, गूढ़ बातें बताते हुए कहा पहले संयुक्त परिवार रहा करते थे। आज हम दो हमारे दो की जगह हमारे एक हो गए है। उन्होंने कहा आज बहुत से बच्चे डिप्रेशन में जा रहे है जिसका मुख्य कारण यह है कि हमारी भारतीय समाज में जो परिवारिक व्यवस्था थी उसमें कमियां आई है। जिसके कारण ही बहुत ऐसे बच्चे है जो डिप्रेशन का शिकार हो रहे है। उन्हें आवश्यकता है अपने अभिभावकों के साथ खुलकर बात करने की। कृपा प्रसाद सिंह ने कहा शांति आश्रम और बनवासी कल्याण केंद्र जैसी संस्थाओं के सहयोग से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छुपी प्रतिभा को निखारने एवं प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने युवा जगत के छात्रों से अपील करते हुए कहा छात्र पहले देश और राष्ट्रहित का कार्य करें उसके पश्चात ही अपने हितों का कार्य करें।

कई वर्षों से फरार वारंटी को कुडू पुलिस ने दबोचा, न्यायालय में किया प्रस्तुत

नवीन मेल संवाददाता

कुडू। माननीय न्यायालय, लोहरदगा के जीआर-539/08 एवं टीआर-532/11 के तहत निर्गत स्थायी वारंट के आलोक में थाना क्षेत्र के जिंगी गांव निवासी पहलू महली पिता रामकेशवर महली को कुडू पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी, लोहरदगा के न्यायालय में प्रस्तुत किया। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि उक्त वारंटी लंबे समय से फरार चल रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर विशेष टीम गठित कर कार्रवाई की गई और आरोपी को उसके घर के पास से दबोच लिया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी है।

दीपावली के समापन के साथ ही छठ की तैयारियों में जुटे श्रद्धालु, घाटों पर शुरू हुई सफाई व सजावट

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। दीपों का पर्व दीपावली जैसे ही संपन्न हुआ, वैसे ही पूरा गुमला जिला छठ महापर्व की उमंग और आस्था में डूब गया है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक छठी मइया के गीतों की गूंज सुनाई देने लगी है। महिलाएं छठ व्रत की तैयारी में व्यस्त हैं तो पुरुष घाटों की सफाई और सजावट में जुटे हुए हैं। श्रद्धा, अनुशासन और पवित्रता का यह पर्व हर घर में उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा है।

बाजारों में छठ सामग्री की खरीदारी का दौर तेज

गुमला के मेन रोड, जशपुर रोड, सिसई रोड, लोहरदगा रोड, डीएसपी रोड, पालकोट रोड, हाट बाजार, और मुरली रोड जैसे प्रमुख बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ रही है। बांस की सुप, दौरी, सूप, टोकरी, नारियल, गन्ना, नींबू और अन्य पूजा सामग्री की खूब खरीदारी हो रही है। दुकानदारों के चेहरे भी ग्राहकों की भीड़ से खिले हुए हैं। बाजारों में "छठ मइया आव नहाय खाय हो" जैसे पारंपरिक गीतों की धुन पर माहौल भक्तिमय हो गया है। महिलाओं द्वारा छठ की खरीदारी के साथ घरों में सफाई और साज-सज्जा का कार्य भी जोरों पर है।

घाटों की साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था शुरू

नगर परिषद गुमला, प्रखंड प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि छठ घाटों की साफ-सफाई और मरम्मत कार्य में जुट गए हैं। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश पर प्रशासनिक टीमों ने विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण प्रारंभ कर दिया है। वन तालाब, मुरली बगीचा तालाब, कोयल नदी नागफेनी, खटवा नदी आदि स्थानों पर छत की तैयारी तेजी से हो रही है साफ सफाई से लेकर अन्य चीजों पर विशेष ध्यान दी जा रही है विशेष कर इस वर्ष जलाशय में पानी की अधिकता रहने के कारण विशेष सतर्कता की भी उपाय लोग ढूंढ रहे हैं।

छठ महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। इस दिन व्रती स्नान कर शुद्ध भोजन ग्रहण करते हैं और अगले दिनों में उपवास, अर्घ्यदान और सूर्य उपासना की तैयारी करते हैं। यह पर्व पर्यावरण संरक्षण, जल स्त्रोतों की पवित्रता और सामाजिक एकता का प्रतीक माना जाता है। महिलाएं परंपरागत गीत गाते हुए छठ की तैयारी में जुटी हैं। बच्चों और युवाओं में भी घाट सजाने, तोरण और दीये लगाने का उत्साह देखा जा रहा है।

गांव-गांव में छठ पर्व को लेकर सामूहिक तैयारियां हो रही हैं। कई स्थानों पर समिति बनाकर श्रद्धालु एकजुट होकर घाटों को सजाने, बैरिकेडिंग करने और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने में लगे हैं। स्थानीय निवासी बताते हैं कि दीपावली की रौनक खत्म होते ही अब पूरा क्षेत्र "सूर्य उपासना" के इस अनोखे पर्व की भावना में रंग चुका है। हर ओर स्वच्छता, भक्ति और अनुशासन का संदेश फैल रहा है।

काली पूजा की रही धूम, आकर्षक पंडालों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। दीपावली पर्व के समापन के बाद अब गुमला जिले में काली पूजा की धूम देखी जा रही है। पूरे शहर का माहौल भक्तिमय हो गया है। विभिन्न पूजा समितियों द्वारा आकर्षक और भव्य पंडाल सजाए गए हैं, जहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर मां काली की आराधना कर रहे हैं। हर ओर देवी मां के जयघोष से वातावरण गूंज उठा है। मुरली डीएसपी रोड स्थित मुरली बगीचा काली पूजा समिति में वर्ष 1993 से लगातार भव्य और पारंपरिक तरीके से पूजा का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी यहां आकर्षक सजावट और देवी की अलौकिक प्रतिमा लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह से ही दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए उमड़ रही है। समिति द्वारा आयोजित खिचड़ी प्रसाद वितरण में भी भक्तों की लंबी कतारें लगीं रहीं। वहीं, पटेल कॉलोनी स्थित काली पूजा समिति में भी इस बार भव्य पंडाल बनाया गया है, जिसकी कलात्मक सजावट और विद्युत साज-सज्जा देखने वालों को मंत्रमुग्ध कर रही है। यहां भी श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। इसके अलावा नगर के अन्य इलाकों-जैसे रांची रोड, लोहरदगा रोड, महुआटोली, और दुन्दुरिया क्षेत्र में भी काली पूजा समितियों ने पूरे उत्साह और पारंपरिक विधि-विधान के साथ पूजा का आयोजन किया है। जगह-जगह देवी गीतों और भक्ति संगीत की गूंज सुनाई दे रही है। शहर में सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। पुलिस बल की तैनाती के साथ यातायात व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कुल मिलाकर, गुमला में काली पूजा का पर्व आस्था, भक्ति और उल्लास का प्रतीक बन गया है-जहां श्रद्धा और संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है।

चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एक बार फिर गंभीर विवादों में, प्रसव के नाम पर अवैध वसूली

एंबुलेंस से लेकर नर्स तक पर पैसे ऐंठने का गंभीर आरोप

- "मिठाई खाने" के नाम पर भी मांगे पैसे
- गरीबों की कमर तोड़ रही वसूली

सुंदरम कुमार केशरी

अनीता कुजूर आशा देवी

चैनपुर। चैनपुर अनुमंडल अस्पताल में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एक बार फिर गंभीर विवादों के केंद्र में है। सरकारी दावों के विपरीत, केंद्र पर प्रसव के लिए आने वाली गरीब गर्भवती महिलाओं से अवैध वसूली किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ितों का आरोप है कि 108 एंबुलेंस सेवा से लेकर अस्पताल में मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों तक, प्रसव के नाम पर उनसे खुलेआम पैसे ऐंठे जा रहे हैं।एंबुलेंस और नर्स, दोनों ने वसूले 500-500 रुपये ताजा मामला दत्तरा गांव निवासी अनीता कुजूर से जुड़ा है। मिली जानकारी के मुताबिक, अनीता को प्रसव पीड़ा होने पर चैनपुर 108 एंबुलेंस गाड़ी संख्या जेएच–01–सीजी–8653 की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। पीड़िता का आरोप है कि एंबुलेंस के चालक और उपचालक ने उन्हें अस्पताल पहुँचाने के एवज में 500 रुपये की वसूली की।अनीता की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं। अस्पताल में प्रसव होने के बाद, आरोप है कि वहां मौजूद एक नर्स द्वारा उनसे अतिरिक्त 500 रुपये की वसूली की गई। पीड़िता अनीता ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि वह अपने छोटे-छोटे बच्चों को साथ लेकर आई थीं और उनके पास बच्चों को कुछ खिलाने तक के लिए पैसे नहीं थे। महिला की इस दयनीय स्थिति को देखकर चैनपुर के एक स्थानीय संवाददाता शिवम कुमार ने मानवता दिखाते हुए उन्हें 500 रुपये की आर्थिक मदद की।

ऐसा ही एक अन्य मामला कुरूमगाड़ निवासी आशा देवी के साथ भी हुआ। आशा देवी ने बताया कि प्रसव होने के बाद अस्पताल की नर्सों द्वारा "मिठाई खाने" के नाम पर उनसे 200 रुपये की मांग की गई और पैसे लिए गए।

गौरतलब है कि चैनपुर प्रखंड एक अति सुदूरवर्ती क्षेत्र है, जहाँ की अधिकांश आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करती है। यहाँ के लोग रोजाना रेजा-कुली या दिहाड़ी मजदूरी करके, या फिर घर में रखे थोड़े-बहुत धान-चावल बेचकर अपना और अपने परिवार का पेट पालते हैं व इलाज कराते हैं। ऐसे में, सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में मुफ्त इलाज और निःशुल्क एंबुलेंस सेवा के बजाय इस तरह की अवैध वसूली ने गरीब ग्रामीणों की कमर तोड़ दी है। इस घटना ने सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की पारदर्शिता और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

संलिप्त अधिकारियों पर कार्रवाई हो : जिला परिषद

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने कहा, "चैनपुर क्षेत्र में इस तरह का रवैया बहुत ही निंदनीय है। यह बिल्कुल नहीं होना चाहिए। संबंधित अधिकारियों और संलिप्त कर्मियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।"

जांच कर होगी कार्रवाई : एसीएमओ

मामले की जानकारी मिलने पर, एसीएमओ सह चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. धनुराज सुब्रह्मरु ने कहा, "आप लोगों के द्वारा सूचना मिली है। मामले की जांच की जाएगी और जो भी व्यक्ति इसमें संलिप्त पाया जाएगा, उसके ऊपर निश्चित रुप से कार्रवाई होगी।" उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रसव या एंबुलेंस के लिए किसी भी प्रकार का पैसा नहीं लगता है और ग्रामीणों से अपील की कि वे इस तरह का कोई पैसा किसी को न दें।

देवघर में काली आराधना की अलौकिक आभा

बंगाली समाज ने श्रद्धा, शक्ति और संस्कार से सजाई 'महानिशा' की रात्रि

नवीन मेल संवाददाता

देवघर। दीपावली की शाम जब लोग घरों में धन धान्य की देवी मां लक्ष्मी की आराधना करते हैं. उस समय देवघर की धरती पर श्रद्धा और शक्ति का संगम, काली पूजा के रूप में प्रकट होता है. यहां बंगाली समुदाय की परंपरा, भक्ति और उत्साह का ऐसा समन्वय देखने को मिलता है, मानो मां खुद, देवभूमि पर धरती पर उतर आई हो. देवघर में रहने वाले बंगाली समाज में काली पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि पूर्वजों की आस्था, मातृशक्ति की आराधना और सांस्कृतिक अस्मिता का उत्सव है. शहर के हिंदी विद्यापीठ परिसर और उसके आसपास इस समय वातावरण काली मां के जयघोष से गुंजायमान है. बंगाली समाज के वरिष्ठ सदस्य जयदीप दा बताते हैं कि उनके परिवार में यह पूजा दशकों से चली आ रही परंपरा है. उनके दादा प्रफुल्ल मानिक भी, मां काली की उपासना बड़े श्रद्धाभाव से करते थे. प्रवीर चौधरी भावुक होकर कहते हैं. हमारे पूर्वज बांग्लादेश के फरीदपुर से थे और हमारी माता ढाका की थीं. आजादी के बाद जब हमारा परिवार देवघर आया, तब से यह पूजा यहां निरंतर चली आ रही है. 'हम मानते हैं कि काली मां हमारे कुल की रक्षा संरक्षिका (रक्षण और सरंक्षण दोनो) हैं, जो हर संकट को हर लेती हैं। वहीं बंगाली समाज की महिला शिवली मानिक का कहना है कि देवघर में काली पूजा उतनी ही भव्यता से होती है जितनी कोलकाता में. यहां तांत्रिक विधियों, बांग्ला पंचांग और पारंपरिक रीति से आराधना की जाती है. पहले भी देवघर में बंगाली परिवारों की संख्या अधिक थी इसलिए इस पूजा की परंपरा यहां की आत्मा बन चुकी है. काली पूजा के अवसर पर देवघर की गालियां सज उठती हैं. मां की प्रतिमा के सम्मुख दीपशिखाओं की पंक्तियां जल उठती हैं और शंखध्वनि के साथ 'जय मां काली' का उच्चारण वातावरण में अद्भुत ऊर्जा का संचार करता है. बंगाली समाज की महिला शोभा मानिक बताती हैं कि मां की आराधना का यह पर्व, हमारे परिवार का सबसे बड़ा उत्सव है.

बंगाली संस्कृति की झलक है काली पूजा

काली मां की प्रतिमा विसर्जन कार्यक्रम निर्धारित किया गया है. इस अवसर पर पारंपरिक शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसके लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने विशेष सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो. देवघर में काली पूजा का आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि बंगाली संस्कृति की जीवंत झलक है. इस अवसर पर भारत और विदेशों में बसे हजारों बंगाली परिवार देवघर पहुंचते हैं, जिससे यह नगरी भक्ति, उल्लास और शक्ति आराधना का संगम बन जाती है.

पुलिस पर हमले में शामिल दो महिला आरोपी गिरफ्तार

हिरणपुर। थाना क्षेत्र के अंगूठियां गांव में बीते शनिवार की रात पुलिस पदाधिकारी पर हुए हमले मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो नामजद महिला आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया है। इससे पहले इस मामले में पुलिस ने इसी दो महिला आरोपी फूलो देवी और जगनी देवी के पति क्रमशः सियो राय एवं करमु राय को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। वहीं मामले में एक अन्य नामजद आरोपी मनोज यादव अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। मालूम हो कि बीते शनिवार की देर रात अंगूठियां गांव में पत्थर चिप्स लदे एक ट्रैक्टर को रोककर चालक के साथ मारपीट कर रहे थे। उसी दौरान ट्रैक्टर मालिक इस्लामपुर (बरहरवा) निवासी सुल्तान शेख ने घटना की सूचना चौड़ामोड़ चेकपोस्ट में तैनात पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही एएसआई गोविंद राय अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। आरोप है कि पुलिस के पहुंचते ही वहां मौजूद लोगों ने आपा खो दिया और एएसआई गोविंद राय के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।

भरनो में डाईर जतरा और नागपुरी कार्यक्रम का भव्य आयोजन

जतरा को जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी : मुखिया मुकेश उरांव

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड के दक्षिणी भरनो पंचायत के टंगराटोली में बुधवार को डाईर जतरा एवं नागपुरी प्रोग्राम का आयोजन डाईर जतरा पड़हा समिति भरनो के तत्वावधान में किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय संस्कृति और परंपरा का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया। जतरा का शुभारंभ नगड़ी प्रखंड प्रमुख एवं सीपीएम नेता मधुवा कच्छप, समाजसेवी लखन सिंह, पूर्व मुखिया मुकेश उरांव, सुरजमनी उरांव, ग्राम प्रधान तेतरा पहान, पंसस बिरसा उरांव, शंकर उरांव, जुगल उरांव सहित अन्य प्रमुख अतिथियों ने सामूहिक रूप से किया। मधुवा कच्छप ने कहा कि यह जतरा हमारी परंपरा, कला और संस्कृति की झलक पेश करता है और लोगों को अपने समाज से जोड़ने का अवसर देता है।

पूर्व मुखिया मुकेश उरांव ने जतरा को पूर्वजों की देन बताते हुए कहा कि इसे जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी है और यह जतरा सभी लोगों के सहयोग से ही सफलतापूर्वक आयोजित किया जाता है। जतरा में क्षेत्र के किसानों ने अपने गाय, बैल और भैंसों को नहलाकर सजाया-धजाया और डाईर लगाकर प्रस्तुत किया। सबसे सुंदर पशु को जतरा समिति की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भरनो के सातों सरना के पड़हा खोड़हा दलों ने पारंपरिक गीत और नृत्य प्रस्तुत कर सांस्कृतिक रंग को और भी जीवंत बनाया। साथ ही नागपुरी आर्केस्ट्रा प्रोग्राम का आयोजन भी किया गया, जिसमें कलाकारों ने नागपुरी गीतों की मधुर प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। डाईर जतरा के सफल आयोजन में पूर्व मुखिया सूरजमनी उरांव, चिमनी उरांव, शुकरमणि उरांव, लधूवा उरांव, एतवा उरांव, सुदर्शन महली, शनिराम उरांव, सोमरा उरांव, जागो महली, विष्णु उरांव, तेजुवा उरांव सहित जतरा समिति के सभी युवा और महिला सदस्य सक्रिय योगदान देने में जुटे रहे।

9 साल की बच्ची से कक्षपाल ने की गलत हरकत, भीड़ ने पीटा, पुलिस जीप पर भी पथराव

जमशेदपुर। शहर के सीतारामडेरा इलाके में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। घाघीडीह केंद्रीय कारागार में कार्यरत एक 55 वर्षीय कक्षपाल पर 9 साल की बच्ची के साथ तीन मंजिला फ्लैट की छत पर आपत्तिजनक हरकत करने का गंभीर आरोप लगा है। आरोपी की पहचान संजय कुमार के रूप में हुई है, जिसे गुस्साई भीड़ ने पकड़कर जमकर पीटा और बाद में पुलिस ने बड़ी मशक्कत से भीड़ से निकालकर गिरफ्तार किया।

बहला-फुसलाकर छत पर ले जाने का आरोप : मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी संजय कुमार सिंह ने बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने तीन मंजिला फ्लैट की छत पर ले जाकर उसके साथ अशोभनीय हरकत की। शाम के समय जब बच्ची के परिजनों को उसके साथ कुछ गलत होने का संदेह हुआ, तो उन्होंने तत्काल आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया।

भीड़ ने की आरोपी की जमकर पिटाई : भालूबासा चौक के पास स्थित एक दुकान के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी संजय कुमार सिंह को बच्ची के साथ जाते हुए देखा गया। इसके बाद परिजन और मोहल्ले के लोग आक्रोशित हो उठे और एकजुट होकर आरोपी के फ्लैट पर पहुंचे। उन्होंने पकड़कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान बीच-बचाव करने आई आरोपी की पत्नी को भी लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा।

पुलिस पर पथराव, स्थिति तनावपूर्ण : घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। लेकिन बेकाबू भीड़ ने पुलिस का विरोध किया और पुलिस जीप पर पथराव कर दिया। पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। काफी मशक्कत के बाद पुलिस किसी तरह आरोपी संजय कुमार सिंह और उसकी पत्नी को भीड़ के चंगुल से निकालकर थाने लाने में सफल रही।

जीईएल चर्च बानो में आयोजित हुआ 8वां वार्षिक महिला संघ सम्मेलन

● मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए विधायक सुदीप गुड़िया

नवीन मेल संवाददाता

बानो। तोरपा विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुदीप गुड़िया रविवार को जीईएल चर्च बानो नई मंडली में आयोजित जीईएल पेरिस कौंसिल के 8वें वार्षिक महिला संघ सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक की धर्मपत्नी अनिता कंडुलना, दक्षिण पूर्वी डायसिस कदमा खूंटी के पूर्व बिशप जोसेफ सांगा, जिला परिषद सदस्य सह झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य बिरजो कंडुलना, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अनिल लुगुन और ओल चर्चेस कमेटी अध्यक्ष जगदीश बागे उपस्थित रहे।कार्यक्रम में बेड़ाहोंजोर, रामजोल, निर्मला लोमगा, केवेटांग, बानो पुरानी मंडली, बिंजामारचा, राईबेड़ा, डुमरिया सहित कुल 28 मंडलियों के महिला संघ की अधिकारीगण, पास्टोरेट अध्यक्ष, युवा संघ, संडे स्कूल शिक्षक समूह और हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला संघ के स्वागत गीत और प्रार्थना सभा से हुआ, जिसके बाद विभिन्न मंडलियों के महिला समूहों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सभा को संबोधित करते हुए विधायक सुदीप गुड़िया ने महिलाओं की भूमिका को समाज और कलीसिया की शक्ति बताया। उन्होंने कहा, महिलाओं का हमारे जीवन में विशेष योगदान है। महिलाएं एक साथ घर, समाज और कलीसिया तीनों की सेवा करती हैं। पुरुष जो कार्य सोच भी नहीं सकते, महिलाएं उसे अपने समर्पण से संभव करती हैं।

उन्होंने महिलाओं से कलीसिया और परिवार को सशक्त बनाने का आह्वान किया और कहा कि "महिलाएं दो स्वामियों की सेवा करती हैं—एक अपने परिवार की और दूसरा परमपिता परमेश्वर की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पादरी सी.एस. जड़िया, सुगड़ सुलेमान कंडुलना, पेरिस चेयरमैन उम्बुलन तोपनो, सचिव सुधीर सुरीन, पूर्व महिला अध्यक्षा प्रीतिवंती लुगुन, आनंद मसीह तोपनो समेत अनेक गणमान्य उपस्थित थे।कार्यक्रम को सफल बनाने में सभापति बहामनी लुगुन, सचिव बिनिता भुंइया, कोषाध्यक्ष सोफिया कोनगाड़ी और सभी महिला संघ पदाधिकारियों की अहम भूमिका रही।

दिव्यांग नाबालिग आदिवासी लड़की के साथ पड़ोसी युवक ने किया दुष्कर्म पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

दुमका। जिले में एक 20 वर्षीय युवक ने गांव की ही नाबालिग दिव्यांग लड़की के साथ दुष्कर्म किया. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. यह पूरा मामला दुमका जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र का है, जहां 13 - 14 साल की एक दिव्यांग आदिवासी किशोरी के साथ उसके गांव के ही एक 20 वर्षीय युवक ने दुष्कर्म जैसी शर्मनाक घटना को अंजाम दिया है. पीड़िता के पिता ने मुफस्सिल थाना में जो आवेदन दिया है उनके अनुसार उसकी पुत्री बोल-सुन नहीं सकती है और न ही ठीक ढंग से चल सकती है. उन्होंने आवेदन में लिखा है कि जब वह और उनकी पत्नी अपने-अपने काम से घर से बाहर गए थे और उनकी बेटी घर में अकेली थी. उस वक्त गांव का ही एक युवक बाबूराम मुर्मू उसके घर में घुस गया. इधर, अचानक जब वे घर में प्रवेश किये तो बेटी के चीखने की आवाज सुनी और देखा कि बाबुराम मुर्मु कपड़े पहन कर भाग रहा है. यह देख पिता चिल्लाने लगे तो आसपास के कुछ ग्रामीण जुट गए. उन्होंने बाबूराम को पकड़ लिया और थोड़ी पिटाई भी की. साथ ही पुलिस को सूचना दी. इधर, जैसे ही नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना की जानकारी मुफस्सिल थाना पुलिस को हुई. उन्होंने मामले की गंभीरता को समझा और गांव पहुंच कर आरोपी को कब्जे में लेकर थाने ले आई. साथ ही पीड़िता को जांच के लिए दुमका स्थित फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा. पीड़िता के पिता के आवेदन के आधार पर बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की सुसंगत धाराओं मैं केस दर्ज किया गया है.

क्या कहते हैं थाना प्रभारी : इस पूरे मामले पर दुमका मुफस्सिल थाना के प्रभारी सत्यम कुमार ने बताया कि पीड़िता के पिता के बयान पर एफआईआर दर्ज की गयी है.

पीड़िता का मेडिकल टेस्ट कराया गया है. साथ ही आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया.

मामले का अनुसंधान जारी है.

डकैती कांड में पुलिस को नहीं मिल रहा कोई सुराग, पीड़ित परिवार भयभीत

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। गोरहर थाना क्षेत्र अंतर्गत जीटी रोड सूरजकुंड पेट्रोल पंप के सामने सूरजकुंड ट्रेडर्स दुकान और घर में हुई डकैती के छठवें दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया है। घटना के खुलासे को लेकर पुलिस लगातार प्रयासरत है। लेकिन अब तक अपराधियों तक पुलिस की पहुंच नहीं बन पाई है ।डकैती की जांच में तेजी लाने के लिए चौथे दिन खोजी कुत्ता की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची ।एएसआई मकतर राम और सिपाही सुधीर कुमार ने घटनास्थल से बरामद टोपी, ग्लव्स और मास्क को डॉग को सुंघाया। खोजी कुत्ता गंध पकड़ कर करीब 200 मीटर दूर बाउंड्री के कुएं तक जाकर बैठ गया। टीम के साथ आए मकदम राम ने बताया कि घटना को कई दिन बीत जाने और बदमाशों द्वारा पानी व कीचड़ भरे रास्ते का उपयोग किए जाने के कारण गंध का पता नहीं चल पाया। पुलिस के लिए यह डकैती कांड का उद्भेदन बड़ी चुनौती बन गई है ।लगातार छापेमारी और तकनीकी जांच के बावजूद अब तक अपराधी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं ।थाना प्रभारी नीतीश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस पूरी गंभीरता से काम कर रही है ।उन्होंने कहा कि देर जरूर हो रही है लेकिन अपराधियों की गिरफ्तारी निश्चित रूप से की जाएगी।

कीचड़मय सड़क से आवागमन को विवश ग्रामीण

पाकुड़। सदर प्रखंड के कालीदसपुर पंचायत के डुमरीटोला गांव के लोग कच्ची सड़क पर पसरे कीचड़ से होकर आवागमन करने को मजबूर हैं। यहां लोगों ने कई बार कच्चे मार्ग पर पक्की सड़क निर्माण की मांग की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। डुमरीटोला के ग्रामीणों का कहना है कि आजादी के 76 वर्ष बाद भी वह मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। गांव से एक किलोमीटर तक पैदल जाना पड़ता है उसके बाद प्रखंड मुख्यालय जाने के लिए पक्की सड़क मिलती है। ग्रामवासियों ने गांव में सड़क निर्माण समेत अन्य विकास कार्य नहीं होने से नाराजगी जाहिर किया है। लोगों का कहना है कि पंचायत के मुखिया कार्य के प्रति कोई रूची नहीं दिखा रहे है।

सामाजिक समरसता का प्रतीक है छठ पूजा दलित समाज के लोग तैयार कर रहे सूप व दउरा

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर तैयारी शुरू हो चुकी है. इस पर्व में सूप और दउरा की मांग सबसे अधिक होती है. इसे देखते हुए तुरी जाति के लोग दिन-रात मेहनत कर सूप और दउरा बनाने में जुटे हुए हैं. आमतौर पर जंगलों में बसने वाले तुरी समुदाय के लोग पारंपरिक तौर पर बांस से सूप और दउरा बनाते हैं. हालांकि उनकी आमदनी कम हुई है, लेकिन छठ जैसे महापर्व को लेकर इसकी महत्ता को देखते हुए तकरीबन हर तुरी परिवार सूप और दउरा के निर्माण में जुटा हुआ है. यहां के बने सूप पूरे झारखंड-बिहार में बिक्री की जाती है. हजारीबाग के बरकट्ठा प्रखंड के स्थित कोनहरा कला गांव में तुरी समाज के लोग छठ पर्व में उपयोग होने वाले सूप और दउरा बनाने में जुट गए हैं. परंपरागत रूप से बांस से बनने वाले सूप और दउरा बनाने की तैयारी तीन माह पहले से ही शुरू हो जाती है. कारीगर बताते हैं कि आधुनिकता के इस दौर में भी सूप और दउरा पूरी तरह हाथों से ही बनाए जाते हैं, क्योंकि इन्हें बनाने में मशीनें काम नहीं आतीं. एक जोड़ी सूप की कीमत बाजार में 200 से 300 रुपये तक मिलती है, जबकि एक दउरा 150 से 200 में बिकता है. स्थानीय कारीगर सहोदरी देवी बताते हैं कि छठ में सूप की भारी मांग रहती है. कई श्रद्धालु घरों तक आकर सूप और दउरा खरीद ले जाते हैं. छठ पूजा में इनका विशेष महत्व है. आपको बता दें कि इन कारीगरों की मेहनत से जहां परंपरा जीवित है.

दो दिव्यांग की मां को मदद की आस सालों से कर रही आवास की मांग

धनबाद। जिले में एक आदिवासी महिला बहुत ही कष्ट भरी जीवन जीने को मजबूर है. उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें दो दिव्यांग हैं. छह साल पहले पति का भी देहांत हो चुका है. हालत ऐसी है कि ना उनके पास सिर ढंकने के लिए छत तक नहीं है. कई बार सरकार द्वारा मिलने वाले आवास के लिए आवेदन भी दिया गया. लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई. वह बस अपने लिए एक घर की मांग कर रही हैं. ये कहानी है पूर्वी टुंडी प्रखंड के सिंगरायडीह गांव की आदिवासी विधवा पार्वती देवी की. पार्वती खाना बनाकर अपने बच्चों का पालन-पोषण कर रही हैं. उनके पास रहने के लिए कोई घर नहीं है. पार्वती देवी ने बताया कि उनके पति छोटका किस्कू की छह साल पहले इलाज के दौरान मौत हो गई थी. जो थोड़ी-बहुत कमाई थी, वह उनके इलाज में खर्च हो गई. जिस घर में वह रहती थीं, वह भी तबाह हो गया है. छत तो छोड़िए, दीवारें भी ढह गई हैं. वह पिछले छह साल से अपने भाई के घर में रह रही हैं, लेकिन अब वह उन्हें वहां रहने नहीं दे रहा है. पार्वती पूछती हैं, "हम अपने बच्चों को लेकर कहां जाएं? हमारे पास घर बनाने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं." पार्वती ने बताया कि छह साल पहले जब उनके पति की मृत्यु हुई थी, तब उनका नाम सरकारी आवास के लिए सूचीबद्ध था. हालांकि, पति के इलाज के कारण उन्हें यह आवास नहीं मिल सका. हाल ही में, वह सरकारी आवास पाने के लिए कई बार जिले का चक्कर लगा चुकी हैं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. उन्होंने बताया कि उनके तीन बच्चे हैं, एक नेत्रहीन और दूसरा पैर से विकलांग. वह स्कूल में खाना बनाती हैं और इसी तरह बच्चों का पालन-पोषण करती हैं. पार्वती ने बताया कि उन्हें सरकारी राशन नहीं मिलता. उनके बच्चों को सरकारी अनाज मिलता है. उन्हें सरकार से विधवा पेंशन भी मिलती है. उन्हें बस एक घर चाहिए.

लचर व्यवस्था दीपावली के बाद अब देवघर की गलियों में छठ की छटा फैलने लगी है

देवघर के छठ घाटों की सफाई का काम अधूरा, तालाबों की सतह पर तैर रहा कचरा

नवीन मेल संवाददाता

देवघर। दीपावली के बाद अब देवघर की गलियों में छठ की छटा फैलने लगी है. श्रद्धा का यह महापर्व समीप है, लेकिन इसके बावजूद नगर निगम की तैयारी अभी अधूरी है. कहीं तालाबों की सतह पर कचरा तैर रहा है तो कहीं गंदगी की परतें अब भी प्रशासनिक उदासीनता को दिखा रही है. नगर निगम और जिला प्रशासन ने दावा तो किया है कि सफाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, पर जमीनी हकीकत कुछ और बयान कर रही है. नगर क्षेत्र के करीब 15 से 20 तालाबों में प्रतिदिन सफाई कर्मी जलाशयों की सफाई के कार्य में जुटे हैं, लेकिन अथक प्रयासों के बावजूद कई घाटों की दशा खराब है. देवघर का शिवगंगा तालाब सर्वाधिक पवित्र और ऐतिहासिक जलाशय माना जाता है. शिवगंगा की सफाई भी अभी अधूरी है. हालांकि सफाई का दायित्व निभा रहे ठेकेदार पिंटू सिंह ने बताया कि "हम रोजाना सफाई करते हैं, लेकिन श्रद्धालु पूजा-सामग्री और धार्मिक अवशेषों का तालाब में विसर्जन कर देते हैं, जिससे तालाब पुनः गंदा हो जाता है." उनका कहना था कि यदि लोगों में थोड़ी और सजगता आए, तो शिवगंगा पुनः निर्मल दिखेगा.

समिति के लोग कर रहे सफाई में सहयोग : दूसरी ओर रामपुर छठ पोखर के बारे में कुछ सुकून देने वाली तस्वीर सामने आई है. यहां छठ पूजा समिति के सदस्यों ने स्वयं अपने स्तर पर घाटों की सफाई और मरम्मत कार्य संभाल रखा है. समिति के अध्यक्ष ने बताया कि "निगम की ओर से पर्याप्त कर्मचारी नहीं आए हैं, फिर भी हम लोगों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तालाब की सीढ़ियों, घाटों और आसपास के रास्तों को दुरुस्त किया है. हमारी कोशिश है कि छठ व्रतियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो." फिर भी, कुछ अन्य तालाबों जैसे छत्तीसी तालाब, डढ़वा नदी घाट और जसीडीह क्षेत्र के जलाशयों में सफाई व्यवस्था अब भी अधूरी है. ग्रामीण अंचलों के कई घाटों तक पहुंच पथ ही नहीं बन पाए हैं, जिससे आने-जाने में व्रतियों और श्रद्धालुओं को कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है. इन सबके बीच नगर निगम का हालिया विवाद भी चर्चा में है.

घाटों की सफाई में कोताही बर्दाश्त नहीं: नगर आयुक्त

नगर आयुक्त ने कहा कि छठ पर्व के दौरान सफाई व्यवस्था में कोई कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. 23 वार्ड जमादार, 215 सफाई मित्र, 24 रोड कुली मित्र, 3 जेसीबी और 14 ट्रैक्टर सहित सभी संसाधन पूरी तरह तैनात कर दिए गए हैं. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि "यदि छठ पूजा के दौरान किसी भी वार्ड या घाट पर कुव्यवस्था पाई गई, तो संबंधित जिम्मेदार पदाधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी."

एफसी जंगलराज टीम ने ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

महेशपुर। प्रखंड की शहरग्राम पंचायत अंतर्गत नारायणटोला अमलागाछी फुटबॉल मैदान में राम लक्ष्मण रामायण क्लब द्वारा आयोजित तीन दिवसीय पुरुष एवं महिला वर्ग का फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला गया। कार्यक्रम में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और परंपरागत तरीके से फुटबॉल को कीक मारकर फाइनल मुकाबले का उद्घाटन किया। पुरुष वर्ग का फाइनल मुकाबला एफसी जंगलराज बनाम एफसी बास्की स्टार के बीच खेला गया। जिसमें दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबले का निर्णय पेनाल्टी शूटआउट से हुआ। जिसमें एफसी जंगलराज की टीम ने निर्णायक बढ़त बनाते हुए खिताब अपने नाम किया। वहीं महिला वर्ग के फाइनल में एफसी पाकुड़ ने एफसी गोपालपुर को एक गोल से पराजित कर विजय हासिल की। पुरुष वर्ग के विजेता टीम को 50,000 रुपए तथा उपविजेता टीम को 40,000 रुपए की नगद राशि से सम्मानित किया गया।

कोलेबिरा में तिरंगे रंगों से सजा लक्ष्मी पूजा पंडाल, देशभक्ति और आस्था का अद्भुत संगम

कोलेबिरा। कोलेबिरा के रण बहादुर सिंह चौक स्थित लक्ष्मी पूजा पंडाल इस वर्ष देशभक्ति और आस्था का अनुपम उदाहरण बन गया है। तिरंगे रंगों से सजे इस भव्य पंडाल ने श्रद्धालुओं और दर्शकों के मन में राष्ट्रीय एकता और गर्व की भावना जागृत कर दी।पूजा समिति ने बताया कि इस वर्ष पंडाल का निर्माण "ऑपरेशन सिंदूर" से प्रेरित होकर किया गया है, ताकि देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि दी जा सके। पंडाल की सजावट में तिरंगे रंगों का विशेष प्रयोग किया गया है, जो राष्ट्रप्रेम और समर्पण की भावना को दर्शाता है।शाम के समय रंग-बिरंगी रोशनी और कलात्मक साज-सज्जा से पूरा परिसर आलोकित हो उठा। श्रद्धालु देवी लक्ष्मी की पूजा के साथ-साथ देशभक्ति के भाव में भी सराबोर दिखे। समिति के एक सदस्य ने कहा, "यह पंडाल केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि हमारे वीर सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का संदेश है।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

दया ईश्वरानुभूति के लिए आवश्यक है, क्योंकि ईश्वर स्वयं इस गुण से आप्लावित हैं। सहृदय व्यक्ति स्वयं को दूसरों के स्थान पर रख उनकी पीड़ा का अनुभव कर उसे दूर करने का प्रयास कर सकते हैं। - श्री श्री परमहंस योगानंद

संपादकीय

दिवाली रही जीएसटी मेला के नाम

इस बार की दिवाली में भारतीय व्यापार जगत में सभी की धूम रही। इस साल दिवाली की बिक्री ने सारे रेकार्ड तोड़ दिए। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स का दावा है कि इस दिवाली कुल बिक्री 6.05 लाख करोड़ रुपये की रही। इनमें 5.40 लाख करोड़ के वस्तु व्यापार और 65 हज़ार करोड़ की सेवा क्षेत्र का व्यापार शामिल है। कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी है। इसने देश भर के 60 प्रमुख वितरण केंद्रों का सर्वेक्षण किया, जिनमें सभी राज्यों की राजधानियां एवं टियर-2 और टियर-3 शहर शामिल हैं। इसके बाद सोसाइटी ने "दिवाली त्योहार बिक्री 2025 पर रिसर्च रिपोर्ट" जारी की है। सितंबर का महीना देश के ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए सुनहरा साबित हुआ है, तो इसकी वजह सिर्फ त्योहारी उत्साह नहीं, बल्कि इसके पीछे कुछ ठोस आर्थिक कारण भी हैं। इस दौरान घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 6.7 फीसदी की वार्षिक वृद्धि के साथ 21.60 लाख यूनिट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची, तो यात्री वाहनों की बिक्री भी 3.72 लाख यूनिट के सर्वकालिक उच्चांक पर रही। ट्रैक्टर एंड मेकनाइजेशन एसोसिएशन (टीएमए) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान 1.46 लाख से भी ज्यादा ट्रैक्टर बिके, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा है। ये आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत हैं, जो दर्शाते हैं कि उपभोक्ता मांग में सुधार हो रहा है और ग्रामीण व शहरी, दोनों क्षेत्रों में खरीदारी की क्षमता बढ़ रही है। हालांकि, श्राद्ध पक्ष के चलते सितंबर की सुस्त रफ्तार को देखते हुए इस तरह का कोई रिकॉर्ड दूर की कौड़ी ही लग रहा था, लेकिन जीएसटी की दरों में कटौती की घोषणा के बाद पूरी तस्वीर ही बदलने लगी। इसके अतिरिक्त, आयकर स्लैब में मिली छूट से भी मध्यवर्ग को वास्तविक बचत का अवसर मिला। जब मध्यवर्ग के हाथ में अधिक खर्च योग्य आय आती है, तब उसका पहला असर ऑटो सेक्टर पर ही दिखता है। इसके अतिरिक्त, इस वर्ष देश भर में बेहतर मानसून ने फसलों की पैदावार और किसानों की आय, दोनों को मजबूती दी है। फसल बीमा योजनाओं की पहुंच और ग्रामीण सड़कों तथा बुनियादी ढांचे में निवेश ने भी किसानों को नए ट्रैक्टर खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया है। ट्रैक्टर बिक्री में आई मजबूती को केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि का भी सूचक माना जा सकता है, जो बताता है कि गांव और यहां के लोग, विकास के सक्रिय चालक बने हुए हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सात फीसदी से अधिक का योगदान देने वाला ऑटो क्षेत्र देश के औद्योगिक उत्पादन, रोजगार और कर संग्रह में भी बड़ा योगदान देता है। ऐसे में, दोपहिया, यात्री वाहन और ट्रैक्टर-तीनों श्रेणियों में एकसाथ वृद्धि दर्शाती है कि देश की घरेलू मांग-चालित अर्थव्यवस्था अब स्थिर गति पकड़ चुकी है। हालांकि, यह भी सच है कि आने वाले महीनों में वैश्विक टैरिफ युद्ध की दिशा, निर्यात बाजार की अनिश्चितता, कच्चे तेल की कीमतें और ब्याज दरों में संभावित बदलाव जैसी चुनौतियां इस गति को प्रभावित कर सकती हैं। फिर भी, घरेलू बाजार की मजबूती यह भरोसा देती है कि भारत का उपभोग तंत्र किसी भी बाहरी झटके को संतुलित करने में सक्षम है। सितंबर की वृद्धि को एक रिकॉर्ड के रूप में ही नहीं, बल्कि एक संकेत के रूप में भी देखा जाना चाहिए कि भारत अब परिवहन और ऊर्जा के नए युग में प्रवेश कर रहा है।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स का दावा है कि इस दिवाली कुल बिक्री 6.05 लाख करोड़ रुपये की रही। इनमें ₹5.40 लाख करोड़ के वस्तु व्यापार और ₹65 हज़ार करोड़ की सेवा क्षेत्र का व्यापार शामिल है।

कोमल भावनाओं की अभिव्यक्ति से सुसज्जित काव्य संग्रह 'शायद तुमने हो पहचाना'

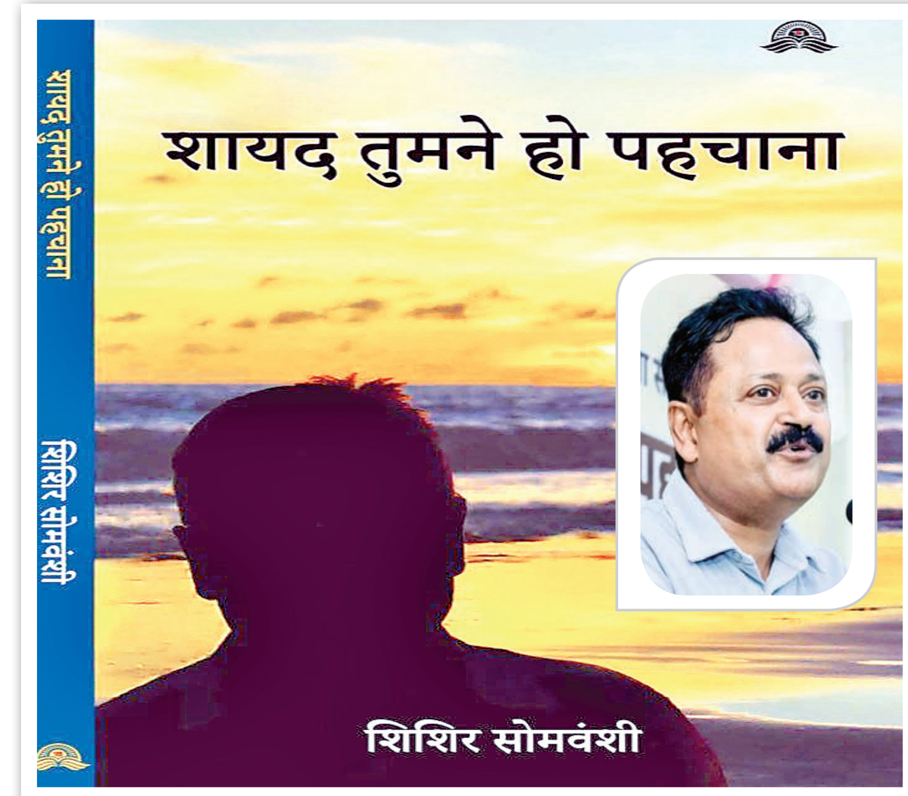

पुस्तक समीक्षा

डॉ रजनी शर्मा 'चंदा'

अत्यंत सरल हृदय एवं कोमल भावनाओं से अलंकृत अपनत्व की प्रतिमूर्ति के साथ शानदार शख्सियत के स्वामी शिशिर सोमवंशी के काव्य संग्रह की श्रृंखला से एक नया काव्य संकलन मेरे हाथों तक आया है "शायद तुमने हो पहचाना"। इसे पढ़ते हुए एक के बाद एक कविताएं मन को बांधती चली जाती हैं और ज्यों सागर की लहरें उठती गिरती खुद को बिखेरती समेटती हुई पुनः सागर में मिल जाती है, वैसे ही उनकी कविताएं पढ़ने, सुनते, गुनते पुनः कविताओं के संसार में प्रवेश करा देती है। ज्यों मुट्ठी में बांधी हुई नरम रेत फिसलती हुई रेत में पुनः समाहित हो जाती है वैसे ही शब्द दर शब्द छंदबद्ध तथा छंद मुक्त कविताएं फिसल कर हृदय की गलियारों में समाहित हो जाती है। प्रकृति प्रेमी एवं प्रकृति से जुड़े हुए स्नेहिल हृदय वानिकी विज्ञान के व्यक्ति जिनकी सैकड़ों शोध प्रपत्रों को लोग पढ़ते हैं उनके द्वारा रचित हरेक कविता भविष्य के लिए धरोहर है। कितनी सरलता से कविता कहती है कि 'बिन वर्षा बिन सावन के प्रीति का बिरवा जिंदा रखना है, बिन बांधे हुए किसी बंधन से प्रेम को मन के अंदर रखना है... कितना सुखद है यह एहसास। प्रेम न मिल पाए तो कहते हैं की 'कालचक्र की वृष्टि में धुल कर प्रेम लेख को बह जाना था' हालांकि प्रेम के अमृत को चखने वाला और विरह के विष को पीने वाला ही इस सृजन के भाव को महसूस कर सकता है। बंजारा मन जहां चलता है प्रेम की कहानी भोर, दोपहर, सांझ और रात्रि तक साथ-साथ चलती रहती है। प्रेमी मन भंवरों की गुंजन पर कोई रूमानी गीत लिखता है, तो कहीं रूठे सावन को एक खत लिखता है और कलियों से उत्तर पता है। कहीं जितने गहरे घाव उसके हृदय में है उतने ही कुछ गहरे घावों के चिन्ह वो प्रकृति में ढूंढता है। जहां तड़प है, बेचैनी है, प्रियतम से मिलने की खुशी और बिछड़ने की दर्द भी है। वो ढूंढ़ते हैं और कहते हैं कि 'जीवन में तपते मरुथल में बादल की चाह नहीं छोड़ी, जिस पथ थे तुम साथ चले अब तक वह राह नहीं छोड़ी।।'

भाव प्रमुख कविता 'शायद तुमने हो पहचाना' जिसमें बंजारा मन नदी की धाराओं में खो जाना चाहता है। प्रेम के इस बवंडर में तीव्रता से घूमते हुए मौन की डोर को तोड़कर सब कुछ कह जाना चाहता है।वह चाहता है कि इस स्वर्णिम स्वप्निल चाहतों को अपनेपन की कोई मूर्ति पहचान ले और अपने प्राणों को इस प्रेममूर्ति में स्थापित कर दे। आठों याम घूमते घूमते यायावरी करते हुए यह पांव धरती आकाश बादल पर्वत पहाड़ झरनों समंदर को छू आता है । हृदय के अंदर द्वंद्व को हंस कर जीवन मद का प्याला पी जाता है और जब मोह भंग होता है तो अपने हर दर्द को अपने अंतर छुपा लेता है। तभी तो सागर तट पर जब रेत के घरौंदे टूटते हैं तो मन का टूटना आंखों से बयां भी नहीं हो पता। धूप छांव के आलिंगन को पीड़ा के वन की मरिचिका से निकाल कर कवि मन पूछना चाहता है कि जब प्रेम छूता है तो कैसा लगता है? क्या यह मधुरिम स्पर्श उसे भी अच्छा लगता है? जब ये स्मृतियों का रस पीते हुए जमाने बाद मिलते हैं और पूछते हैं कि यह शिशिर तुम्हारे जीवन में आए तो तुम्हें कैसा लगता है? उतनी ही शिद्दत से इंतजार करते हैं कि प्रत्युत्तर अवश्य आएगा। तभी तो कितनी आसानी से कहते है कि 'मधुर चांदनी धूप को बोले प्रेम किया है प्रेम का होले, ऐसा कठिन तो ज्ञान नहीं है समझो यह समझाना मेरा! तुम कह दोगे मैं सुन लूंगा। इस जीवन के गीतों को गुनगुनाते हुए तुमसे निकल कर तुम संग इन बासंती फूलों के साथ में या इस रुदन को जहां बार-बार छंदों में गाए गए इस प्रेम का जादू टोना आखिर टूटता क्यों नहीं है वह जानता था कि इस विरह की झुलसती धारा में प्रेम के उपवन में आशा के कोई फूल खिले भी तो पीड़ा की छुवन आंख में भर लेता है और ऋतु दर ऋतु से होकर गुजरा सुख दुख अपने अनुभवों से गुजरते हुए मिलन का गीत गुनगुनता है तो तपती दोपहरी का जीवन अपना गीत सुनाता है। मन का भटकन मन के पंछी के साथ किसी शहर में एक घरौंदा ढूंढता है, जहां पांव के छाले सांसों की कमाई पर भारी पड़ती है और जब इन उखड़ी सांसों के स्वर को सुनते हैं तो इन आंखों की जुगनुओं में हर रोज एक सूरज रौशन होता है। फिर इश्क हुआ सब पानी में कहते हुए बीते समय की स्मृतियां को अपने सम्मोहन में बांधे हुए मिलने का आमंत्रण भी दे देता है। मन में असंख्य पीर के तीर चुभे हो फिर भी अधरों पर मुस्कान सजाएं हुए टूटे हुए सपनों पर मरहम लगाते हुए कहते हैं कि 'नरम कोमल हुई सेमल चंद्रिका की परत मद्धम बहुत मीठी नदी हो तुम बहो चाहे कहीं प्रियतम पर मिलो मुझसे।।' अपनी यादों की भरपाई जो चाह कर भी नहीं कर पाते हैं अपने मन से बार-बार प्रश्न करते हैं कि मन कस्तूरी क्या ढूंढता है यह बंजारा मन इस भटकन से क्या चाहता है क्या वह चाहता है कि इसे अपने हिस्से का सुख मिल जाए जिसे वह अमृत की बूंदे समझकर पी लेना चाहता है और खुद को फिर से जी लेना चाहता है या फिर चाहता है अपनी चंद सांसों को बचाकर नीम पागल हो जाना जो वक्त की रफ्तार नदी की धार के साथ-साथ सहजता से बह जाना चाहता है। सच की पीर कहते कहते कई दुख के बादल घने तम का चांद बन जाते हैं। जो इस चमकीले प्रेम की गलबहिया करते हुए सच्चे प्रेम का सच्चा बोसा स्व पर महसूस करना चाहते हैं । ये चाहते हैं की प्रेम में कृष्णा सा कोई श्याम रंग लगा दे या स्याही से भरी यह आंखें जो आशा की किरणें खोजती है ये स्वप्न से भरी आंखें रोती नहीं है क्योंकि जो मिला है वह कम तो नहीं है परंतु नियति की इस यात्रा पर यह अनवरत चल रहे हैं। वहां इस मौसम के बीत जाने से पहले इन आंसुओं के जमीन पर गिर जाने से पहले चाहते हैं की कोई इन्हें अपने आंचल में बांध ले अपनी पलकों में छुपा ले और प्रेम की इस डगर पर दुनिया की भटकन से दूर अनुराग के संग चलते जाएं और कुछ पल में सदियों को जी जाए। यह प्रेम को बुलाते भी हैं तो कितने मान से कहते हैं "तुम मुझसे मिलने मत आना मुझको उलझन हो जाती है मन से चाहूं पर कह ना सकूं जब आए हो तो अब मत जाना।। प्रीत की डोर को पकड़े हुए भोर की प्रथम रश्मि से निशा के अंतिम प्रहर तक जहां वह प्रेम का नाम अपने लबों पर आने भी नहीं देना चाहते और प्रेम की कविताओं में स्वयं को विलुप्त कर देना चाहते हैं वैसे कविताओं की दुनिया में बिछड़ते हुए निश्चित रूप से आप भी खो जाएंगे और क्षण क्षण पढ़ते हुए इस मन को जब-जब जिएंगे, जब जब मरेंगे, प्रेम के ही हो जाएंगे,इन कोमल कविताओं के हो जाएंगे। शिशिर सोमवंशी के द्वारा रचित कविताएं हिंदी साहित्य के लिए अनमोल उपहार है। यह अमूल्य कृति सदा सदा के लिए साहित्य की दुनिया में याद की जाएगी "शायद तुमने हो पहचाना" ढ़ेर सारी शुभकामनाओं के साथ धन्यवाद। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

स्नेह, सुरक्षा और संस्कृति का प्रतीक पर्व,भाई-बहन के प्रेम का अनुपम उत्सव

अलग बात

संजय सर्राफ

विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि भारतवर्ष की संस्कृति में पारिवारिक संबंधों की मधुरता और सामाजिक मूल्यों को सहेजने वाले अनेक पर्व मनाए जाते हैं। इन्हीं में से एक है भैया दूज, जिसे यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व दीपावली के दो दिन बाद, कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है।इस वर्ष में भैया दूज 23 अक्टूबर दिन गुरुवार को मनाया जाएगा।भैया दूज से जुड़ी एक पौराणिक कथा के अनुसार, मृत्यु के देवता भगवान यमराज अपनी बहन यमुनाजी से मिलने उनके घर पहुंचे। यमुनाजी ने उनका आदरपूर्वक स्वागत किया, उन्हें प्रेम पूर्वक भोजन कराया और अपने भाई की लंबी उम्र की कामना की। इस पर प्रसन्न होकर यमराज ने बहन को आशीर्वाद दिया कि इस दिन जो बहन अपने भाई को तिलक करके भोजन कराएगी और उसके दीर्घायु की कामना करेगी, उस भाई को यमराज का भय नहीं रहेगा। तभी से यह परंपरा चली आ रही है और भैया दूज भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और रक्षाबंधन के भाव का प्रतीक पर्व बन गया।भैया दूज के दिन बहनें अपने भाइयों को तिलक करती हैं, आरती उतारती हैं, और उन्हें मिठाइयाँ व पकवान खिलाकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। भाई भी बहनों को उपहार देकर उनके स्नेह का आदर करते हैं और जीवन भर उनकी रक्षा का वचन देते हैं। कई स्थानों पर बहनें यमुनाजी में स्नान कर पूजा करती हैं, जो इस पर्व की पवित्रता और महत्ता को और बढ़ा देती है। कुछ क्षेत्रों में इसे 'भाउ बीज' (महाराष्ट्र), 'भाई टीका' (नेपाल), 'भाई फोंटा' (बंगाल) के नाम से भी जाना जाता है, लेकिन भावना हर जगह एक ही होती है, भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और एक-दूसरे के कल्याण की कामना। भैया दूज केवल एक पारिवारिक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उन जड़ों का प्रतीक है जो पारिवारिक संबंधों, प्रेम, त्याग और आत्मीयता को महत्व देती है। यह पर्व नारी सम्मान, पारिवारिक सौहार्द और सामाजिक एकता को भी बढ़ावा देता है। वर्तमान समय में जब पारिवारिक संबंधों में दूरी बढ़ रही है, ऐसे में भैया दूज जैसे पर्व यह याद दिलाते हैं कि संबंधों की गरिमा को बनाए रखना भारतीय जीवन मूल्य का अभिन्न हिस्सा है। भैया दूज एक ऐसा पर्व है जो भाई-बहन के शाश्वत प्रेम को उत्सव के रूप में मनाता है। यह पर्व केवल तिलक और मिठाइयों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें संवेदनाओं की गहराई, परंपराओं की गरिमा और संस्कृति की झलक समाहित है। जब बहन अपने भाई के माथे पर तिलक करती है, तो वह केवल एक परंपरा नहीं निभा रही होती, बल्कि उसके सुखद, स्वस्थ और दीर्घ जीवन की प्रार्थना भी कर रही होती है। भैया दूज हमें यह भी सिखाता है कि प्रेम और अपनत्व की डोर जितनी मजबूत हो, जीवन उतना ही मधुर और सुरक्षित बनता है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

जीवन का लक्ष्य ही जब खुशी है तो इसे फैलाते चलें

आपकी बात

मुकेश सिंह चौहान

(हम जो लक्ष्य तय करते हैं, पा लेते हैं। फिर भी बेचैनी कम नहीं होती, छटपटाहट बढ़ते जाता है। आखिर क्यों...)

35 वर्ष पहले रामगढ़ जिला के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र भदानीनगर से पत्रकारिता की शुरुआत की। बड़े मनोयोग से आंचलिक रिपोटिंग करने लगा। साइकिल लेकर पहाड़ी के बीच बसे गांवों में चला जाता, वहां की जमीनी खबरों को समाचार में पिरोता। यूं कहें गंवई परिपाटी को पाठकों तक पहुंचाता रहता। कुछ माह बाद ही मुझ में भुरकुंडा से रिपोर्टिंग करने की इच्छा बलवंत हो गई। भदानीनगर से सटा भुरकुंडा सीसीएल का कोलियरी क्षेत्र है। आप इसे कस्बाई शहर कह सकते हैं। मैं लक्ष्य बना लिया कि भुरकुंडा से रिपोटिंग करूंगा ही। कोशिश शुरु कर दिया, 2 वर्ष के बाद भुरकुंडा से रिपोटिंग का मौका मिल ही गया। कई साल तक जी-जान से भुरकुंडा की रिपोटिंग की। अब मेरे अंदर प्रखंड (पतरातू) से रिपोटिंग का लक्ष्य तैयार होने लगा। इस दिशा में कोशिश शुरु कर दिया। कुछ साल बाद प्रखंड की रिपोटिंग भी करने लगा। पर यह चंचल मन रुकता कहां है? अब दिल-दिमाग जिला (रामगढ़) की ओर दौड़ने लगा। कर्म कहें, किस्मत कहें, ब्यूरो चीफ (जिला इंचार्ज) बन कर रामगढ़ भी आ गया। कुछ ही वर्ष बाद एक लक्ष्य फिर से सामने आ गया। अब मुझे मुख्यालय (रांची) पहुंचना था। लक्ष्य बना लिया कि संपादकीय स्तर तक पहुंचना है। यह लक्ष्य भी पूरा हो गया। रांची आ गया, सेटेलाइट देखने लगा। जैसे-जैसे मेरा लक्ष्य बदलता गया, मैं आगे बढ़ता गया। मैं तो आगे बढ़ रहा था, ठीक वैसे ही मेरी बेचैनियां भी आगे बढ़ते जा रही थी। इसी वक्त एक और प्रमोशन का मौका मेरे पास आया, और बस यहीं एक प्रश्न बार-बार मेरे जेहन में उठने लगा और मेरी बेचैनियां पराकाष्ठा पर पहुंचा गई। प्रश्न यह था कि तुम जो लक्ष्य तय करते हो, सब मिलता जा रहा है, फिर बेचैनियां कैसी? छटपटाहट क्यों? मैं पूरे शिद्दत से इस प्रश्न का जबाव ढूंढने लगा। जो जबाव मुझे मिला, वहीं से खुशी क्लास प्रारंभ हो गया। तीन साल पहले पत्रकारिता से इस्तीफा देकर खुशी मिशन शुरु कर दिया। यकीन मानें, 35 साल की बेचैनियों को मात्र इस 3 साल ने पाट दिया। बेचैनी आत्मसंतुष्टि में बदलती चली गई। कैसे हुआ यह? मेरे प्रश्न का जबाव क्या था? दरअसल, इस प्रश्न का जबाब ढूंढने के लिए मैं सामाजिक सर्वेक्षण शुरु कर दिया था। सर्वे के दौरान एक पहलू मुझे क्लिक कर गया। एक जननेता से दोस्ती थी। वो मुझसे कहते, विधायक बनने का लक्ष्य है। वो विधायक बन गएं। अब जब उनसे मिलता, वो कहते; मंत्री बनने का टार्गेट है चौहान जी। उनका यह टार्गेट भी पूरा हो गया, अभी वो मंत्री हैं। एक इंस्पेक्टर मित्र को डीएसपी बनने का लक्ष्य था। हालिया प्रमोशन में वो डीएसपी बन भी गएं। अब शायद एसपी का लक्ष्य बना लिए होंगे। एक व्यवसायी मित्र राशन के थोक विक्रेता थें, उनका लक्ष्य फैक्ट्री डालना था। आटे की फैक्ट्री डाल भी लिएं। यह जी हम सभी 'लक्ष्य' बनाते हैं, यहीं मेरा जबाब छुपा बैठा था। दरअसल हम जिसे अपना लक्ष्य मानते हैं, वो लक्ष्य होता ही नहीं, वो माध्यम मात्र होता है। इसी माध्यम को हम लक्ष्य मान लेतें हैं, नतीजन बेचैनियां पनपे लगती है। इस प्रकृति में जिसने भी जन्म ले लिया, उन सभी का एकमात्र लक्ष्य 'खुशी' है। इसी खुशी तक पहुंचने का वो सारे माध्यम हैं, जिसे हम लक्ष्य मान लेते हैं। जैसे संपादक, डीएसपी, एसपी, मंत्री, पद, पावर आदि-आदि। यह सारे माध्यम हैं, जिससे होकर हमें खुशी तक पहुंचना है। दुर्भाग्य यह कि हम माध्यम को ही लक्ष्य मान लेते हैं, नतीजन हम वहीं पे ठहर जाते हैं। असली लक्ष्य खुशी तक पहुंच ही नहीं पाते। जैसे ही हम असली लक्ष्य को जान लेंगे, माध्यम में फंसेंगे नहीं ; बल्कि उस माध्यम का सदुपयोग कर खुशी तक पहुंच जाएंगे। 15 वर्षों तक जो मैं सर्वे किया, यही पाया कि तनाव, हाइपरटेंशन, आत्महत्या की प्रवृति घर-घर में प्रवेश करता जा रहा है। शायद ही कोई ऐसा घर बचा, जहां तनाव प्रवेश नहीं कर गया है। हमारी जिंदगी, हमारा परिवार ; पर इसे संचालित तनाव करने लगा है। इस तनाव को यही " माध्यम " जन्म देता है। क्योंकि हम माध्यम को ही सर्वेसर्वा मान कर सब कुछ झोंक देते हैं। जिंदगी में माध्यम जरूरी है, बहुत ही जरूरी ; पर यह लक्ष्य नहीं हो सकता। माध्यम को माध्यम ही रहने दें। यकीन मानें, जिस दिन हम माध्यम और लक्ष्य के अंतर को समझ जाएंगे, खुशियां हमारे पास होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

शाखों पर पत्ते नहीं, आने में है वक्त।
इंतज़ार करना जरा, वक्त अभी है सख्त।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

प्रत्येक काल में प्रेरणा पुंज हैं भगवान श्री चित्रगुप्त

श्री चित्रगुप्त पूजन पर विशेष

आज की बात

डॉ.प्रणव कुमार बब्बू

भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज प्रत्येक काल में न केवल कायस्थों बल्कि सभी के लिये प्रेरणा के वैसे पुंज हैं जो एक बात का सन्देश हमेशा देते हैं। यदि किसी के द्वारा सम्पादित या किया गया कोई कार्य न्यायोचित और धर्म के अनुकूल है तो उसका सार्थक परिणाम अवश्य मिलेगा। विलम्ब संभव है पर सकारात्मक परिणाम की प्राप्ति को भी सुनिश्चित मानकर चलना चाहिए। लेकिन इसके विपरीत यदि धर्म के विरुद्ध आचरण है, अन्याय, आलस्य, क्रोध, लोभ, भय आदि-आदि है तो आज नहीं तो कल पर अप्रिय परिणाम मिलना भी उतना ही सत्य है।

श्री धर्मराजस्य चित्रगुप्तः शुभंकरः।
पायान्मां सर्वपापेभ्यः शरणागत वत्सलः।।

एक बार युधिष्ठिरजी, भीष्मजी से बोले कि हे पितामह! आपकी कृपा से मैंने धर्मशास्त्र सुने परंतु यम द्वितीया का क्या पुण्य है? क्या फल है? यह मैं सुनना चाहता हूँ अतः आप कृपा करके मुझे विस्तारपूर्वक कहिए। तब भीष्मजी बोले कि तूने सर्वश्रेष्ठ बात पूछी। मैं उसी उत्तम व्रत को विस्तारपूर्वक बताता हूँ। कार्तिक मास के उजले और चैत्र के अंधेरे की पक्ष जो द्वितीया होती है वह यम द्वितीया कहलाती है। युधिष्ठिरजी बोले कि उस कार्तिक के उजले पक्ष की द्वितीया में किसका पूजन करना चाहिए और चैत्र महीने में यह व्रत कैसे हो? इसमें किसका पूजन करें? तब भीष्मजी बोले कि हे युधिष्ठिर! पुराण संबंधी कथा कहता हूँ। इसमें संशय नहीं कि इस कथा को सुनकर प्राणी सब पापों से छूट जाता है। सतयुग में नारायण भगवान से, जिनकी नाभि में कमल है।।। उससे चार मुंह वाले ब्रह्माजी उत्पन्न हुए जिनसे वेदवेत्ता भगवान ने चारों वेद कहे। नारायण बोले कि हे ब्रह्माजी! आप सबकी तुरीय अवस्था, रूप और योगियों की गति हो। मेरी आज्ञा से संपूर्ण जगत की शीघ्र रचना करो। हरि के ऐसे वचन सुनकर हर्ष से प्रफुल्लित हुए ब्रह्माजी ने मुख से ब्राह्मणों को, बाहुओं से क्षत्रियों को, जंघाओं से वैश्यों को और पैरों से शूद्रों को उत्पन्न किया। उनके पीछे देव, गंधर्व, दानव, राक्षस, सर्प, नाग, जल के जीव, स्थल के जीव, नदी, पर्वत और वृक्ष आदि को पैदा कर मनुजी को पैदा किया। इसके बाद दक्ष प्रजापतिजी को पैदा किया और तब उनसे आगे और सृष्टि उत्पन्न करने को कहा। दक्ष प्रजापतिजी से साठ कन्यायें उत्पन्न हुईं जिनमें से दस धर्मराज को, तेरह कश्यप को और सताईस चन्द्रमा को दी। कश्यपजी से देव, दानव, राक्षस इनके सिवाय और भी गंधर्व, पिशाच, गो और पक्षियों की जातियां पैदा हुईं। धर्मराज को धर्म प्रधान जानकर सबके पितामह ब्रह्माजी ने उन्हें सब लोकों का अधिकार दिया और धर्मराज से कहा कि तुम आलस्य त्यागकर काम करो। जीवों ने जैसे-जैसे शुभ व अशुभ कर्म किए हैं उसी प्रकार न्यायपूर्वक वेद शास्त्र में कही विधि के अनुसार कर्ता को कर्म का फल दो और सदा मेरी आज्ञा का पालन करो। ब्रह्माजी की आज्ञा सुनकर बुद्धिमान धर्मराज ने हाथ जोड़कर सबके परम-पूज्य ब्रह्माजी को कहा कि हे प्रभु! मैं आपका सेवक निवेदन करता हूँ कि इस सारे जगत के कर्मों का विभागपूर्वक फल देने की जो आपने मुझे आज्ञा दी है, वह एक महान कर्म है। आपकी आज्ञा शिरोधार्य कर मैं यह काम करूंगा जिससे कि कर्ताओं को फल मिलेगा परंतु पूरी सृष्टि में जीव और उनके देह भी अनंत हैं। देशकाल ज्ञात-अज्ञात आदि भेदों से कर्म भी अनंत हैं। उनमें कर्ता ने कितने किये, कितने भोगे और कितने शेष हैं और कैसा उनका भोग है तथा इन कर्मों के भी मुख्य व गौण भेद से अनेक हो जाते हैं तो उसे कर्ता ने कैसे किया? स्वयं किया या दूसरे की प्रेरणा से किया आदि कर्म चक्र बहुत ही विस्तृत हैं। अतः मैं अकेला किस प्रकार इस भार को उठा सकूंगा? इसलिए मुझे कोई ऐसा सहायक दीजिये, जो धार्मिक, न्यायी, बुद्धिमान, शीघ्रकारी, लेख कर्म में विशेषज्ञ, चमत्कारी, तपस्वी, ब्रह्मनिष्ठ और वेद शास्त्र का ज्ञाता हो। धर्मराज के इस प्रकार प्रार्थनापूर्वक किए हुए कथन को विधाता सत्य जान मन में प्रसन्न हुए और यमराज का मनोरथ पूर्ण करने की चिंता करने लगे कि उक्त सब गुणों वाला ज्ञानी लेखक पुरुष होना चाहिए। उसके बिना धर्मराज का मनोरथ पूर्ण न होगा। तब ब्रह्माजी ने कहा कि हे धर्मराज! तुम्हारे अधिकार में मैं सहायता करूंगा। इतना कह ब्रह्माजी ध्यानमग्न हो गये। उसी अवस्था में उन्होंने ग्यारह सौ वर्ष तक तपस्या की। जब समाधि खुली तब अपने सामने श्याम रंग, कमल नयन, शंख जैसी गर्दन, गूढ़ सिर, चन्द्रमा के समान मुख वाले, कलम-दवात और पानी हाथ में लिए हुए, महाबुद्धि, देवताओं का मान बढ़ानेवाले, धर्माधर्म के विचार में महाप्रवीण लेखक, कर्म में महाचतुर पुरुष को देख उससे पूछा कि तू कौन है? तब उस युवक ने कहा कि हे प्रभु! मैं माता-पिता को तो नहीं जानता किंतु आपके शरीर से प्रकट हुआ हूँ इसलिए मेरा नामकरण कीजिए और कहिये कि मैं क्या करूं? तब श्री ब्रह्माजी ने उस पुरुष के वचन सुन अपने हृदय से उत्पन्न हुए उस पुरुष को हंसकर कहा- तू मेरी काया से प्रकट हुआ है इससे मेरी काया में तुम्हारी स्थिति है। इसलिये तुम्हारा नाम चित्रगुप्त है। धर्मराज के पुर में प्राणियों के शुभाशुभ कर्म लिखने में उसका तू सखा बने इसलिए तेरी उत्पत्ति हुई है। ब्रह्माजी ने चित्रगुप्त से यह कहकर धर्मराज से कहा कि हे धर्मराज! यह उत्तम लेखक तुझको मैंने दिया है जो संसार में सब कर्मसूत्र की मर्यादा पालने के लिए है। इतना कहकर ब्रह्माजी अंतर्ध्यान हो गए। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

हम बनाएंगे 'बिहार फर्स्ट', एनडीए की सरकार पक्की : चिराग पासवान

महागठबंधन खुद को नहीं संभाल पा रहा

एजेंसी। नई दिल्ली

चिराग पासवान ने महागठबंधन की सीट बंटवारे पर असहमति और आंतरिक मतभेदों को उनकी "गंभीरता की कमी" बताया। उन्होंने दावा किया कि एनडीए 14 नवंबर को बिहार में सरकार बनाएगी और अगले पांच वर्षों में राज्य के विकास पर ध्यान केंद्रित करेगी।केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बुधवार को महागठबंधन पर निशाना साधा, क्योंकि सहयोगी दल सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर सहमत नहीं हो पाए। पासवान, जिनकी पार्टी लोजपा (आर) 29 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, ने यह भी कहा कि एनडीए 14 नवंबर को राज्य में सरकार बनाएगा। विपक्ष पर वार करते हुए चिराग ने कहा कि उनके गठबंधन (महागठबंधन) में इतना कुछ चल रहा है, और राहुल गांधी कहाँ हैं? क्या राहुल जी और तेजस्वी यादव की नैतिक ज़िम्मेदारी नहीं थी कि वे साथ बैठकर गठबंधन में आने वाली बाधाओं को दूर करें? यह कांग्रेस की गंभीरता की कमी को दर्शाता है। चिराग पासवान ने कहा कि वे चाहे कुछ भी करें, हकीकत यही है कि 14 नवंबर के बाद एनडीए बिहार में सरकार बनाएगा। बिहार की जनता समझ गई है कि अगर महागठबंधन पाँच दलों को एक साथ नहीं रख सकता, तो वे बिहार को भी एकजुट नहीं रख पाएंगे। इससे पहले, एक सभा को संबोधित करते हुए, चिराग ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन द्वारा समय पर सीट बंटवारे की घोषणा पर ज़ोर दिया और कहा कि इससे एक बहुत ही "सकारात्मक संदेश" गया है। उन्होंने कहा कि माहौल एकतरफ़ा है और हम अपनी उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन करेंगे... एनडीए ने समय पर सीट बंटवारा पूरा कर लिया, जिससे एक बहुत ही सकारात्मक संदेश गया है... चूँकि महागठबंधन अपने ही दल को एकजुट नहीं रख पा रहा है, इसलिए हमें ज़्यादा सीटें जीतने की उम्मीद है।

दुर्गापुर मेडिकल छात्रा दुष्कर्म मामला : सभी छह आरोपियों को न्यायिक हिरासत

दुर्गापुर। दुर्गापुर के प्राइवेट मेडिकल कॉलेज की छात्रा से हुए दुष्कर्म मामले की जांच अब न्यायिक चरण में प्रवेश कर गई है। पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद इस मामले में गिरफ्तार किए गए सभी छह आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपियों में से दो (शेख शफीक और रियाजुद्दीन शेख) को मंगलवार को दुर्गापुर उप-डिविजनल कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बाकी चार आरोपियों (अपू बाउरी, फिरदौस शेख, नसीरुद्दीन शेख और पीड़िता का सहपाठी वासिफ अली) को बुधवार को अदालत में पेश किया गया। मामले की जांच के शुरुआती दौर में पुलिस ने अदालत से सभी आरोपियों की पुलिस रिमांड मांगी थी ताकि गहन पूछताछ की जा सके।

महागठबंधन को एक और बड़ा झटका

मोहनिया से राजद उम्मीदवार श्वेता सुमन का नामांकन रद्द

एजेंसी। पटना

बिहार चुनाव में महागठबंधन को बड़ा झटका लगा है, जहां मोहनिया से राजद उम्मीदवार श्वेता सुमन का नामांकन मूल निवास संबंधी विसंगतियों के चलते रद्द कर दिया गया। यह फैसला सुगौली में दो अन्य महत्वपूर्ण नामांकन खारिज होने के एक दिन बाद आया है, जो महागठबंधन की संगठनात्मक खामियों को उजागर करता है और एनडीए के लिए राह आसान बना सकता है। कैमूर मोहनिया विधानसभा क्षेत्र से राजद उम्मीदवार श्वेता सुमन का नामांकन रद्द कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने उनका नामांकन इसलिए रद्द किया क्योंकि सुमन ने 2020 के बिहार चुनाव के दौरान अपना मूल निवास उत्तर प्रदेश के चंदौली ज़िले में दिखाया था, लेकिन 2025 के चुनाव में उन्होंने अपना निवास बिहार में बताया। भाजपा ने इस संबंध में चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी और आज उनका नामांकन रद्द कर दिया गया। यह पूर्वी चंपारण में विपक्ष को मिले बड़े झटके के ठीक एक दिन बाद आया है, जहां महागठबंधन खेमे से दो प्रमुख नामांकन खारिज होने के बाद सुगौली सीट एनडीए के लिए संभावित रूप से आसान सीट बन गई थी। सुगौली से राजद के मौजूदा विधायक शशि भूषण सिंह ने विकासशील इंसान पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया था।

बेटे व बहू से परेशान व्यक्ति ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में 50 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपन बेटे और बहू की प्रताड़ना से परेशान होकर मंगलवार रात ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान लालजी सिंह (50) के रूप में हुई है और वह गौरीगंज थानाक्षेत्र के असुर गांव का रहने वाला था। पुलिस के मुताबिक, मृतक की जेब से एक 'सुसाइड नोट' भी मिला, जिसमें व्यक्ति ने अपने बेटे और बहू पर उसे प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। गौरीगंज थाना प्रभारी निरीक्षक श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि मामला रेलवे क्षेत्र का था, जिस कारण शव का पोस्टमार्टम कराने की कार्रवाई राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) द्वारा की गई है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दावा

पटाखे चले फिर भी प्रदूषण 'कम'!

एजेंस। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिवाली पर पटाखे जलाने के बावजूद प्रदूषण कम होने का दावा किया, जबकि निगरानी केंद्रों ने इसे चार साल का उच्चतम स्तर बताया था। उन्होंने दिवाली से पहले और बाद के AQI अंतर को कम बताया तथा प्रदूषण के मुख्य कारण पराली जलाने के मुद्दे पर पंजाब से बात करने की घोषणा की।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दावा किया कि इस साल दिवाली की रात शहर में वायु प्रदूषण पिछले साल की तुलना में कम था। उनका यह बयान निगरानी केन्द्रों द्वारा यह बताये जाने के एक दिन बाद आया है कि दिवाली के दिन दिल्ली का वायु प्रदूषण चार वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, जिसमें सूक्ष्म प्रदूषक कणों (पीएम 2.5) की सांद्रता 675 पर पहुंच गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को पंजाब के एक मंत्री से मुलाकात करेंगी और राज्य सरकार को पराली जलाये जाने के संबंध में दिल्ली की चिंताओं से अवगत कराएंगी।

पराली जलाना सर्दियों में राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का एक बड़ा कारण है। गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''इस साल दिवाली से पहले और बाद में (औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के बीच) अंतर पिछले साल की तुलना में कम है, भले ही इस बार पटाखे जलाने की अनुमति दी गई थी।'' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए ''अधिक सतर्कता'' के साथ सभी आवश्यक कदम उठा रही है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मंगलवार को कहा था कि दिवाली से पहले दिल्ली में एक्यूआई 341 था और दिवाली के बाद यह केवल 11 बिंदु बढ़कर 356 हुआ है। सिरसा ने राष्ट्रीय राजधानी में जहरीली धुंध के लिए पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को जिम्मेदार ठहराया था और आरोप लगाया था कि राज्य सरकार ने दिवाली की रात किसानों को रिकॉर्ड मात्रा में धान की पराली जलाने के लिए ''मजबूर किया''।

प्रदूषकों और भारी धातुओं से भरे ज़हरीले धुएँ के बढ़ने से शहर का औसत प्रति घंटा PM2.5 का स्तर आधी रात को 675 माइक्रोग्राम/घन मीटर तक पहुँच गया, जो 2021 में दिवाली की रात के बाद से सबसे ज़्यादा है, जब यह 728 माइक्रोग्राम था। हालांकि, सुबह 6 बजे के बाद हवा की गति में वृद्धि और सामान्य से अधिक तापमान, साथ ही पराली जलाने का नगण्य प्रभाव, दिन के दौरान प्रदूषण में और वृद्धि को रोक पाया। मंगलवार को, यह मामूली रूप से बढ़कर 351 हो गया - पिछले साल की दिवाली के बाद की रीडिंग 339 (1 नवंबर को) से अधिक लेकिन 2023 (358) में दर्ज स्तर से कम है।

अपनी गलती पंजाब पर डाल रही: जरनैल सिंह

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की आबोहवा फिर से बिगड़ गई है। दीपावली के बाद बुधवार सुबह धुंध की मोटी चादर छाई रही। आप विधायक जरनैल सिंह ने दिल्ली की हवा खराब होने का जिम्मेदार दिल्ली सरकार को बताया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार अपनी गलती पंजाब पर डाल रही है। दिल्ली के तिलक नगर विधानसभा क्षेत्र के आप विधायक जरनैल सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर दिल्ली सरकार लगातार यह कह रही है कि पंजाब में पराली जलाने से प्रदूषण आ रहा है। अगर पंजाब में पराली जलाने से प्रदूषण होता तो उसका असर पहले पंजाब में देखने को मिलता।" उन्होंने कहा, "पंजाब में मौसम सामान्य है। आप लोग भी पंजाब के आंकड़े देख सकते है, दिल्ली की भाजपा सरकार लगातार झूठ बोल रही है।"

- **सरकार प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए "अधिक सतर्कता" के साथ सभी आवश्यक कदम उठा रही है**
- **दिवाली से पहले दिल्ली में एक्यूआई 341 था और दिवाली के बाद यह केवल 11 बिंदु बढ़कर 356 हुआ है**
- **दिवाली की रात शहर में वायु प्रदूषण पिछले साल की तुलना में कम था**

महीनों के गतिरोध के बाद लद्दाख-केंद्र संवाद बहाल

राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची मुख्य मुद्दे

एजेंसी

नई दिल्ली। महीनों से चल रहे गतिरोध को समाप्त करने के लिए एक बड़े कदम के रूप में, लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्यों वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को केंद्र के साथ बातचीत फिर से शुरू की, जिसमें चार सूत्री एजेंडे पर ध्यान केंद्रित किया गया- लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची के तहत समावेश, आरक्षण सुरक्षा उपाय और कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) को रद्द करना। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के बीच लगभग दो घंटे की बैठक के दौरान मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के तीन-तीन प्रतिनिधि और लद्दाख के सांसद मोहम्मद हनीफा जान शामिल थे। नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल हनीफा जान ने एएनआई को बताया कि चर्चा मुख्य रूप से चार प्रमुख मुद्दों पर केंद्रित रही - लद्दाख को राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची में शामिल करना, आरक्षण संबंधी मामले और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर लगे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को हटाना। हनीफा ने कहा कि बातचीत सकारात्मक माहौल में हुई और दोनों पक्षों ने बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई। हनीफा ने कहा, "हमने चारों बिंदुओं पर रचनात्मक चर्चा की।

'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी के बेटे भागीरथ का आरोप

राहुल का टिकट का वादा धोखा निकला

एजेंसी। गयाजी

'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी के पुत्र भागीरथ मांझी ने कांग्रेस नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में टिकट दिए जाने का भरोसा दिलाया गया था, लेकिन वादा पूरा नहीं किया गया।

भागीरथ मांझी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, ''मुझे टिकट की उम्मीद थी। मैं चार दिन दिल्ली में रहा, लेकिन राहुल गांधी से मुलाकात नहीं हो पाई। वहां पर मुझे कहा गया था कि टिकट मिलेगा, लेकिन सबको टिकट बांट दिया गया और हमें धोखा मिल गया। जब टिकट नहीं मिला तो वापस लौट आया।''उन्होंने बताया कि पटना में राहुल गांधी से दो बार मुलाकात हुई थी। मैंने उनसे कहा था कि मेरे पिता ने 22 साल में जो रास्ता बनाया है, आप आकर देखिए। राहुल गांधी हमारे गांव आए, मेरे साथ बैठे, नारियल का पानी पिया और घाटी का रास्ता देखा। उन्होंने लौटते समय कहा कि इनका घर बनवा दो और कुछ दिन बाद मजदूर आए और घर बना दिया गया। हालांकि, भागीरथ मांझी ने कहा कि उसके बाद राहुल गांधी या कांग्रेस का कोई नेता हालचाल पूछने नहीं आया। उन्होंने कहा, ''अगर राहुल गांधी से मुलाकात हो जाती तो टिकट मिल जाता, लेकिन जब मैं दिल्ली गया तो राहुल गांधी विदेश में थे।''उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए कहा, ''मेरे पिता के अधूरे कामों को नीतीश कुमार ने पूरा किया। उन्होंने सड़क, स्कूल, अस्पताल और थाना बनवाया। मेरे पिता की मृत्यु के समय नीतीश कुमार ने वादा किया था कि वह बाबा का अधूरा काम पूरा करेंगे और उन्होंने किया भी।'भागीरथ मांझी ने राजनीतिक रुझानों पर पूछे गए सवाल पर कहा, ''जिसकी हवा रहेगी, उसी को वोट मिलेगा। जनता का निर्णय ही तय करेगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। हम किसी से नाराज नहीं हैं। न नीतीश कुमार से, न जीतनराम मांझी से।'मांझी ने कहा कि गया और आसपास के इलाकों में आज भी गरीबी और बेरोजगारी बड़ी समस्या है।

आज का राशिफल

मेष : आज आपको अपने आसपास रह रहे शत्रुओं से सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि वह आपके कामों को बिगाड़ने की कोशिश करेंगे। यदि आपने शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट किया था, तो उससे भी आपको नुकसान होने की संभावना है। संतान के करियर पर आप पूरा ध्यान दें।

वृष : आज अपने कामों पर ध्यान रहेगा। आपको उन्हे संयम से निपटाने की आवश्यकता है और जल्दबाजी के कारण आपसे कोई गड़बड़ी हो सकती है। आपकी मेहनत रंग लाएगी और बॉस आपके लिए कोई उपहार लेकर आ सकते हैं। सरकारी कामों में आप बिना सोचे समझे हाथ ना बढ़ाएं।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको ज़्यादा समाज सेवा के चक्कर में पढ़ने से बचना होगा। आस पड़ोस में आप लोगों की भावनाओं का सम्मान करें, इसलिए किसी से कोई विवादित बात ना बोले।

कर्क : आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। सामाजिक व राजनीतिक कामों में अच्छी सफलता मिलेगी। आपकी कुछ खास लोगों में से मुलाकात होगी। आपका यदि धन कहीं अटका हुआ था, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है।

सिंह : आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपकी लोगों से खूब पटेगी और आप अपने कामों में भी बदलाव करेंगे, लेकिन नौकरी में कार्यरत लोगों को टीमवर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा, जिससे वह किसी काम को आसानी से कर सकेंगे।

कन्या : आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। मित्रों से आपकी खूब पटेगी आर्थिक योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। आपको किसी विरोधी की बातों में आकर कोई डिसीजन नहीं लेना है। आप अपनी संतान को पढ़ाई लिखाई को लेकर कहीं बाहर भेज सकते हैं।

तुला : आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है, इसलिए आपको प्रॉपर्टी की खरीदारी करना भी बेहतर रहेगा। आप पार्टनरशिप का कोई काम शुरू करेंगे, तो उसमें भी आपको अच्छे बेनिफिट मिलेंगे। धन को लेकर कोई काम नहीं रुकेगा। वैवाहिक जीवन में आपसी प्रेम बना रहेगा।

वृश्चिक : आज आपको किसी अजनबी पर भरोसा सोच समझकर करना होगा। जल्दबाजी में आप कोई काम फैसला ना ले और आप अपने घर की साज-सज्जा पर पूरा ध्यान देंगे। आपकी मौज मस्ती की आदत आपकी टेंशनों को बढ़ा सकती है। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह पर चलना बेहतर रहेगा।

धनु : आज का दिन आपके लिए प्रभाव व प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। जीवनसाथी से आपको तालमेल बनकर चलने की आवश्यकता है। आप किसी अनजान व्यक्ति की बातों में ना आएं।

मकर : आज आपको अपने कुछ कामों को लेकर थोड़ी टेंशन रहेगी। संतान को मनचाही नौकरी न मिलने से आपका मन भी परेशान रहेगा। आप अपने जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें और उन पर कोई बड़ी जिम्मेदारी ना डालें। आप किसी की कही सुनी बातों पर भरोसा ना करें।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए रहेगा। यदि आपका कोई सरकारी काम लंबे समय से अटका हुआ था, तो आप उसे पूरा करने की कोशिश में के लिए किसी व्यक्ति से बातचीत कर सकते हैं। आपको घूमने करने के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

मीन : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको रुके हुए धन के मिलने की संभावना है और आपकी बिजनेस की योजनाएं जो लंबे समय से रुकी हुई थी, वह फिर से शुरू हो सकती है, जो आपको खुशी देंगी। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है।

छठ की तैयारियां जोरों पर, 25 अक्टूबर से शुरू होगा लोक आस्था का महापर्व

पटना। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा 25 अक्टूबर से शुरू होने जा रहा है। चार दिनों तक चलने वाली इस पूजा की शुरुआत 25 अक्टूबर को 'नहाए खाए' के साथ होगी। 26 अक्टूबर को 'खरना', 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य और 28 अक्टूबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर यह पर्व समाप्त होगा। छठ पूजा को सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है, क्योंकि व्रती 36 घंटे तक निर्जला उपवास रखते हैं। इस पर्व में सूर्य और छठी मैया की उपासना की जाती है, जो भक्तों के लिए आस्था और समर्पण का प्रतीक है। पटना में इस महापर्व की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। जिला प्रशासन और नगर निगम की टीमें घाटों की साफ-सफाई और

पूरे देश में एसआईआर शुरू करने के लिए चुनाव आयोग की बड़ी बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पूरे देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर बुधवार से शीर्ष स्तरीय बैठक शुरू कर दी है। सितंबर के बाद एसआईआर पर फैसले के लिए इस तरह की यह दूसरी दो-दिवसीय बैठक हो रही है। अधिकारियों के अनुसार इस विषय को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त एसएस संधु और विवेक जोशी सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। एसआईआर शुरू करने के फैसले को लेकर यह विचार-विमर्श गुरुवार तक चलेगा।

● चुनाव वाले राज्यों में पहले एसआईआर

न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार चुनाव आयोग में शीर्ष स्तर पर यह आम राय है कि एसआईआर की प्रक्रिया को अलग-अलग चरणों में अंजाम दिया जाए, जिसकी शुरुआत उन राज्यों से हो जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। वैसे पहले चरण में और भी राज्यों को शामिल किया जा सकता है। हालांकि, इस दौरान उन राज्यों में वोटर लिस्ट सफाई का यह अभियान नहीं चलाया जाएगा, जहां स्थानीय निकाय चुनाव होते रहेंगे या होने वाले होंगे।

दिल्ली में इस बार छठ महापर्व की भव्य तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली में इस बार छठ महापर्व पहले से कहीं ज्यादा भव्य और सुव्यवस्थित तरीके से मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज छठ की तैयारियों को लेकर बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि सरकार ने इस बार यमुना नदी पर छठ पूजा के आयोजन से जुड़ा प्रतिबंध हटा लिया है और राजधानी में साफ-सुथरे, सुरक्षित और आधुनिक छठ घाट तैयार किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार यमुना नदी के किनारे 17 मॉडल छठ घाट बना रही है। इन घाटों पर छठ व्रतियों के लिए हर सुविधा उपलब्ध होगी। टेंट, बिजली, शौचालय, पेयजल और सफाई की पूरी व्यवस्था की जाएगी।

महागठबंधन एकजुट, सारे भ्रम जल्द दूर हो जाएंगे: अशोक गहलोत

- **बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा जारी है**
- **कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि गठबंधन पूरी तरह एकजुट है और एक-दो दिन में सभी भ्रम दूर हो जाएंगे**

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे को लेकर विपक्षी दलों के 'महागठबंधन' के भीतर जारी चर्चाओं के बीच कांग्रेस ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि गठबंधन पूरी तरह एकजुट है और जल्द सभी भ्रम समाप्त हो जाएंगे।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बिहार चुनाव के लिए पार्टी पर्यवेक्षक अशोक गहलोत ने कहा, ''तमाम काम बहुत अच्छे से चल रहे हैं। एक-दो दिन में जो भी भ्रम है, वह पूरी तरह दूर हो जाएगा।' पत्रकारों से बातचीत में गहलोत ने स्वीकार किया कि बिहार की 243 विधानसभा सीट में से कुछ पर ''दोस्ताना मुकाबला'' की स्थिति बन सकती है, लेकिन उन्होंने इसे किसी बड़े विवाद के रूप में देखने से इनकार किया। उन्होंने कहा, ''कभी-कभी कार्यकर्ताओं में उत्साह होता है, स्थानीय परिस्थितियों के चलते ऐसी स्थितियां आती हैं। इसे महागठबंधन की कमजोरी नहीं बल्कि लोकतांत्रिक जोश के रूप में देखना चाहिए।''

सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और वामदलों के बीच जारी आंतरिक मतभेद के चलते महागठबंधन के घटक दल राज्य की कम से कम 11 विधानसभा सीट पर एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में हैं। इस बीच, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने भी राज्य की चुनावी रणनीति को लेकर पार्टी की स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा, ''बिहार में मुकाबला 243 सीट पर है और यह लड़ाई सीधे तौर पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के खिलाफ है। यह सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि बिहार की जनता और उनके बच्चों के भविष्य की लड़ाई है।'' अल्लावरु ने विश्वास जताया कि महागठबंधन जनता के मुद्दों पर मजबूती से चुनाव लड़ेगा और बिहार में बदलाव की बयार लाएगा।

हमें हर हाल में राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ना होगा : पप्पू

- **सांसद पप्पू यादव ने कहा कि लोकसभा में राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ना होगा, क्योंकि बिहार की जनता उन पर भरोसा करती है**
- **उन्होंने कहा कि बिहार में बदलाव जरूरी है और इंडिया गठबंधन की सरकार बननी चाहिए**

एजेंसी। पटना

बिहार के पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा कि हमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता उन पर भरोसा करती है।

पप्पू यादव ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि बिहार में बदलाव जरूरी है और इंडिया गठबंधन की सरकार बननी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिन सीटों पर राजद-कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं, उन सीटों पर मामला सुलझा लिया जाएगा। गुरुवार को एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। नेतृत्व तय करेगा कि क्या करना है, क्या नहीं करना है और आगे क्या होगा। हम कह रहे हैं कि हमारे नेता बिहार को बचाने के लिए कोई भी कुर्बानी देने को तैयार हैं। हम चाहते हैं कि किसी भी हाल में बिहार बचे और यहां महागठबंधन की सरकार बने। पप्पू यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बिहार चुनाव के लिए चेहरा बनाने पर जोर देते हुए कहा कि बिहार में दो ही चेहरे हैं, एक तरफ पीएम मोदी हैं और दूसरी तरफ राहुल गांधी। नीतीश कुमार नाममात्र चेहरा हैं। मेरी स्पष्ट राय है कि हमें हर हाल में राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ना चाहिए। बिहार के लोग, चाहे दलित हों या अति पिछड़ा वर्ग, राहुल गांधी के संघर्ष पर भरोसा करते हैं।उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि आपसी मतभेद खत्म करने के लिए 12 उम्मीदवारों को अपने नाम वापस लेने चाहिए, ताकि महागठबंधन एकजुट होकर चुनाव लड़े। बताते चलें कि बिहार की कुछ विधानसभा सीटों पर कांग्रेस ने जहां उम्मीदवार उतारे, वहां राजद ने भी अपना उम्मीदवार उतार दिया है। जिसकी वजह से कांग्रेस में हलचल तेज हो गई है।

सऊदी अरब पहुंचने वाले मजदूरों का पासपोर्ट जमा नहीं होगा

सरकार ने 70 साल बाद कफाला सिस्टम बंद किया, 1.3 करोड़ प्रवासी कामगारों को फायदा

एजेंसी । रियाद

सऊदी अरब ने करीब 70 साल पुराना कफाला सिस्टम खत्म कर दिया है। अब देश में आने वाले विदेशी मजदूरों के पासपोर्ट नियोक्ता जब्त नहीं कर सकेंगे। साथ ही, मजदूरों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए नए नियम भी लागू किए गए हैं। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बदलाव का ऐलान जून 2025 में ही कर दिया गया था। कफाला सिस्टम के खत्म होने से 1.3 करोड़ से ज्यादा विदेशी मजदूरों को फायदा होगा। इन मजदूरों में ज्यादातर लोग भारत, बांग्लादेश, नेपाल और फिलीपींस से आते हैं।

1. **मजदूरों पर कंट्रोल के लिए बना कफाला :** कफाला शब्द, कफील से बना है। कफील का मतलब होता है स्पॉन्सर या जिम्मेदार व्यक्ति। यानी वह व्यक्ति जो किसी विदेशी मजदूर के रहने और काम करने के लिए जिम्मेदार होता है। 1950 के दशक में खाड़ी के देशों में तेल उद्योग तेजी से बढ़ रहा था। तेल की मांग बहुत बढ़ रही थी, और इन देशों में स्थानीय लोगों की संख्या कम थी। इसलिए उन्हें बहुत सारे विदेशी मजदूरों की जरूरत थी। विदेशी मजदूरों के आने-जाने और काम करने को नियंत्रित करना भी जरूरी था। इसी लिए कफाला सिस्टम बनाया गया था। इसमें कफील को बहुत ज्यादा ताकत दे गई। सऊदी अरब ने कफाला सिस्टम खत्म कर दिया है लेकिन मिडिल में यूएई, कुवैत, ओमान, बहरीन, लेबनान और जॉर्डन जैसे देशों में अभी भी यह सिस्टम मौजूद है।

2. **कफाला सिस्टम में क्या दिक्कतें हैं :** जब कोई मजदूर इन देशों में काम करने आता है, तो वह कफाला सिस्टम के तहत ही एंट्री करता है, और उसके ऊपर वहां के नियम और कानून लागू होते हैं। कफील तय करता है कि मजदूर क्या काम करेगा, कितने घंटे काम करेगा, उसकी सैलरी कितनी होगी और वह कहां रहेगा। कफील की अनुमति के बिना नौकरी नहीं बदल सकते, देश नहीं छोड़ सकते थे, और अधिकारियों से सीधे शिकायत नहीं कर सकते थे। इस वजह से मजदूर अक्सर कफील के कंट्रोल में फंस जाते थे। मानवाधिकार संगठन और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन कफाला सिस्टम की दशकों से कड़ी आलोचना करते रहे थे और इसे "आधुनिक गुलामी" कहते थे, क्योंकि इस व्यवस्था ने श्रमिकों के सबसे बुनियादी अधिकारों को छीन लिया था और जबरन श्रम तथा मानव तस्करी को बढ़ावा दिया था।

कफाला सिस्टम की 3 बड़ी दिक्कतें

1. नौकरी बदलने पर पाबंदी : अगर मालिक उनके साथ बुरा व्यवहार करता था, कम वेतन देता था, या उनसे 18-18 घंटे काम कराता था, तब भी वे आसानी से नौकरी छोड़कर दूसरी जगह काम नहीं ढूंढ़ सकते थे। उन्हें नया काम शुरू करने के लिए अपने कफील की इजाजत लेना जरूरी होता था। अगर कोई मजदूर बिना इजाजत के नौकरी छोड़ता था, तो उसे "अवैध निवासी" माना जाता था और उसे गिरफ्तार किया जा सकता था।

2. देश छोड़ने पर रोक : मजदूर देश छोड़कर अपने घर भी नहीं जा सकते थे, यहां तक कि पारिवारिक आपातकाल में भी नहीं। उन्हें देश से बाहर जाने के लिए अपने नियोक्ता से एक्जिट वीजा मंजूर कराना होता था, लेकिन मालिक अक्सर मना कर देते थे, जिससे कर्मचारी बंधक बने रहते थे।

3. पासपोर्ट जब्त करना : मजदूरों को कैदी जैसा बनाने के लिए, कफील अक्सर उनके पासपोर्ट ले लेते थे। पहचान पत्र न होने और यात्रा का कोई साधन न होने के कारण वे सचमुच फंस जाते थे।

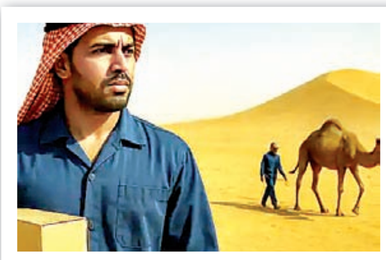

कफाला सिस्टम की जगह नया नियम लागू

सऊदी अरब ने कफाला सिस्टम को खत्म करने के बाद नए नियम लागू किए जिनके तहत मजदूरों को पहले की बजाय ज्यादा आजादी मिलेगी। नई व्यवस्था के अनुसार अब मजदूरों को अपने कफील की मर्जी के बिना नौकरी बदलने की अनुमति मिलेगी। इसके अलावा, देश छोड़ने या वापस आने के लिए अब एक्जिट वीजा या कफील की अनुमति हमेशा जरूरी नहीं होगी। नए नियमों में अब मजदूरों को कानूनी मदद देने का भी प्रावधान है। मतलब अगर उन्हें वेतन नहीं मिलता, काम का माहौल खराब है, या अन्य दिक्कतें है, तो शिकायत करने और न्याय मांगने के रास्ते आसान होंगे।

सऊदी ने 4 वजहों से बंद किया कफाला सिस्टम

1. **इमेज सुधारने की कोशिश :** सऊदी अरब पर लंबे समय से आरोप लगते रहे कि कफाला सिस्टम प्रवासी मजदूरों के लिए 'आधुनिक गुलामी' जैसा है। मानवाधिकार संगठन (जैसे ह्यूमन राइट वॉच और एमनेस्टी) लगातार इसकी आलोचना करते रहे।

2. **विजन 2030 का हिस्सा :** क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (MBS) का विजन 2030 प्रोग्राम सऊदी अर्थव्यवस्था को तेल पर निर्भरता से बाहर निकालने की कोशिश है। इसके लिए विदेशी निवेश और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की जरूरत है लेकिन कफाला जैसे सिस्टम से निवेशक डरते थे।

3. **विदेशी मजदूरों पर निर्भर अर्थव्यवस्था :** सऊदी की वर्कफोर्स में लगभग 70% से ज्यादा विदेशी मजदूर हैं। कफाला सिस्टम की वजह से कई मजदूर वापस अपने देशों लौटने लगे थे या नए लोग सऊदी आना नहीं चाहते थे। सरकार को डर था कि अगर सिस्टम नहीं बदला गया, तो मजदूरों की कमी से निर्माण, तेल और सर्विस सेक्टर पर असर पड़ेगा।

4. **कतर से प्रतिस्पर्धा :** कतर ने फीफा विश्व कप (2022) से पहले कफाला सिस्टम लगभग खत्म कर दिया था, जिससे उसे अंतरराष्ट्रीय तारीफ मिली। सऊदी अरब नहीं चाहता था कि वह 'पीछे' दिखे।

आइसलैंड में पहली बार 3 मच्छर मिले, कहां से आए वैज्ञानिक जांच कर रहे

नई दिल्ली । आइसलैंड में पहली बार तीन मच्छर मिले हैं। वैज्ञानिकों ने इसी हफ्ते इस बारे में जानकारी दी है। अब तक माना जाता है कि अंटार्कटिका और आइसलैंड ऐसी जगह है जहां मच्छर नहीं पाए जाते हैं। ब्योर्न हजल्टसन नाम के एक शख्स ने सबसे पहले मीडिया को बताया कि उन्होंने 16 अक्टूबर की शाम एक अजीब सा कीड़ा देखा। उन्होंने तुरंत उसे पकड़ लिया और कीट एक्सपर्ट मथियास अल्फ्रेडसन को बुलाया। इसके अगले दिन पता चला कि ये कुलिसेटा एनुलाटा नाम की प्रजाति के मच्छर थे। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर मच्छर यहां बसने लगे, तो यह देश के प्राकृतिक संतुलन और लोगों के हेल्थ पर असर डाल सकता है।

अफगान का पाक को संदेश-संघर्ष नहीं, सम्मान और संवाद से हल संभव

एजेंसी । नई दिल्ली

अफ़ग़ानिस्तान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने पाकिस्तान के साथ हाल ही में हुए युद्धविराम समझौते के संबंध में एक स्पष्टीकरण जारी किया है, जिसमें इस्लामिक अमीरात के रक्षा मंत्री द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई चर्चा सहित सभी मामलों के बातचीत के ज़रिए समाधान सहित प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया है। मंत्रालय ने X पर पोस्ट करते हुए ज़ोर दिया कि इस्लामिक अमीरात के रक्षा मंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पाकिस्तान के साथ हुए समझौते के संबंध में एक व्यापक स्पष्टीकरण दिया है; इसके अलावा कोई और जानकारी उपलब्ध नहीं है। स्पष्टीकरण के अनुसार, समझौता पूरी तरह से युद्धविराम, आपसी सम्मान, एक-दूसरे के सुरक्षा बलों, नागरिकों और सुविधाओं पर हमलों से बचने, बातचीत के ज़रिए सभी मामलों के समाधान और एक-दूसरे के ख़िलाफ़ हमलों को बढ़ावा न देने पर ज़ोर देता है।" मंत्रालय ने निष्कर्ष निकाला, "इन शर्तों से परे कोई भी बयान अमान्य है। यह स्पष्टीकरण रविवार को अफ़ग़ानिस्तान के प्रवक्ता द्वारा की गई उस घोषणा के बाद आया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध : पुतिन ने दिखाई परमाणु शक्ति, महायुद्ध की चिंता बढ़ी

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को रूस की परमाणु शक्तियों के व्यापक परीक्षण का निरीक्षण किया, जिसमें ज़मीन, समुद्र और हवा में उनकी तैयारियों और कमान संरचनाओं का मूल्यांकन किया गया। इस अभ्यास में एक कॉस्मोड्रोम से एक ज़मीनी "यार्स" अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल, बैरेंट्स सागर में एक परमाणु पनडुब्बी से एक "सिनेवा" बैलिस्टिक मिसाइल और रणनीतिक बमवर्षकों से परमाणु-सक्षम क्रूज़ मिसाइलों का प्रक्षेपण शामिल था। एक सामरिक पनडुब्बी क्रूजर द्वारा बैरेंट्स सागर से एक बैलिस्टिक

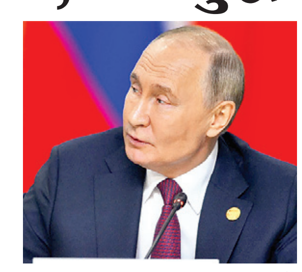

मिसाइल दागी गई। रूस अपने परमाणु बलों का नियमित अभ्यास करता है, ताकि उन्हें अपनी क्षमता का परीक्षण करा सके तथा अपने विरोधियों को यह याद दिला सके कि पूर्व-पश्चिम के बीच बढ़ते तनाव के दौर में उसके पास विश्व का सबसे बड़ा परमाणु शस्त्रागार है। क्रेमलिन ने एक बयान में कहा, "इस अभ्यास में सैन्य कमान की तैयारी के स्तर और अधीनस्थ बलों के नियंत्रण को व्यवस्थित करने में परिचालन कर्मियों के व्यावहारिक कौशल का परीक्षण किया गया। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन के खार्किव शहर में एक रूसी ड्रोन ने रात भर चले एक बड़े हमले के बाद एक किंडरगार्टन पर हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। ज़ेलेंस्की ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सभी बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और अब वे आश्रय गृहों में हैं। दुर्भाग्य से, एक व्यक्ति की मौत हो गई है, शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।

हमास ने गाजा में 'रेड क्रॉस' को दो और बंधकों के अवशेष सौंपे : इजराइली सेना

नई दिल्ली । हमास ने गाजा में रेड क्रॉस को दो और बंधकों के अवशेष सौंप दिए हैं। इजराइल की सेना ने यह जानकारी दी। हमास के साथ हुए युद्धविराम समझौते का क्रियान्वयन 10 अक्टूबर को शुरू होने के बाद से 13 बंधकों के अवशेष इजराइल को लौटाए गए हैं। दो और बंधकों के अवशेषों को इजराइल पहुंचाए जाने के बाद अब गाजा में बंधक बनाकर रखे गए 13 और लोगों के शवों को बरामद करके इजराइल को सौंपा जाना बाकी है। इजराइल की यात्रा पर आए अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने हमास के साथ हुए युद्धविराम समझौते के क्रियान्वयन को लेकर इजराइल की बढ़ती हताशा के बीच थोड़ा धैर्य रखने का आग्रह किया। वेंस ने कहा, ''इनमें से कुछ बंधकों के अवशेष हजारों टन मलबे के नीचे दबे हुए हैं।

टीटीपी का 25 पाकिस्तानी सैनिकों को ढेर करने का दावा

नकवी ने अफगानिस्तान को दी धमकी

एजेंसी । नई दिल्ली

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने दक्षिण वजीरिस्तान में एक अभियान में 25 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने और चौकी पर कब्जा करने का दावा किया। इस बीच पाकिस्तान के संघीय गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने मुंहतोड़ जवाब देने की धमकी दी है। पाकिस्तान आरोप लगाता रहा है कि टीटीपी अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल करके हमले कर रहा है। हाल ही में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हुए भीषण हमले के बाद दोनों पक्षों ने दोहा में हुई बैठक के दौरान युद्धविराम विराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस बीच टीटीपी ने एक बार फिर से हमले का दावा किया है। हालांकि, इसे लेकर पाकिस्तान के किसी भी अधिकारी की तरफ से कोई जानकारी सामने नहीं आई है। मीडिया से बातचीत के दौरान नकवी ने कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्धविराम हो गया है। अगर फिर से उल्लंघन हुआ, तो अफगानिस्तान जानता है कि हमारी प्रतिक्रिया क्या होगी। किसी भी हिंसक समूह को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रुबियो-लावरोव वार्ता के बाद डोनाल्ड-पुतिन शिखर सम्मेलन टला

नई दिल्ली । यूक्रेन में युद्ध के समाधान के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक करने की योजना स्थगित कर दी गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस बैठक की घोषणा पिछले हफ़्ते की गई थी। बुडापेस्ट में प्रस्तावित इस बैठक की तारीख हालांकि तय नहीं हुई थी। यह निर्णय अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया। अधिकारी ने नाम न छापने का अनुरोध किया क्योंकि उन्हें सार्वजनिक रूप से बोलने का अधिकार नहीं था। ट्रंप की योजनाओं को लेकर जारी खींचतान उनके अस्थिर और टालमटोल भरे प्रयासों से पैदा हुए ताज़ा उलझन भरे हालात को दर्शाती है। यह उस विवाद (रूस-यूक्रेन युद्ध) को सुलझाने की कोशिशों से जुड़ी है जो लगभग चार वर्षों से जारी है।

पाकिस्तान: इमरान खान से मिलने की जद्दोजहद

पीटीआई की याचिकाओं पर हाईकोर्ट में अहम सुनवाई

एजेंसी । इस्लामाबाद

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) की एक बड़ी पीठ गुरुवार को आदियाला जेल में कैद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात के संबंध में पीटीआई नेताओं द्वारा दायर सभी 11 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी, जिनमें खैबर पख्तूनख्वा के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री सोहेल

अफरीदी की एक याचिका भी शामिल है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पीठ का उद्देश्य खान के मुलाकात के अधिकारों को लेकर चल रहे विवादों को सुलझाना है। आईएचसी रजिस्ट्रार कार्यालय ने इस्लामाबाद और पंजाब के महाधिवक्ता, पंजाब के अभियोजक जनरल, पंजाब के पुलिस महानिरीक्षक और जेल महानिरीक्षक को नोटिस जारी किए हैं। महिला चिकित्सा अधिकारी और आदियाला जेल अधीक्षक को भी उसी तारीख के लिए तलब किया गया है। अदालत से इस्लामाबाद और पंजाब प्रशासन के बीच मुलाकात के मुद्दों और आदियाला जेल पर अधिकार क्षेत्र के विवाद दोनों को संबोधित करने की उम्मीद है। सोमवार को, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अरबाब मुहम्मद ताहिर ने मुख्यमंत्री अफरीदी की जेल में खान से मिलने की अनुमति मांगने वाली याचिका पर रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा उठाई गई आपत्तियों को खारिज कर दिया।

नेपाल की प्रधानमंत्री कार्की ने आम चुनावों पर चर्चा के लिए नेताओं से मुलाकात की

एजेंसी । नई दिल्ली

नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने पिछले महीने कार्यवाहक सरकार के गठन के बाद पहली बार मंगलवार को प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की और आम चुनावों की तैयारियों एवं सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि बालुवाटार स्थित प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर हुई इस बैठक में भंग हो चुकी प्रतिनिधि सभा के कई राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। कार्की (73) उस समय पिछले महीने नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं जब भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध को लेकर सरकार के खिलाफ युवाओं के नेतृत्व में 'जेन जेड' आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को अपदस्थ कर दिया गया था। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री कार्की ने सभी राजनीतिक दलों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में सहयोग मांगा। नेताओं ने सरकार से चुनाव के लिए अनुकूल माहौल बनाने का आग्रह किया। कार्की ने आश्वासन दिया कि अंतरिम सरकार कानून के अनुसार काम कर रही है।

लकी अली का जावेद अख्तर पर पलटवार, कहा

'कभी मौलिक नहीं रहे'

गायक लकी अली ने एक कार्यक्रम में जावेद अख्तर की हिंदू-मुस्लिम वाली टिप्पणी के वायरल होने के बाद एक्स (पहले ट्विटर) पर उनकी आलोचना की है। 'ओ सनम' गायक ने एक एक्स यूजर की टिप्पणी का जवाब दिया, जिसमें दिग्गज गीतकार-कवि के कुछ उद्धरण थे, जिनमें हिंदुओं को 'मुसलमानों जैसा मत बनो' कहा गया था।

जावेद अख्तर बोले- आज 'शोले' जैसा सीन लिखना संभव नहीं

जावेद अख्तर ने एक कार्यक्रम में हेमा मालिनी और धर्मेंद्र अभिनीत फिल्म 'शोले' के मशहूर 'युंकी ये कौन बोला' सीन के बारे में बात की। उन्होंने कहा, "शोले में एक सीन था जहां धर्मेंद्र शिवजी की मूर्ति के पीछे छिपकर बोलते हैं और हेमा मालिनी (सोचती हैं) कि शिवजी उनसे बात कर रहे हैं। क्या आज ऐसा सीन संभव है? नहीं, मैं आज ऐसा कोई सीन नहीं लिखूंगा। क्या 1975 में (जब शोले रिलीज़ हुई थी) हिंदू नहीं थे? क्या कोई धार्मिक लोग नहीं थे?

लकी अली ने जावेद अख्तर के बयान पर क्या प्रतिक्रिया दी?

लकी अली ने एक एक्स यूज़र को जवाब दिया, जिसने जावेद अख्तर का हिंदू-मुस्लिम वाला बयान पोस्ट किया था। जवाब में, हैरत गायक ने लिखा, "जावेद अख्तर जैसे मत बनो, कभी भी असली और नकली जैसे बदसूरत मत बनो।

कमेंट सेक्शन में भी, लकी अली और जावेद अख्तर के प्रशंसक आपस में बंट गए और जल्द ही एक एक्स वॉर शुरू हो गया। दिग्गज गीतकार ने अभी तक लकी अली की टिप्पणी का जवाब नहीं दिया है।

कारोबारियों को धमकाने के लिए प्रिंस खान व सुजीत सिन्हा ने मिलाया हाथ

पाक से आते हैं हथियार, चार गिरफ्तार

- पाकिस्तान से ड्रोन से हथियार आने का खुलासा
- रंगदारी का अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन

नवीन मेल संवाददाता

रंगदारी मांगने के मामले में अपराधी सुजीत सिन्हा की पत्नी गिरफ्तार

रांची। गोलाबारी और रंगदारी मांगने के मामले में अपराधी सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा गिरफ्तार हुई है। सुजीत सिन्हा वर्तमान में साहेबगंज जेल में बंद है। उल्लेखनीय है कि डोरंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत सत्यभामा अपार्टमेंट के बाहर हुई हवाई फायरिंग की घटना हुई थी। इस मामले में रिया सिन्हा की संलिप्तता सामने आई थी। जिसके बाद पुलिस की टीम ने रिया सिन्हा को गिरफ्तार किया है। इससे पहले भी कई बार रिया सिन्हा गिरफ्तार होकर जेल जा चुकी है। रांची पुलिस की टीम की जांच में खुलासा हुआ है, कि रांची में कारोबारियों को धमकाने और लेवी वसूलने के लिए अपराधी प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा गिरोह ने आपस में हाथ मिला लिया है।

रांची। संगठित अपराध को लेकर रांची पुलिस की जांच में अहम खुलासा हुआ है। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर गठित पुलिस की टीम की जांच में खुलासा हुआ है, कि रांची में कारोबारियों को धमकाने और लेवी वसूलने के लिए अपराधी प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा गिरोह ने आपस में हाथ मिला लिया है। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कांके के रहने वाले बबलू खान, मो शाहिद, मो सेराज और पंडरा के रहने वाले रवि आनंद को गिरफ्तार किया है। इन अपराधियों के पास से पुलिस ने हथियार और कार बरामद की है। उल्लेखनीय है कि कोयलांचल शांति सेना के नाम पर कुख्यात अपराधी प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा द्वारा शहर के व्यवसायियों और कारोबारियों को फोन पर रंगदारी के लिए लगातार धमकी दिए जाने के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देशों के आलोक में एक बड़ी सफलता हासिल की गई है।

पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अपराधियों ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बरामद हथियार और गोली पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से मोगा (पंजाब) के रास्ते भारत लाए जाते हैं। इन हथियारों का उपयोग रांची सहित देश के विभिन्न स्थानों पर बड़े कारोबारियों, पूंजीपतियों और व्यवसायियों में दहशत फैलाकर रंगदारी वसूलने के लिए किया जाता है।

अपराधियों ने बताया कि रांची में इनामुल हक उर्फ बबलु खान अपने गुर्गों के साथ मिलकर सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान के लिए रंगदारी वसूलता है। वसूली गई राशि को सुजीत सिन्हा के गुर्गों की मदद से प्रिंस खान तक पहुंचाया जाता है, जिसे प्रिंस खान द्वारा यूएई के रास्ते पाकिस्तान भेजा जाता है। इस राशि का उपयोग पाकिस्तान में उनके गुर्गों द्वारा अवैध हथियार की खरीद और अन्य अवैध कार्यों में किया जाता है। जो एक संगठित अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क की ओर इशारा करता है। पुलिस के अनुसार, यह भी उल्लेखनीय है कि डोरंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत सत्यभामा अपार्टमेंट के बाहर हुई हवाई फायरिंग की घटना के लिए हथियार भी इन्हीं गिरफ्तार व्यक्तियों द्वारा उपलब्ध कराए गए थे।

डीसी ने की जतरा आयोजन के तैयारियों की समीक्षा

जिला प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आगामी जतरा आयोजन को लेकर कांके रोड स्थित जतरा टांड़ का उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने संयुक्त रूप से भ्रमण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने स्थल पर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया एवं आयोजन समिति के सदस्यों से विस्तृत चर्चा की।

भ्रमण के क्रम में उपायुक्त ने आयोजन स्थल पर सफाई व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, पेयजल की उपलब्धता, यातायात नियंत्रण, पार्किंग स्थल, चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था एवं अग्निशमन की तैयारी आदि बिंदुओं की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि जतरा में आने वाले श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों की सुविधा के लिए सभी व्यवस्थाएं ससमय सुनिश्चित की जाएं। उपायुक्त ने समिति के सदस्यों से समन्वय बनाकर कार्य करने की अपील की तथा जिला प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जतरा के दौरान कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। भीड़ प्रबंधन के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों को चिन्हित स्थानों पर दायित्व सौंपे जाएंगे।

आयोजन समिति के सदस्यों ने जिला प्रशासन को जतरा की पारंपरिक एवं सांस्कृतिक महत्ता से अवगत कराया तथा सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार, पुलिस अधीक्षक यातायात राकेश सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय, विद्युत विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची समेत कई जिलों में छाएंगे बादल, छिटपुट बारिश के आसार

रांची। छठ महापर्व से ठीक पहले झारखंड के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। रांची सहित राज्य के कई हिस्सों में मौसम करवट लेने की तैयारी में है। मौसम विभाग ने छठ के समय सुबह में धुंध और उसके बाद हल्के बादलों के छाए रहने की आशंका जताई है, साथ ही हल्के दर्जे की बारिश भी हो सकती है। विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक सुबह कोहरा रहेगा, जिसके बाद आंशिक बादल छाएंगे और मौसम मुख्य रूप से शुष्क बना रहेगा। हालांकि, 25 और 26 अक्टूबर को राज्य के दक्षिणी-पश्चिमी हिस्से में बारिश की संभावना है। इससे छठ की तैयारियों में जुटे लोगों को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इन जिलों में बरस सकते हैं बादल बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, लातेहार, पलामू और गढ़वा जैसे दक्षिणी-पश्चिमी जिलों में हल्की बारिश के संकेत हैं। इसके अलावा रांची, गुमला और लोहरदगा से सटे इलाकों में भी कहीं-कहीं हल्की फुहारें पड़ने के आसार हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका मैच को लेकर तैयारियों पर चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) स्टेडियम में आगामी 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले वनडे क्रिकेट मैच के आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक जेएससीए के पदाधिकारियों और रांची जिला प्रशासन के बीच हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य क्रिकेट मैच के दौरान विधि-व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुनिश्चित करना था। बैठक में जेएससीए के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव, उपायुक्त मंजुनाथ भजन्त्री, वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, जेएससीए के उपाध्यक्ष संजय पांडे, सचिव सौरभ तिवारी, सह सचिव शहबाज नदीम, कोषाध्यक्ष अमितावा घोष, अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार, पुलिस अधीक्षक यातायात राकेश सिंह, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर राजेश्वर नाथ आलोक, डीएसपी हटिया मोद कुमार मिश्रा, जेएससीए के आजीवन सदस्य राजीव कुमार सिंह, बिनय बिहारी कर्ण, किशोर चन्द्रा सहित जेएससीए और जिला प्रशासन के अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में क्रिकेट मैच के दौरान अपेक्षित भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए यातायात, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर क्रमवार चर्चा की गई। जेएससीए के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने जिला प्रशासन के सहयोग की सराहना की और कहा कि समन्वित प्रयास आयोजन की सफलता की कुंजी हैं। सचिव श्री सौरभ तिवारी ने स्टेडियम की तैयारियों और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी साझा करते हुए बताया कि जेएससीए इस आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री ने कहा इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के लिए जिला प्रशासन जे.एस.सी.ए को हर संभव सहयोग प्रदान करेगा ताकि यह आयोजन राँची में भव्य और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

हेमंत सोरेन त्याग करने के आदी हैं : राजेश ठाकुर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झामुमो ने बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। इसके बाद कयास लगाए जाने लगे कि इंडिया ब्लॉक में सबकुछ ठीक नहीं है। झामुमो नेताओं ने राजद-कांग्रेस पर धोखा देने का आरोप लगाया। इस पर कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने कहा कि गुस्से में कभी-कभी कुछ आक्रोश बाहर निकल जाता है। उन्होंने कहा कि दुखद है। हम समझते हैं गठबंधन में उनको रहना चाहिए था। कई कारणों से ऐसा हुआ होगा, बेहतर वही लोग बता पाएंगे जो इस गठबंधन के संदर्भ में बातचीत कर रहे थे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जेएमएम का आक्रोश लाजिमी है, क्योंकि यहां वो इंडिया गठबंधन में हमारे साथी हैं और पूरे देश में वो हमारे साथी दलों में हैं। तो हम यह कह सकते हैं कि कई कारण रहते हैं और समय पर सारी चीजें संभव नहीं हो पाई होंगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से लगातार गठबंधन के नेताओं की बातचीत हो रही है और हम समझते हैं सब कुछ ठीक होगा। हेमंत सोरेन त्याग करने के आदी हैं। पहले भी उन्होंने त्याग किया है। झारखंड में भी उन्होंने राजद के लिए त्याग किया था।

कांग्रेस नेता ने कहा कि गठबंधन की समीक्षा समय-समय पर होती रहती है। यह कोई नई बात नहीं है। हम अपने कामों की समीक्षा करते हैं कि कौन क्या कर रहा है, कौन क्या नहीं कर रहा है। उस संदर्भ में उन्होंने कुछ कहा होगा और हमें नहीं लगता है कि यह कोई बड़ी बात है। यह लगातार ऐसे चलता रहता है। जब गठबंधन के साथ ही हैं और जब सब लोग आपस में बातचीत करते हैं तो बातें सामने आती हैं। इसमें कोई चिंता करने की बात नहीं है।

झामुमो के आरोपों पर उन्होंने कहा कि आक्रोश में कई लोग कुछ-कुछ बोल जाते हैं। हमें लगता है कि शब्दों की सीमा रहनी चाहिए। आक्रोश अपनी जगह पर है और आक्रोश भी लाजिमी है। वो गठबंधन के साथी हैं, वो चाहते थे और उन्होंने पहले झारखंड में राजद को सीट देने का काम किया है तमाम जंजालों के बीच।

तो निश्चित रूप से वो ऐसा सोचते हैं, लेकिन हमें लगता है कि सब कुछ गठबंधन में ठीक है और इस तरह की बातें कई बार आदमी आक्रोश में बोल जाता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से चर्चा करके सबकुछ सुलझा लेंगे।

हेमंत जैसा बड़ा दिल, बिहार के नेताओं में नहीं : मनोज पांडे

रांची। झामुमो नेता मनोज पांडे ने बुधवार को पटना में आयोजित होने वाली महागठबंधन की साझा प्रेस वार्ता पर कहा, "हम जब चुनाव से बाहर आ गए तो बिहार में हम गठबंधन में भी नहीं हैं। हमें तो उस लायक ही नहीं समझा गया। जो लोग चुनाव लड़ रहे हैं उनकी प्रेस वार्ता होगी।

झामुमो की पीड़ा कायम है, भावनाएं आहत हुई हैं : पांडेय ने कहा कि जो लोग चुनाव लड़ रहे हैं, उनकी प्रेस वार्ता होगी। लेकिन जेएमएम की जो पीड़ा है, वह कायम है। जो भावनाएं हैं, वह कहीं ना कहीं आहत हुई है। उन्होंने हेमंत सोरेन का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने कई मौकों पर अपना बड़ा दिल दिखाया है, लेकिन बिहार के नेताओं में वह भावना नहीं दिखाई दी। इसे मैं नाइंसाफी कहूंगा।

सीट नहीं मिलने पर झामुमो ने खुद को अलग किया : गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही जेएमएम को राजद ने एक भी सीट नहीं दी। ऐसे में पार्टी ने चुनावी मैदान से खुद को अलग कर लिया है। हालांकि झारखंड में जेएमएम आरजेडी और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार चला रही है।

झारखंड के 5 जिलों में एनडीपीएस थाना बनाने का आदेश जारी

रांची। झारखंड में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पुलिस मुख्यालय स्तर से राज्य के पांच जिलों में एनडीपीएस थाना के गठन को लेकर आदेश जारी कर दिया गया है। आईजी मुख्यालय द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने रांची, चतरा, जमशेदपुर, खूंटी और हजारीबाग में एक-एक एनडीपीएस थाना अधिसूचित कर दिया है। इस संबंध में जारी अधिसूचना की कॉपी आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है। गौरतलब है कि राज्य में अफीम और अन्य मादक पदार्थों के कारोबार पर सख्ती से अंकुश लगाने के उद्देश्य से इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। इन पांच जिलों (रांची, चतरा, जमशेदपुर, खूंटी और हजारीबाग) में एनडीपीएस थाना खोलने के प्रस्ताव को 24 सितंबर को राज्य कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। इन विशेष थानों के गठन से नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध खेती से जुड़े मामलों में तेजी से कार्रवाई होगी।

भाकपा माले ने पुण्यतिथि पर बुधुवा उरांव को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाकपा माले ने पार्टी नेता बुधुवा उरांव की पुण्यतिथि पर बुधवार को बुढमू में सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद पार्टी के कार्यर्ताओं ने झारखंड में संशोधित पेसा कानून लागू करने, नक्सल के नाम पर आदिवासियों पर दमन बंद करने, राशन-रोजगार-वनपट्टा की गारंटी देने और जंगल-जमीन-लोकतंत्र की रक्षा करने सहित अन्या मांगों को लेकर मार्च निकाला। सभा में पार्टी के जिला सचिव जगमोहन महतो ने बुधुवा उरांव वर्ष 1988 में भाकपा माले में शामिल हुए थे और जीवनपर्यंत जंगल-जमीन-रोजगार और भाजपा के खिलाफ संघर्ष का नेतृत्व किया। उन्हों ने कहा कि आज बुधुवा उरांव हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विरासत की रक्षा करना और आगे बढ़ाने की जिम्मेवारी हमें लेनी है। वहीं आदिवासी संघर्ष मोर्चा के नेता जगरनाथ उरांव ने कहा कि वनाधिकार कानून- 2006 के तहत वन पट्टा के आवेदन के बावजूद वन पट्टा सही ढ़ंग से नहीं मिल पा रहा है। नये वन संरक्षण (संशोधन) कानून-2022 से जंगल-जमीन से आदिवासियों को उजाड़ कर विस्थापन की ओर धकेला जा रहा है। एरिया सचिव किशोर खंडित ने कहा कि अंचल कार्यालयों में अब भू-माफिया-राजनेता-प्रशासन गंठजोड़ के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की जमीन लूट बदस्तूर जारी है। पार्टी आदिवासी संघर्ष मोर्चा के नेत्तृत्व में गरीब और किसानों मजबूत बनाकर जनसंघर्ष के जरिए भूमि लूटेरों के खिलाफ लगाम लगाएगी। सभा को अलमा खलखो, महावीर मुंडा, सरफराज अंसारी, चांदनी उरांव, प्रीतम उरांव, रामकिशुन लोहरा, नारायण कुशवाहा सहित अन्य ने संबोधित किया।

झारखंड भाजपा में सुधारने के लिए शीर्ष नेतृत्व कठोर निर्णय ले : डॉ सूरज

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्व सांसद डॉ. सूरज मंडल ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी एवं रघुवर दास के कारण ही झारखंड में भाजपा की वर्त्तमान स्थिति है। उन्होंने कहा कि इस बात की नितांत

आवश्यकता है कि शीर्ष नेतृत्व झारखंड में भाजपा की जमीनी स्थिति को बेहतर बनाने और जन आकांक्षाओं के अनुरूप जनाधार को और अधिक मजबूत करने के लिये शीघ्र ही कठोर एवं गंभीर निर्णय ले।

डॉ. मंडल ने पीएम मोदी एवं भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अन्य नेताओं से यह अपील की है कि वह अतिशीघ्र निर्णय लेकर उस गलती को सुधारें। साथ ही बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्षी इंडी गठबंधन के कार्यकर्ता साथी दलों कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और झामुमो का असली चेहरा पूरी तरीके से सामने आने के बाद झारखंड में भाजपा की जमीनी स्थिति-परिस्थिति पर नये सिरे से गंभीरतापूर्वक विचार करने एवं निर्णय लेने की जरूरत है।

युवक को बदमाशों ने पीटकर 25 हजार लूटे, मामला दर्ज

रांची। पुरानी रांची के फिरदौस आलम के साथ बदमाशों ने मारपीट कर लूटपाट की। आरोप सुजल समेत अन्य पर लगा है। पीड़ित ने सुजल समेत अन्य पर कोतवाली थाना में केस किया है। पुलिस को बताया कि मंगलवार शाम वह घर लौट रहा था। तभी चार युवक पीटने लगे। इसी दौरान आरोपियों ने उनसे 25 हजार रुपए लूट लिया। जिसके बाद वह थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया। पुलिस जांच में जुट गई है।

केंद्र रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव व प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य हेहल **जतरा महोत्सव** में सम्मिलित हुए।

छठ पर 12 हजार ट्रेन चलाने का दावा खोखला : राजद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रदेश राजद ने महापर्व छठ पर देश भर में 12 हजार ट्रेन चलाने के केंद्र सरकार के दावे को खोखला बताया है। इस संबंध में बुधवार को पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कैलाश यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि केंद्र सरकार ने विगत दिनों घोषणा किया था कि छठ महापर्व त्योहार के पावन अवसर पर बिहार के लिए 12 हजार स्पेशल ट्रेन चलाएंगे।

उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि देशभर में झारखंड और बिहार से जाकर करोड़ों काम करने वाले लोगों को छठ त्यौहार पर घर वापसी के लिए काफी परेशानी हो रही है। उल्लेखनीय है कि बिहार और झारखंड से देशभर में करोड़ों लोग रोजी रोजगार के लिए बाहर जाते हैं। केंद्र में तीसरी बार शासन कर रही भाजपा ने दावा किया था कि छठव्रतियों और श्रद्धालु यात्रियों के लिए 12 हजार स्पेशल ट्रेन चलाएंगे। ताकि यात्री सकुशल अपने घर वापस जा सकें लेकिन ये दावा महज जुमला साबित हुआ। यादव ने कहा कि बिहार में छठ महापर्व और विधानसभा का आम चुनाव का महापर्व एक साथ नजदीक होने के कारण बाहर रहने वाले करोड़ों लोगों में काफी उत्सुकता है। लेकिन इस महत्वपूर्ण मामले पर रेल मंत्रालय और भाजपा के खोखली दावे से लोग मायूस और नाराज हैं।

डॉ उरांव ने प्रदेश अध्यक्ष को सौंपा हस्ताक्षर अभियान के दस्तावेज

रांची। विधायक डॉ रामेश्वर उरांव ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में चलाये गये वोट चोरी हस्ताक्षर अभियान के कुल 26 हजार दस्तावेज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को सौंपा। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी की ओर से वोट चोर, गद्दी छोड़ नामक हस्ताक्षर अभियान का तीसरा चरण 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक चलाया गया। उन्होंने कहा कि एक पार्टी समन्वित, घर-घर और जन-सम्पर्क अभियान के माध्यम से आम लोगों से वोट चोरी के खिलाफ 25 लाख हस्ताक्षर एकत्र करने के लिए प्रतिबद्ध है। ज़िला, ब्लॉक और मंडल स्तर के पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन इसकी असली ताकत हम सभी की व्यक्तिगत भागीदारी से आएगी।

विरोध — आईआईसीएम श्रमिक संघ की बैठक में प्रबंधन के रवैये पर आक्रोश, बोले अजय राय

कर्मियों के साथ हो रहा अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कोल मैनेजमेंट (आईआईसीएम) श्रमिक संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक संघ के अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संस्थान के कर्मचारियों से जुड़े कई ज्वलंत मुद्दों पर गंभीर चर्चा की गई। विशेष रूप से पिछले दिनों प्रबंधन द्वारा किए गए दो महीने के शॉर्ट टेंडर का मामला बैठक का प्रमुख विषय रहा, जिसके तहत काम तो कर्मचारियों से लिया गया, लेकिन अब तक भुगतान नहीं किया गया है। इस मुद्दे पर उपस्थित सभी सदस्यों ने तीव्र असंतोष प्रकट किया और इसे कर्मचारियों के साथ सरासर अन्याय बताया।

बैठक में यह भी बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद आईआईसीएम प्रबंधन ने अब तक कर्मियों के रेगुलराइजेशन (स्थायीकरण) की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। यह स्थिति न केवल न्यायिक आदेशों की अवहेलना है, बल्कि इससे कर्मचारियों में गहरा असंतोष और असुरक्षा की भावना व्याप्त हो गई है। संघ के अध्यक्ष अजय राय ने इस अवसर पर कहा कि "आईआईसीएम प्रबंधन का रवैया पूरी तरह तुगलकशाही और मनमाना होता जा रहा है। रेगुलराइजेशन तो दूर, अभी तक कर्मचारियों को उनका कोल वेज तक नहीं दिया गया है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है।" उन्होंने आगे कहा कि "संस्थान के कर्मियों ने हमेशा पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ काम किया है, लेकिन प्रबंधन उनकी मेहनत और अधिकारों की अनदेखी कर रहा है। अगर जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया गया तो संघ व्यापक आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगा।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने एकमत होकर निर्णय लिया कि अगर जल्द ही बकाया भुगतान, कोल वेज और रेगुलराइजेशन की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं की गई, तो संघ इस मामले को उच्च स्तर तक ले जाएगा और आवश्यक होने पर श्रम विभाग एवं न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाया जाएगा।

संघ ने यह भी स्पष्ट किया कि कर्मचारियों का शोषण अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा गया कि वे तुरंत कर्मियों के हित में ठोस पहल करें, अन्यथा संघ चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होगा। बैठक में कई वरिष्ठ पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया और सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया कि आईआईसीएम के श्रमिकों के हक की लड़ाई को अंतिम परिणाम तक पहुंचाया जाएगा। इस बैठक के माध्यम से आईआईसीएम श्रमिक संघ ने एक बार फिर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वह अपने सदस्यों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए किसी भी स्तर तक संघर्ष करने को तैयार है।

बैठक में मनोज कुमार सिंह, रमेश साहू, इस्लाम खान, वीर बहादुर सिंह, आलोक झा, अक्षय बेहरा, प्रीत यादव, उत्तम कुमार, मकदली कुजूर, राजेश तिर्की, मदीना खातून, ज्योति खलखो, निर्मला किस्पोट्टा, शशि देवी, अनीता तिग्गा, अनुपमा साहू, पूनम तिर्की, राहिल कुजूर, लखी लिंडा, शिला बंडो सहित अन्य शामिल हुए।

पृष्ठ एक के शेष

कॉलेज निर्माण स्थल पर...

बेतर पहुंचे और पिकेट प्रभारी किशोर मुंडा से आवश्यक जानकारी ली। थाना प्रभारी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस जल्द ही अपराधियों तक पहुंचने का दावा कर रही है। उल्लेखनीय है कि चंदवा प्रखंड के बेतर गांव में पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी के प्रयास से कॉलेज का निर्माण कराया जा रहा है। कॉलेज परिसर के समीप ही पुलिस पिकेट भी बनाई गई है, जिसका उद्घाटन बीते एक जून को वरीय अधिकारियों द्वारा किया गया था। इसके बावजूद रंगदारी के दबाव में अपराधियों ने इतनी बड़ी घटना को अंजाम देकर पुलिस के सामने गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। इस संबंध में पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी से संपर्क करने का प्रयास किया गया मगर उनसे संपर्क नहीं हो सका।

बाल-बाल बचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू केरल में...

चार दिवसीय केरल यात्रा पर तिरुवनंतपुरम पहुंची थीं। बुधवार को वे सबरीमला मंदिर में दर्शन और आरती करने पहुंचीं। इस दौरान पथानामथिट्टा जिले के प्रमादम में उनके हेलिकॉप्टर की लैंडिंग हुई, जहां यह हादसा हुआ। घटना में किसी को चोट नहीं आई और राष्ट्रपति पूरी तरह सुरक्षित हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए एक्स (X) पर लिखा, "केरल आगमन पर भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का हार्दिक स्वागत। उनका यहां होना हमारे राज्य और जनता के लिए गर्व की बात है।

राज्य को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलेगी...

आयोजन समिति को उम्मीद है कि इस टूर्नामेंट से न केवल खेल को बढ़ावा मिलेगा बल्कि झारखंड की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होगी। खेल प्रेमियों को अब 24 अक्टूबर का इंतजार है, जब रांची के मोरहाबादी स्टेडियम में सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप का औपचारिक उद्घाटन होगा।

सीरीज में वापसी के मिशन पर टीम इंडिया आज मैदान में

एजेंसी । एडिलेड

भारत के लिए कमर कसने का समय आ गया है। यह एडिलेड है, यह ऑस्ट्रेलिया है, और यह मेहमान टीम है जो पर्थ में मिली हार के बाद मुश्किल में है - 7 विकेट गिरे, स्कोर पर मुश्किल से 136 रन, और पारी 30 ओवर से भी कम समय में समाप्त हो गई। बहुत कम टीमें इस तरह क्रिकेट जीत पाती हैं। अब, चुनौती इस निराशा को भुलाकर कल एडिलेड ओवल में होने वाले दूसरे वनडे में मजबूत वापसी करने की है। पहले मैच में शानदार जीत के बाद सीरीज का पलड़ा ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में है, लेकिन यह पूरी तरह से ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में है। कप्तान मिचेल मार्श ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया, जबकि जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क की तेज गेंदबाज जोड़ी ने शुरुआत में ही ऐसी बढ़त बना ली जिससे भारत कभी उबर नहीं पाया। मेहमानों के लिए, समीकरण सरल है : शीर्ष क्रम - रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल - को सीरीज को जिंदा रखने के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उनका सामूहिक रूप भारत के लिए इस सतह पर वापसी की कुंजी है, जहां से दूधिया रोशनी में बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में आने से पहले शुरुआती मूवमेंट मिलने की उम्मीद है। रोहित के साथ स्टार्क की नई गेंद की जंग शुरुआती आकर्षण का केंद्र होगी, क्योंकि बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज एडिलेड की स्विंग के अनुकूल हवा का फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

भारत : रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

ऑस्ट्रेलिया : ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉटर्, जोश फिलिप (विकेट कीपर), मैट रेनशॉ, कूपर कोनोली, मिशेल ओवेन, मिशेल स्टार्क, नाथन एलिस, मैथ्यू कुहनेमैन, जोश हेजलवुड।

कोहली की वापसी से बढ़ा रोमांच

लंबे ब्रेक के बाद कोहली की सफेद गेंद वाले क्रिकेट में वापसी से रोमांच और बढ़ गया है, जबकि गिल का संयम पारी को स्थिर करने में अहम भूमिका निभाएगा। एडिलेड ओवल में अपने पिछले सात वनडे मैचों में से पांच में जीत हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलिया के बिना किसी बदलाव के मैदान पर उतरने की उम्मीद है। उनका संतुलन, गहराई और घरेलू फायदा उन्हें स्पष्ट बढ़त प्रदान करता है। हालांकि, भारत विविधता लाने के लिए स्पिनर कुलदीप यादव को उतार सकता है, जबकि मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह नई गेंद की जोड़ी के रूप में बने रहेंगे। एडिलेड में पिछले पांच वनडे मैचों में से चार में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीत हासिल की है, इसलिए टॉस निर्णायक साबित हो सकता है। क्रिकेट के लिए परिस्थितियां आदर्श बनी हुई हैं, आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, तापमान लगभग 15 डिग्री सेल्सियस रहेगा बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं है। ऑस्ट्रेलिया को पसंदीदा माना जा रहा है। फिर भी, भारत के शीर्ष क्रम की मजबूत शुरुआत दूधिया रोशनी में होने वाले इस बेहद रोमांचक मुकाबले में गति बदल सकती है।

एशियन यूथ गेम्स
कबड्डी में भारत ने पाकिस्तान को 81-26 से रौंदा

नई दिल्ली । भारत ने क्रिकेट के मैदान पर पुरुष एशिया कप, महिला विश्व के बाद कबड्डी के मैट पर भी पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी है। भारत ने एशियन यूथ गेम्स 2025 में पड़ोसी मुल्क को 81-26 से बुरी तरह रौंदा। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान ईशांत राठी ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। एशियन यूथ गेम्स में भारतीय कबड्डी टीम का दबदबा साफतौर पर नजर आ रहा है। भारत ने बांग्लादेश को 83-19, जबकि श्रीलंका को 89-16 से शिकस्त दी है। तीनों मुकाबले जीतकर भारत प्वाइंट्स टेबल में फिलहाल शीर्ष पायदान पर मौजूद है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पड़ोसी मुल्क को घुटनों पर ला दिया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव देखने को मिला, जिसका असर खेल पर भी नजर आ रहा है। एशियन यूथ गेम्स का आयोजन 22 से 31 अक्टूबर के बीच बहरीन के मनामा में हो रहा है।

नीरज चोपड़ा को मिली मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की वर्दी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया सम्मानित

एजेंसी । नई दिल्ली

ऐतिहासिक उपलब्धि : नीरज चोपड़ा ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता।

लगातार सफलता : 2024 पेरिस ओलंपिक में रजत और 2023 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया।

भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को बुधवार को भारतीय सेना की टेरिटोरियल आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल के पद से सम्मानित किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में नीरज को यह सम्मान चिन्ह औपचारिक रूप से प्रदान किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) नीरज चोपड़ा दृढ़ संकल्प, देशभक्ति और उत्कृष्टता की भारतीय भावना का प्रतीक हैं। उन्होंने अपने अनुशासन और समर्पण से न केवल खेल जगत में, बल्कि पूरे देश में प्रेरणा का स्रोत बनने का काम किया है। रक्षा मंत्री ने नीरज चोपड़ा की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि नीरज ने मैदान में जो अनुशासन और निष्ठा दिखाई, वही भावना उन्हें सेना के आदर्शों से जोड़ती है। वह आने वाली पीढ़ियों के लिए सच्चे प्रेरणास्रोत हैं। नीरज चोपड़ा को वर्ष 2016 में भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट में शामिल किया गया था। हरियाणा के पानीपत जिले के खांदरा गांव में 24 दिसंबर 1997 को जन्मे नीरज ने अपने प्रदर्शन से न केवल भारत को, बल्कि भारतीय सेना को भी गौरवान्वित किया है। उन्होंने 2020 के टोक्यो ओलंपिक में इतिहास रचते हुए ट्रैक एंड फील्ड में भारत का पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद उन्होंने 2024 के पेरिस ओलंपिक में रजत पदक और 2023 की वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। इसके अलावा, नीरज ने एशियाई खेलों, कॉमनवेल्थ गेम्स और डायमंड लीग में भी कई स्वर्ण पदक जीते हैं।

चैंपियंस लीग : पीएसजी ने लीवरकुसेन को 7-2 से रौंदा

एजेंसी । नई दिल्ली

पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने यूईएफए चैंपियंस लीग में बायर लीवरकुसेन को 7-2 से रौंदा। इस मुकाबले में डिजायर डू ने दो गोल अपने नाम किए। आइंट्राच्ट फ्रैंकफर्ट के पूर्व डिफेंडर विलियन पाचो ने मेजबान टीम के कमजोर डिफेंस का फायदा उठाते हुए 7वें मिनट में ही हेडर से गोल करके स्कोरिंग की शुरुआत कर दी। इसके बाद लीवरकुसेन ने जवाब देने की कोशिश की। एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो ने पेनाल्टी स्पॉट से गोलपोस्ट पर गेंद मारी, लेकिन बराबरी का मौका चूक गए। मुकाबले के 38वें मिनट एलेक्स गार्सिया ने पेनाल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया, लेकिन पीएसजी ने जल्द ही मुकाबले में अपना नियंत्रण हासिल कर लिया। कुछ ही मिनटों में, डिजायर डू ने दो गोल और खविचा क्वारत्सखेलिया ने एक और गोल दागा, जिससे गत विजेता ने हाफटाइम में 4-1 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद, नुनो मेंडेस ने विटिना के शानदार असिस्ट के बाद एक संयमित गोल करके पीएसजी की बढ़त को बढ़ा दिया। 54वें मिनट एलेक्स गार्सिया ने लीवरकुसेन के लिए एक और गोल किया। चोट से वापसी कर रहे उस्मान डेम्बेले ने मैदान पर आने के कुछ ही मिनट बाद गोल करके स्कोर 6-2 कर दिया। इसके बाद 90वें मिनट विटिना ने एक शानदार स्ट्राइक के साथ मैच का अंत किया। इस हार के बाद भी लीवरकुसेन को इस अभियान की अपनी पहली जीत की तलाश है, जबकि पीएसजी यूरोप की सबसे मजबूत टीम होने का दावा कर रही है। लीवरकुसेन 5 नवंबर को बेनफिका के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। लीवरकुसेन के गार्सिया ने इस हार पर निराशा जताते हुए कहा, "इस मुकाबले में हम किसी भी चीज को लेकर सकारात्मक नहीं हो सकते। हमें इस हार का विश्लेषण और सुधार करने की जरूरत है।

पेले : फुटबॉल के राजा, जिन्होंने तीन बार जीता फीफा वर्ल्ड कप खिताब

एजेंसी । नई दिल्ली

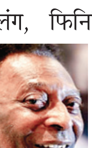

ब्राजील को तीन फीफा विश्व कप जिताने वाले पेले अपनी अद्भुत ड्रिब्लिंग, फिनिशिंग और खेल भावना के लिए मशहूर थे। फुटबॉल इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में शुमार पेले को 'फुटबॉल का राजा' कहा जाता है। 23 अक्टूबर 1940 को मिनस गेरैस राज्य के ट्रेस कोराकोस में जन्मे पेले का असल नाम 'एडसन अरांतेस डो नासिमेंटो' था। जब पेले का जन्म हुआ, तो उसी साल पहली बार उनके शहर में बिजली का बल्ब पहुंचा था। ऐसे में माता-पिता ने उनका नाम बल्ब के आविष्कारक 'थॉमस अल्वा एडिसन' के नाम पर रखा, लेकिन स्पेलिंग में 'आई' न होने के कारण उनका नाम 'एडसन' हो गया।

बचपन में पेले ने आर्थिक परेशानियों का सामना किया। उनके पिता एक अर्ध-पेशेवर फुटबॉलर थे, लेकिन चोटिल होने के बाद उन्हें इस खेल से दूर होना पड़ा। घर चलाने के लिए पिता को सफाईकर्मी का काम करना पड़ा। मां दूसरों के घरों में जाकर नौकरानी का काम करती थीं। पेले में भी पिता के गुण थे। बचपन से ही उन्हें फुटबॉल खेलना पसंद था, लेकिन इतने पैसे नहीं थे कि जूते और फुटबॉल खरीद सकें। ऐसे में मां उन्हें कपड़े की फुटबॉल बनाकर देतीं।

आईसीसी रैंकिंग : बुमराह टेस्ट गेंदबाजों में शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी । दुबई

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। हालांकि, ताजा अपडेट के बाद कुछ भारतीय खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव जरूर देखने को मिला है। मोहम्मद सिराज वनडे फॉर्मेट में गेंदबाजों की रैंकिंग में 17वें पायदान पर हैं। इस लिस्ट में अफगानी स्पिनर राशिद खान शीर्ष पर बने हुए हैं। इस बीच, टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद बुमराह की बढ़त कम हो गई है। अब पाकिस्तान के नौमान अली उनसे सिर्फ 29 अंक पीछे हैं, जिन्होंने लाहौर में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। नौमान अली चार पायदान की उछाल के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पाकिस्तान की 93 रनों की जीत में नौमान ने 10 विकेट हासिल किए थे। उनके साथी शाहीन अफरीदी भी उसी टेस्ट की दूसरी पारी में चार विकेट लेने के बाद तीन पायदान ऊपर चढ़कर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तानी बल्लेबाजों में, मोहम्मद रिजवान चार पायदान ऊपर चढ़कर 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि बाबर आजम दो पायदान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस बीच सलमान आगा 8 पायदान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंच गए।

एशेज सीरीज : कोंस्टास या लाबुशेन? पोंटिंग ने बताया, कौन हो सकता है ज्यादा फायदेमंद

एजेंसी । नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच 21 नवंबर से एशेज सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। सैम कोंस्टास और मार्नस लाबुशेन को टीम में शामिल करने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग के अनुसार, एशेज के लिए टीम चुनते समय ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इस सीरीज को लेकर सबसे बड़ा सवाल मेजबान टीम के बल्लेबाजी क्रम पर केंद्रित है। फैंस के बीच सवाल है कि क्या युवा सैम कोंस्टास अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत में लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के बावजूद प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बनाए रख पाएंगे? पोंटिंग का मानना है कि चयनकर्ताओं के सामने सबसे मुश्किल विकल्प यह है कि कोंस्टास को टीम में बनाए रखें या अनुभवी दाएं हाथ के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को वापस लाकर उन्हें ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी क्रम में उस्मान ख्वाजा के साथ शीर्ष पर रखें। पोंटिंग ने आईसीसी से कहा, "हम जानते हैं कि सैम कोंस्टास मौजूदा खिलाड़ी हैं, क्योंकि उन्होंने वेस्टइंडीज में पिछली सीरीज खेली थी, लेकिन उन्होंने शायद पहले दो (घरेलू) मैचों में उतना फायदा नहीं उठाया जितना उन्हें उठाना चाहिए था।

व्यापार/लाइफ व साइंस

भारत की मजबूत पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़ों के कारण घरेलू शेयर बाजारों में दर्ज तेजी

एजेंसी । नई दिल्ली

मजबूत मैक्रोइकोनॉमिक इंडीकेटर्स के चलते घरेलू शेयर बाजारों में तेजी दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछली पांच तिमाहियों में सबसे मजबूत वृद्धि है। यह जानकारी बुधवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। नए ऑर्डरों में तीव्र वृद्धि और मजबूत मांग के कारण, सेवा क्षेत्र का पीएमआई अगस्त 2025 में बढ़कर 62.9 हो गया, जो 15 वर्षों में इसका उच्चतम स्तर है। आईसीआरए एनालिटिक्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा, "जीएसटी काउंसिल द्वारा मौजूदा चार कर स्लैब को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-दर संरचना में सरल बनाने और चुनिंदा विलासिता की वस्तुओं जैसे महंगी कारों, तंबाकू और सिगरेट के लिए 40 प्रतिशत की विशेष स्लैब का प्रस्ताव देने से सेंटीमेंट को बल मिला। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर में श्रम बाजार में हालिया कमजोरी का हवाला देते हुए वर्ष की पहली ब्याज दरों में कटौती के बाद शेयर बाजारों में तेजी आई। हालांकि, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर बनी अनिश्चितता और घरेलू शेयर बाजारों से विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर निकासी के कारण कुल लाभ सीमित रहा। इस बीच एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष सितंबर तक इक्विटी म्यूचुअल फंड श्रेणी में देखे गए रुझानों में, इक्विटी म्यूचुअल फंड की सभी श्रेणियों ने 3, 5 और 10 वर्ष की अवधि में पॉजिटिव कैटेगरी एवरेज रिटर्न दिया।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए जर्मनी का करेंगे दौरा

एजेंसी । नई दिल्ली

सम्मेलन का उद्देश्य : यह वार्षिक समिट व्यापार, सरकार और शिक्षा जगत के नेताओं को ग्लोबल अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करता है।

शामिल कंपनियां : शेफलर ग्रुप, रेन्क व्हीकल मोबिलिटी सॉल्यूशंस, हेरेनक्नेच्ट एजी, इनफिनियन टेक्नोलॉजीज एजी, एनरट्रैग एसई और मर्सिडीज-बेंज ग्रुप एजी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा बुधवार को दी गई जानकारी के अनुसार, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ बातचीत के लिए 23 अक्टूबर से जर्मनी के दौरे पर हैं। मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, बर्लिन यात्रा जर्मनी के साथ भारत के जुड़ाव को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वर्ष 2025 भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ का भी वर्ष है, जो द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और दीर्घकालिक मजबूती को उजागर करता है। केंद्रीय मंत्री गोयल की बैठकें दोनों देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, इंडस्ट्री लीडर्स और व्यापार संघों के साथ उच्च-प्रभावी बातचीत को आगे बढ़ाएगी। इस यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री गोयल जर्मन संघीय आर्थिक मामले एवं ऊर्जा मंत्री कैथरीना रीचे और फेडरल चांसलरी में आर्थिक एवं वित्तीय नीति सलाहकार तथा जर्मनी के जी7 एवं जी20 शेरपा डॉ. लेविन होले के साथ उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। बैठक के दौरान गतिशील भारत-जर्मनी आर्थिक साझेदारी को मजबूत बनाने और व्यापार एवं निवेश सहयोग बढ़ाने के नए रास्ते तलाशने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय मंत्री गोयल द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने के अलावा, लक्जमबर्ग की आगामी भारत राजकीय यात्रा, वर्तमान क्षेत्रीय घटनाक्रमों और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए लक्जमबर्ग के उप प्रधान मंत्री और विदेश मामलों एवं व्यापार मंत्री जेवियर बेटेल के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक भी करेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, अपनी बर्लिन यात्रा के दौरान गोयल तीसरे बर्लिन ग्लोबल डायलॉग (बीजीडी) में एक वक्ता के रूप में भाग लेंगे। यह एनुअल समिट ग्लोबल इकोनॉमी को आकार देने वाले मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए व्यापार, सरकार और शिक्षा जगत के नेताओं को एक साथ लाता है। केंद्रीय मंत्री गोयल 'लीडर्स डायलॉग : ग्रोइंग टूगेदर- ट्रेड एंड अलायंस इन अ चेंजिंग वर्ल्ड' टाइटल के सेशन में एक पैनलिस्ट होंगे। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री गोयल की इस यात्रा में शेफलर ग्रुप, रेन्क व्हीकल मोबिलिटी सॉल्यूशंस, हेरेनक्नेच्ट एजी, इनफिनियन टेक्नोलॉजीज एजी, एनरट्रैग एसई और मर्सिडीज-बेंज ग्रुप एजी जैसी प्रमुख जर्मन कंपनियों के सीईओ के साथ आमने-सामने की कई बैठकें शामिल होंगी।

वे जर्मन मिटेलस्टैंड कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और प्रमुखों के साथ एक राउंडटेबल की अध्यक्षता भी करेंगे और फेडरेशन ऑफ जर्मन इंडस्ट्रीज (बीडीआई) तथा एशिया-पैसेफिक एसोसिएशन ऑफ जर्मन बिजनेस (एपीए) के प्रतिनिधियों से भी मिलेंगे।

जीएसटी 2.0 का असर!
गाड़ियों की बिक्री दोगुनी होकर 6.5 से 7 लाख यूनिट्स तक पहुंची : वित्त मंत्री

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि 22 सितंबर से लागू हुए जीएसटी सुधारों से घरेलू ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को काफी फायदा हुआ है और गाड़ियों की बिक्री दोगुनी होकर 7 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि बाजार के जानकारों का कहना है कि 22 सितंबर से जीएसटी लागू होने के बाद से दीपावली तक पूरी वाहन इंडस्ट्री की रिटेल बिक्री 6,50,000 से 7,00,000 यूनिट्स के बीच रही है। उन्होंने एक मीडिया आर्टिकल को पोस्ट करते हुए लिखा, "एक महीने पहले लागू हुए जीएसटी 2.0 से ऑटो इंडस्ट्री को काफी बढ़ावा मिला है और कारों की बिक्री दोगुनी से भी अधिक होकर 6,50,000 से 7,00,000 यूनिट्स तक पहुंच गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि दीपावली की खरीदारी के दौरान ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर भी मांग में तेज वृद्धि दर्ज की गई। इसमें प्रीमियम उत्पादों और इंस्टेंट डिलीवरी सर्विसेज ने ग्रोथ को बढ़ाने का काम किया। त्योहारी खर्च बड़े शहरों से आगे छोटे शहरों में भी दिखाई दिया।

जीएसटी में कटौती और त्योहारी मांग के कारण कंपनियों ने बिक्री के रिकॉर्ड आंकड़े पेश किए हैं। टाटा मोटर्स ने कहा कि उसने नवरात्रि से लेकर दीपावली तक के 30 दिनों के दौरान एक लाख से अधिक गाड़ियों की डिलीवरी दी है।

भारत में आईटी सेक्टर ने पकड़ी रफ्तार

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के आईटी सेक्टर में भर्तियों में वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में तेजी देखी गई है और इस दौरान टेक्नोलॉजी कंपनियों में कैंपस भर्तियां 25 प्रतिशत बढ़ी हैं। यह जानकारी बुधवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले इंजीनियरिंग, टेक्निकल और एआई प्रोफाइल की मांग में 27 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। वहीं, कंपनसेशन में 5 प्रतिशत का सुधार हुआ है। टैलेंट और टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ कंपनी एडेको ग्रुप ने अपनी रिपोर्ट में कहा, "अधिकांश कैंपस भर्तियां बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में की जा रही हैं, साथ ही कोयंबटूर, उदयपुर, नागपुर, विशाखापत्तनम और इंदौर जैसे टियर-2 शहरों में प्लेसमेंट में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनियां स्थिर, प्रबंधनीय भर्तियों को प्राथमिकता दे रही हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नए कर्मचारियों को केवल बेंच पर ही रहने देने के बजाय, उत्पादकतापूर्वक तैनात किया जा सके।

दीपावली पर रिकॉर्ड बिक्री के बाद, व्यापारियों को शादियों के सीजन में 5 लाख करोड़ रुपए के बिजनेस की उम्मीद

एजेंसी । नई दिल्ली

दीपावली पर रिकॉर्ड बिक्री हासिल करने के बाद, व्यापारियों को आने वाले त्योहारी सीजन में करीब 5 लाख करोड़ रुपए का बिजनेस होने का अनुमान है। यह जानकारी इंडस्ट्री बॉडी कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से दी गई। व्यापारियों का ध्यान अब शादी के सीजन पर केंद्रित हो गया है, जो 1 नवंबर को देवउठनी एकादशी के बाद शुरू होगा और 14 दिसंबर तक जारी रहेगा। कैट के अनुमान के मुताबिक, इस अवधि के दौरान पूरे भारत में लाखों शादियां होने की उम्मीद है, जिससे बाजारों में दीपावली जैसी रौनक लौट आएगी। कैट के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, "दीपावली के बंपर कारोबार के बाद, व्यापारी अब शादियों के सीजन की तैयारी में पूरी तरह जुट गए हैं। सोना-चांदी, आभूषण, परिधान, उपहार, सजावट, फर्नीचर, खानपान, होटल, सौंदर्य और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में बिक्री के नए रिकॉर्ड बनने की उम्मीद है।